एचडीएफसी बैंक ने बाहरी कानूनी कंपनी को सौंपी जांच - 12

बाजार में तेजी लौटी सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा, निफ्टी 400 अंक मजबूत - 12

किम जोंग का एलान-उत्तरी कोरिया को बनाएंगे परमाणु शक्ति संपन्न - 13

टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे ऋषभ पंत : एलएसजी कोच जस्टिन लैंगर - 14

आज का मौसम
32.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.11
सूर्यास्त 06.26

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष सप्तमी 01:50 उपरांत अष्टमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 25 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 119, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले शख्स हरीश राणा का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी

- 13 साल से थे कोमा में, शाम 4:10 बजे दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

भारत में निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का 13 साल से अधिक समय तक कोमा में रहने के बाद एम्स-दिल्ली में मंगलवार को निधन हो गया। राणा (32) को 14 मार्च को गाजियाबाद स्थित उनके घर से एम्स के डॉ. बीआर आंबेडकर इंस्टिट्यूट रोटरी कैंसर अस्पताल की उपशामक देखभाल इकाई में स्थानांतरित किया गया था। वह 2013 से कोमा में थे।

एम्स ने कहा, हरीश राणा का 24 मार्च को शाम चार बजकर 10 मिनट पर दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। वह डॉक्टरों की एक विशेष टीम की देखरेख में थे और उन्हें ऑन्को-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग की प्रमुख डॉ. सीमा मिश्रा के नेतृत्व वाली पैलिएटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट में भर्ती कराया गया था। इस कठिन समय में एम्स उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

शीर्ष कोर्ट ने 11 मार्च को ऐतिहासिक फैसले में हरीश राणा के लिए निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। राणा पंजाब विश्वविद्यालय में बीटेक के छात्र थे। वह 2013 में चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे और उन्हें सिर में गंभीर चोटें आई थीं। तब से वह कोमा में। अदालत ने माता-पिता निर्मला राणा और अशोक राणा का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए, अपने बेटे के प्रति अपार स्नेह और देखभाल के लिए उनकी सराहना व्यक्त की। कहा था, उनके परिवार ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला यह आदेश अदालत के 2018 के कॉमन कॉज मामले में निर्णय के अनुरूप है, जिसे 2023 में संशोधित किया गया था और गरिमा के साथ मृत्यु के मौलिक अधिकार को मान्यता दी गई थी।

वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग के मामले में इच्छामृत्यु के लिए याचिका दायर करने वाली पत्रकार और कार्यकर्ता पिंकी विरानी ने एम्स के डॉक्टरों व नर्सों को करुणापूर्वक निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को लागू करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने आग्रह किया कि यदि कोई व्यक्ति इस अधिकार का प्रयोग करना चाहता है, तो उसे अपने परिवार के सदस्यों को बता देना चाहिए। कोर्ट ने शानबाग की ओर से विरानी की याचिका खारिज कर दी थी, जो नवंबर 1973 में हुए बर्बर यौन हमले के बाद से मुंबई के अस्पताल में कोमा जैसी स्थिति में बिस्तर पर पड़ी थीं। मुंबई की नर्स शानबाग की अंततः 2015 में निमोनिया से मृत्यु हो गई।

पोषण संबंधी सहायता धीरे-धीरे की गई थी बंद

सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद राणा की पोषण संबंधी सहायता धीरे-धीरे बंद कर दी गई। राणा की मृत्यु के बाद, उनके परिवार ने उनका कॉर्निया और हृदय वाल्व दान कर दिए, जिन्हें अस्पताल द्वारा प्राप्त किया गया। कोर्ट के फैसले के बाद राणा के परिवार ने कहा था कि कृत्रिम जीवनरक्षक सहायता हटाने से परिवार को व्यक्तिगत रूप से कोई लाभ नहीं होगा, लेकिन व्यापक जनहित में यह निर्णय समान परिस्थितियों का सामना कर रहे अन्य लोगों की मदद कर सकता है। हरीश राणा के पिता अशोक राणा ने कहा था कि निष्क्रिय इच्छामृत्यु से वर्षों के अपूरणीय कष्ट से हरीश को मुक्ति मिलेगी।

हवाई हमले में तेहरान का गैस प्लांट उड़ाया, ईरान ने भी खाड़ी देशों व इजराइल पर दागे बम

दुबई, एजेंसी

- खाड़ी देशों में कम दूरी वाली हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात करेगा ब्रिटेन
- जोलघाद्र ईरान के सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के नए सचिव नियुक्त

ईरान पर मंगलवार को किए गए हवाई हमलों ने राजधानी तेहरान में भारी तबाही मचाई और गैस प्लांट के साथ पाइपलाइन उड़ा दी, लेकिन ईरानी मिसाइलों और ड्रोन ने भी इजराइल के तेल अवीव और पश्चिम एशिया के कई ठिकानों को निशाना बनाया। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामिक गणराज्य के साथ बातचीत कर रहा है। हजारों और अमेरिकी मरीन सैनिकों के खाड़ी क्षेत्र की ओर रवाना होने, दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर तीव्र हमला जारी रहने और ईरान द्वारा किसी भी प्रकार की बातचीत से इनकार करने के बीच युद्ध तेज होता दिखा। वहीं, ब्रिटेन खाड़ी देशों में कम दूरी वाली हवाई रक्षा प्रणालियां तैनात तैनात करेगा।

हालांकि, इसके एक दिन पहले ट्रंप ने ईरान को दी गई वह समयसीमा भी आगे बढ़ा दी, जिसके तहत होर्मुज को जहाजों के लिए नहीं खोलने पर ईरान के ऊर्जा संयंत्रों को हवाई हमलों में निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी।

पाकिस्तान ने राजनयिक वार्ता की मेजबानी की पेशकश की, लेकिन ईरान अपने रुख पर अड़ा रहा और पूर्ण विजय प्राप्त होने तक लड़ने की कसम खाई। ईरान ने मंगलवार को एक ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड के पूर्व कमांडर को देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद का नया सचिव नियुक्त किया, जिन्होंने हवाई हमले में मारे गए अली लारीजानी की जगह ली। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने नए सचिव की पहचान मोहम्मद बागेर जोलघाद्र के रूप में की है

होर्मुज स्ट्रेट से आने को किसी अनुमति की जरूरत नहीं: भारत

नई दिल्ली। पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि तेल समृद्ध फारस की खाड़ी को खुले समुद्र से जोड़ने वाले एकमात्र समुद्री मार्ग होर्मुज से गुजरने के लिए किसी भी देश की अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नौवहन नियमों के अनुसार जलडमरूमध्य में आवागमन की स्वतंत्रता है। चूंकि जलडमरूमध्य संकरा है, केवल प्रवेश और निकासी मार्ग चिन्हित हैं, जिनका पालन सभी जहाजों को करना आवश्यक है। एलपीजी टैंकर पाइन गैस और जग वसंत जलडमरूमध्य को पार करने से पहले सोमवार सुबह फारस की खाड़ी से रवाना हुए। दोनों एक-दूसरे के करीब चल रहे हैं।

तेल का खेल

पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर सोशल मीडिया पर ईंधन की कमी की अफवाहों से घबराकर लोग वाहनों की टंकियां फुल कराने पहुंच गए। नागपुर में पेट्रोल पंप पर लगी लंबी कतार।

ब्रीफ न्यूज

लॉरेंस बिश्नोई और दो अन्य को जबरन वसूली के मामले में किया तलब

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने जबरन वसूली से संबंधित फोन कॉल के एक मामले में आरोप-मुक्त किए जाने के एक महीने बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और दो अन्य आरोपियों को तलब किया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विशाल सिंह 20 फरवरी को एक अलग मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा आरोपमुक्त किए जाने के आदेश के खिलाफ सरकार की पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई कर रहे थे। अदालत ने 23 मार्च के अपने आदेश में कहा, जांच अधिकारी (आईओ) के माध्यम से प्रतिवादियों/आरोपियों को पुनरीक्षण याचिका को लेकर नोटिस जारी करें, जिसका जवाब सुनवाई की अगली तारीख तक देय होगा।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की ओर से बजट पेश किए जाने से कुछ घंटे पहले मंगलवार को विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस ने बताया कि विधानसभा परिसर की तलाशी के बाद अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है और तलाशी अब भी जारी है। उसने बताया कि सुबह सात बजकर 28 मिनट पर विधानसभा को बम की धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ और इसके बाद सुबह सात बजकर 49 मिनट पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भी एक ईमेल भेजा गया।

प. एशिया जंग जारी रही तो यह भारत के लिए चिंताजनक : मोदी

राज्यसभा में कहा- संकट से निपटने के लिए 7 नए समूह गठित किए

- प्रधानमंत्री बोले- आने वाला समय देश की सबसे कड़ी परीक्षा लेगा
- पूरे भारत को टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में छिड़े वर्तमान संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निबटने के लिए सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

प्रधानमंत्री ने जारी संघर्ष और इसके कारण भारत के सामने आई चुनौतियों पर वक्तव्य देते हुए कहा कहा कि भारत के लिए भी यह स्थिति चिंताजनक है। इस युद्ध से हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। इससे पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरक जैसे जरूरी सामान की नियमित आपूर्ति प्रभावित हो रही है। कहा, हमारी अर्थव्यवस्था के आधारभूत स्तंभ मजबूत हैं तथा सरकार पल पल बदलते हालात पर नजर रखे हुए है। सरकार इसके अल्पकालिक, मध्य कालिक एवं दीर्घकालिक प्रभावों पर नजर रखने के लिए एक रणनीति के तहत काम कर रही है। मोदी ने कहा कि सरकार ने एक अंतर मंत्रालयी समूह बनाया है जो नियमित बैठक कर आयात-निर्यात में आने वाली बाधाओं का आकलन करता है। जैसे कोरोना महामारी के दौरान अलग अलग क्षेत्रों की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेषज्ञों एवं अधिकारियों के विभिन्न समूह बने थे, वैसे ही सोमवार को सात नए समूहों का गठन किया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये समूह गैस, महंगाई आदि विषयों पर विचार कर समाधान के लिए काम करेंगे।

खाड़ी में एक करोड़ भारतीयों की आजीविका चिंता का कारण

मोदी ने कहा कि खाड़ी के देशों में करीब एक करोड़ भारतीय रहते हैं, वहां काम करते हैं। उन्होंने कहा कि उनका जीवन एवं आजीविका भारत के लिए बहुत बड़ी चिंता का कारण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में दुनिया के कई जहाज फंसे हुए हैं। उनमें भारतीय चालक दल की संख्या भी बहुत अधिक है तथा यह भी भारत की एक बड़ी चिंता का विषय है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी को किया फोन होर्मुज सुरक्षा पर की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर हुई बातचीत के बाद कहा कि भारत पश्चिम एशिया में जल्द से जल्द तनाव कम करने और शांति बहाल करने का समर्थन करता है।

ईरान के लिए अमेरिका की ओर से समयसीमा पांच दिन बढ़ाए जाने के एक दिन बाद ट्रंप ने मोदी को फोन किया। मोदी ने कहा, भारत तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाल करने का समर्थन करता है। होर्मुज का खुला, सुरक्षित और सुलभ रहना पूरी दुनिया के लिए आवश्यक है। हमने शांति और स्थिरता के प्रयासों के संबंध में संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की। इस संबंध में भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण पोत परिवहन मार्ग को खुला रखने के महत्व पर विचार-विमर्श किया। गोर ने सोशल मीडिया पर कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी की अभी बातचीत हुई। उन्होंने पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर चर्चा की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने का महत्व भी शामिल है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कोई विवरण साझा किए बिना यह भी कहा कि संघर्ष के पूर्ण और समग्र समाधान के लिए अमेरिका तथा ईरान के बीच सार्थक बातचीत हुई है।

अशोगापुर सामूहिक हत्याकांड में तीन दोषियों को उम्रकैद

संवाददाता, लखीमपुर खीरी

- पीड़ितों को 17 साल बाद मिला इंसाफ, अवैध संबंधों की रंजिश में दिया था सामूहिक हत्याकांड को

अमृत विचार : खीरी थाना क्षेत्र के अशोगापुर गांव में वर्ष 2008 में हुए दिल दहला देने वाले सामूहिक हत्याकांड में आखिरकार 17 साल बाद न्याय मिला है। अवैध संबंधों की रंजिश में घर को घेरकर दंपती, बेटा और दो बेटियों समेत छह लोगों की गला घोटकर हत्या के बाद छप्पर वाले घर में आग लगाकर शव फूंक देने के मामले में लखीमपुर की एडीजे (अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश) अशोक कुमार दुबे की अदालत ने तीन आरोपियों को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही प्रत्येक दोषी पर आठ-आठ हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

अदालत द्वारा दोषी ठहराए गए अभियुक्तों में मंगूलाल, सत्यनारायण और रमेश शामिल हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, घटना के पीछे अवैध संबंधों को लेकर गहरी रंजिश थी। इसी रंजिश के चलते आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से पीड़ित परिवार के छप्परनुमा मकान में रात के समय घेरकर उसमें मौजूद सभी छह लोगों की गला घोटकर हत्या के बाद सामूहिक हत्याकांड को हादसे का रूप देने के लिए घर में आग लगा दी थी। आग इतनी भीषण थी कि घर में मौजूद सभी छह लोगों के शव बुरी तरह से झुलस गए थे।

सामूहिक हत्याकांड के बाद इलाके में हड़कंप मच गया था और पूरे जिले में आक्रोश फैल गया था। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। अभियोजन पक्ष ने ठोस साक्ष्य और गवाह पेश किए। इसके आधार पर अदालत ने तीनों को दोषी मानते हुए सख्त सजा सुनाई।

सामूहिक हत्याकांड में इनकी हुई थी मौत

- छन्नूलाल (घर का मुखिया) • छन्नूलाल की पत्नी • रोहित (छन्नूलाल का पुत्र) • रोहिनी (छन्नूलाल की पुत्री) • मोहिनी (छन्नूलाल की दूसरी पुत्री) • रेखा (ओमप्रकाश की विधवा पत्नी)

प. एशिया पर सर्वदलीय बैठक आज

- रक्षामंत्री राजनाथ करेंगे बैठक की अध्यक्षता, राहुल गांधी नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। सरकार ने प. एशिया संकट पर चर्चा करने के लिए बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सूत्रों ने बताया कि यह बैठक बुधवार शाम पांच बजे बुलाई गई है। उन्होंने बताया कि बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कर सकते हैं और विदेश मंत्री एस जयशंकर के भी इसमें मौजूद रहने की उम्मीद है।

इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा कि वह सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे क्योंकि उनका केरल में एक कार्यक्रम पहले तय है। विपक्ष ने पश्चिम एशिया की स्थिति पर संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वक्तव्य के बाद इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक की मांग उठाई थी। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दल पश्चिम एशिया युद्ध और इसके भारत पर प्रभाव को लेकर सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं। राज्यसभा में प्रधानमंत्री ने कहा कि संघर्ष के कारण उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए अधिकार संपन्न सात नए समूहों का गठन किया गया है जो एलपीजी, आवश्यक सेवाओं एवं वस्तुओं की आपूर्ति एवं क्षेत्रों से जुड़े अन्य विषयों का नियमित आकलन कर सुझाव देंगे।

रेलवे टिकट 8 घंटे पहले कैंसिल करने पर ही रिफंड

नई दिल्ली, एजेंसी

- चार घंटे का नियम खत्म, ट्रेन छूटने के 30 मिनट पहले बोर्डिंग स्टेशन बदल सकेंगे

रेल मंत्री ने मंगलवार को टिकट क्षेत्र में सुधारों की घोषणा करते हुए कहा कि ट्रेन के प्रस्थान करने के आठ घंटे पहले तक कंफर्म टिकट रद्द करने पर कोई पैसा वापस नहीं मिलेगा, जबकि वर्तमान में यह नियम चार घंटे का है। मंत्री ने बताया कि पुनर्भुगतान का नया नियम इस साल एक से 15 अप्रैल के बीच लागू होगा।

उन्होंने बताया कि टिकट रद्दीकरण के अन्य नियमों में भी बदलाव किया गया है। अब ट्रेन के प्रस्थान करने से 24 घंटे से आठ घंटे पहले टिकट रद्द करने पर केवल 50 प्रतिशत राशि का पुनर्भुगतान किया जाएगा जबकि वर्तमान में यह अवधि 12 घंटे से चार घंटे है। इसी प्रकार, ट्रेन के प्रस्थान करने के समय से 72 से 24 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर टिकट की कुल राशि में से 25 प्रतिशत की कटौती की जाएगी। संशोधित नियमों के तहत ट्रेन के प्रस्थान से 72 घंटे से अधिक समय पहले किए गए टिकट रद्दीकरण पर प्रति यात्री एक निश्चित राशि काटने के बाद पूरी राशि वापस कर दी जाएगी। वर्तमान नीति के तहत ट्रेन के प्रस्थान करने से 48 से 12 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर कुल राशि में 25% की कटौती होती है, जबकि 48 घंटे से अधिक पहले किए गए रद्द करने पर पूरी राशि वापस कर दी जाती है। वैष्णव ने कहा कि कालाबाजारी और एजेंटों द्वारा अंतिम समय में टिकट की बिक्री को हतोत्साहित करने के लिए पुनर्भुगतान नियमों में बदलाव किया जा रहा है।

पारदर्शिता

योगी ने लांच किया निवेश मित्र 3 .0, उद्योगों को दिए 2781 करोड़ रुपये इंसेंटिव, कहा, 50 हजार रोजगार का मार्ग प्रशस्त

वैश्विक अनिश्चितता के बीच यूपी बना भरोसेमंद निवेश गंतव्य : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में उत्तर प्रदेश निवेश और उद्योग के लिए सबसे सुरक्षित व भरोसेमंद गंतव्य बनकर उभरा है। उन्होंने निवेशकों के बढ़ते भरोसे को प्रदेश की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि बीते नौ वर्षों में पारदर्शी नीतियों, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर के चलते यूपी की छवि पूरी तरह बदली है।

उद्योगों को 2781 करोड़ रुपये इंसेंटिव व लेटर ऑफ कंफर्ट देते मुख्यमंत्री योगी।

मुख्यमंत्री मंगलवार को लोकभवन में 'निवेश मित्र 3.0' सिंगल विंडो सिस्टम के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान 85 परियोजनाओं को लेटर ऑफ कंफर्ट और एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट के आधार पर 2781 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई। साथ ही 62 कंपनियों को एलओसी जारी किए गए, जिनके माध्यम से करीब 50 हजार करोड़ रुपये के निवेश और 50 हजार रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त होगा। 'निवेश मित्र 3.0' उद्योग स्थापना को अधिक सरल, पारदर्शी और तेज बनाएगा। इसमें एआई चैटबॉट, रियल-टाइम ट्रैकिंग, जीआईएस लैंड बैंक और एंड-टू-एंड डिजिटल मॉनिटरिंग जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे निवेशकों को एक ही प्लेटफॉर्म पर सभी सेवाएं मिल सकेंगी। 43 से अधिक विभागों की 530 सेवाओं को समेकित कर 200 से कम सेवाओं में बदल दिया गया है, जिससे प्रक्रिया अधिक सुगम और समयबद्ध हो गई है। सीएम ने बताया कि प्रदेश में निजी बिजनेस पार्क नीति लागू कर औद्योगिक विकास को नई गति दी जा रही है। प्लग-एंड-प्ले मॉडल के तहत निवेशक आसानी से उद्योग स्थापित कर सकेंगे, जिसमें सरकारी भूमि उपलब्ध कराने के साथ पारदर्शी रेवेन्यू शेयर व्यवस्था लागू होगी। साथ ही 'स्किल कनेक्ट' और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेल के माध्यम से उद्योगों को कुशल मानव संसाधन और नए उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह भी बताया, 2012 से 2017 के बीच जहां मात्र 16 एलओसी जारी हुए थे, वहीं पिछले नौ वर्षों में यह संख्या बढ़कर 3367 हो गई है, जो निवेश में आए बड़े बदलाव को दर्शाता है।

अपराधी-माफिया दुस्साहस करेगा तो यमराज का टिकट

कानून-व्यवस्था पर सख्त रुख दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उद्योगों के संचालन में किसी भी प्रकार की बाधा या अराजकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अपराधी या माफिया यदि दुस्साहस करते हैं तो वे अपने लिए "यमराज का टिकट" स्वयं काटते हैं। मुख्यमंत्री ने कानपुर की 'लाल इमली' मिल का उदाहरण देते हुए कहा कि पूर्व में गलत नीतियों और ट्रेड यूनियन के भ्रष्टाचार के कारण उद्योग बंद हुए, वर्तमान सरकार ने सकारात्मक माहौल दिया।

शहीदों की प्रतिमाएं तोड़ने पर शहर में उबाल, प्रदर्शन-नारेबाजी

सपा, कांग्रेस और अधिवक्ताओं ने जताया आक्रोश, फूंका पुतला, बुलडोजर से गिराकर मलबे में डाले गए शहीदों की प्रतिमाओं के अवशेष

न्यूज ब्रीफ

महिला को पीटा, दो भाइयों पर रिपोर्ट दर्ज

खुटार, अमृत विचार : हरदोई के थाना पाली के गांव सूरापुर निवासी सुखदेव की पत्नी गुड़िया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 21 मार्च रात करीब बारह बजे खुटार के गांव रजमना निवासी विवेक कुमार अवस्थी पुत्र राम शंकर अवस्थी उसके दरवाजे पर आये और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उसे लात-घुसो, डंडों से मारा पीटा। साथ ही आरोपी का बड़े भाई विश्व मोहन ने जान से मारने की धमकी दी और रुपये की मांग की। बाद में सभी लोग मौके से चले गए। पीड़ित गुड़िया पाली थाने में दोनों सगे भाइयों के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सर्राफा पर नकली कुंडल बेचने का आरोप

खुदागंज, अमृत विचार : खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव परमानंदपुर निवासी मनोज मिश्रा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने कई वर्ष पूर्व नगर के एक सर्राफा व्यापारी से 12357 रुपये में सोने के कुंडल खरीदे थे। लेकिन जब वह अपने किसी आवश्यक कार्य से उन्हें गिरवी रखने दूसरी दुकान पर गया तो उसने नकली बताते हुए उन्हें लेने से इनकार कर दिय। इसके बाद वह जिसके यहां से कुंडल खरीदे थे, उसके पास गया तो उसने भी नकली बताते हुए वापस लेने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर मामले में जांच कर दोषी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

परामर्श केंद्र में दंपती का कराया समझौता

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पुलिस लाइन में महिला परामर्श केंद्र का आयोजन किया गया। परामर्श केंद्र पर 20 पत्रावली की सुनवाई की गई। इसमें एक दंपती का समझौता हुआ। थाना बंडा क्षेत्र के एक दंपति जिनकी शादी 03 वर्ष पूर्व हुई थी। महिला अपने मायके में एक माह से रह रही थी। उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है, जिस कारण वह अपने मायके चली आयी थी। दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया और दोनों पक्षों की आपस में वार्ता कराई गई। दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए और विदा किया गया। इस मौके पर काउंसलर शशिप्रभा कौशल, सिपाही बबीता देवी, साकेत आदि मौजूद रहे।

- **डीएम ने एफआईआर व निर्माण संस्था को ब्लैकलिस्ट करने के दिए निर्देश**

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े जाने के मामले ने शहर में उबाल ला दिया है। निर्माण संस्था की ओर से बुलडोजर चलाकर अमर शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, ठाकुर रोशन सिंह और अशफाक उल्ला खां की प्रतिमाएं गिरा दी गईं और उनके अवशेष मलबे में डाल दिए गए। इस घटना के सामने आने के बाद लोगों में जबरदस्त आक्रोश देखा गया और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी।

विभिन्न संगठनों ने इसको लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सपा, कांग्रेस और अधिवक्ताओं ने अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शन करते हुए घटना की निंदा की। कचहरी में निर्माण संस्था का पुतला फूंककर विरोध दर्ज कराया गया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शहीदों का अपमान किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रतिमाएं तोड़ने की सहमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पूरे मामले में जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने सख्त रुख अपनाते हुए संबंधित निर्माण संस्था के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही संस्था को ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू होने के भी संकेत मिले हैं। इस घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रिया भी सामने आई है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर घटना को घोर निंदनीय बताया और इसे शहीदों के सम्मान के खिलाफ बताया। शहर में लगातार बढ़ते विरोध और आक्रोश के बीच प्रशासन पर कार्रवाई का दबाव बढ़ गया है।

इस पूरे मामले पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी नाराजगी जताई है। उन्होंने इसे घोर निंदनीय बताते हुए कहा कि सौंदर्यीकरण के नाम पर शहीदों के सम्मान से खिलवाड़ किया गया है और यह एक गलत मानसिकता को दर्शाता है। दरअसल, सौंदर्यीकरण कार्य के तहत इन प्रतिमाओं को हटाकर नई प्रतिमाएं स्थापित की जानी थीं, जिसके लिए करीब 40 लाख रुपये का ठेका एक एजेंसी को दिया गया था। योजना के अनुसार नई प्रतिमाएं पीछे लगाई जानी थीं, लेकिन संबंधित ठेकेदार ने नगर निगम अधिकारियों को जानकारी दिए बिना रविवार रात बुलडोजर से प्रतिमाओं को हटाने का प्रयास किया, जिससे वे खंडित हो गईं। घटना की जानकारी मिलने पर महापौर अर्चना वर्मा मौके पर पहुंचीं और नगर निगम अधिकारियों से नाराजगी जताई। इस मामले में सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अनीत कुमार त्रिवेदी ने जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि जिन वीरों ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनकी प्रतिमाओं के साथ इस तरह की लापरवाही जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है। सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो सामने आने के बाद लोगों का गुस्सा और बढ़ गया। वीडियो में प्रतिमाओं का मलबा डंपिंग ग्राउंड में पड़ा दिखाई दे रहा है।

कचहरी के पास निर्माण संस्था का पुतला फूंकते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग

शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े जाने के मामले में जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। सेंट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव अनीत कुमार त्रिवेदी ने प्रशासन से पूरे प्रकरण की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिन वीरों ने देश के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर किया, उनकी प्रतिमाओं के साथ इस तरह की लापरवाही जनभावनाओं को आहत करती है। सोशल मीडिया पर घटना से जुड़े वीडियो सामने आने के बाद लोगों में गुस्सा बढ़ गया। वीडियो में प्रतिमाओं का मलबा डंपिंग ग्राउंड में पड़ा दिखाई दे रहा है।

कलेक्ट्रेट में विरोध जताते सपा युवा वाहिनी के पदाधिकारी।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नगर निगम घेरा, जताया विरोध

कांग्रेस ने इसे महान क्रांतिकारियों के बलिदान का अपमान बताते हुए राष्ट्रीय अस्मिता और जनभावनाओं पर आघात बताया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रजनीश गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने नगर निगम कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन और नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया, जिसके बाद सहायक नगर आयुक्त वार्ता के लिए पहुंचे, लेकिन कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक दोषियों पर ठोस कार्रवाई नहीं होगी, तब तक कोई वार्ता स्वीकार नहीं की जाएगी। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने कहा कि प्रतिमाओं को हटाने के लिए न तो नगर निगम की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव लाया गया और न ही निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया गया, जिससे यह कार्य मनमाने तरीके से किया गया प्रतीत होता है। उन्होंने मांग की कि यदि कोई प्रस्ताव पारित हुआ है तो उसे सार्वजनिक किया जाए और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं बल्कि शहीदों के सम्मान से जुड़ा है, इसलिए सभी जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कानूनी और विभागीय कार्रवाई होनी चाहिए।

अधिवक्ता समाज और ट्रस्ट ने दी बड़े आंदोलन की चेतावनी

शहीदों की प्रतिमाओं के साथ हुई अवमानना को लेकर शहर में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शहीदी दिवस के अवसर पर प्रतिमाओं पर बुलडोजर चलाए जाने के मामले ने लोगों की भावनाओं को झकझोर दिया है। इस घटना को लेकर अधिवक्ता समाज और विभिन्न संगठनों में नाराजगी देखी जा रही है। राष्ट्र स्वाभिमान ट्रस्ट के संयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता अशित पाठक ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिन शहीदों के बलिदान से देश स्वतंत्र हुआ, उन्हीं की प्रतिमाओं पर बुलडोजर चलाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रतिमाओं का नहीं बल्कि देश की गौरवशाली विरासत का भी अपमान है।

कांग्रेस ने मेयर की भूमिका पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेताओं ने महापौर अर्चना वर्मा की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि इतनी बड़ी घटना की जानकारी न होना प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है। युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामजी अवस्थी ने कहा कि शहीदों का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कांग्रेस इसके खिलाफ हर स्तर पर संघर्ष करेगी। प्रदर्शन में हरदोई कांग्रेस जिला अध्यक्ष विक्रम पांडे भी शामिल हुए और उन्होंने चेतावनी दी कि 24 घंटे के भीतर प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक पुन: स्थापित नहीं किया गया और दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष प्रभारी संगठन फुरकान अहमद कुरैशी ने कहा कि आंदोलन जारी रहेगा और अगले दिन पड़ोसी जिलों के कांग्रेस कार्यकर्ता भी इसमें शामिल होंगे। प्रदर्शन में प्रदेश सचिव अनूप वर्मा, प्रदेश महासचिव अभय प्रताप सिंह, पूर्व महानगर अध्यक्ष पवन सिंह, अर्चना कटारिया, रफी उल हसन, सईद अंसारी, पूनम पांडेय, बिंदेश्वरी राज, पार्षद तालिब खान, रामखेलावन मिश्रा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनभावनाओं को आहत करने का लगाया आरोप

इस कार्रवाई को लेकर पार्षदों और नागरिकों ने नाराजगी जताते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और जनभावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला बताया है। जानकारी के अनुसार प्रतिमाओं को बिना किसी पूर्व सूचना, सार्वजनिक सहमति या सम्मानजनक प्रक्रिया अपनाए हटाया गया, जिससे लोगों में असंतोष बढ़ गया है। पार्षद रुपेश वर्मा अन्नू ने कहा कि जिन शहीदों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए, उनकी प्रतिमाओं के साथ इस तरह का व्यवहार किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता। पार्षदों ने नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने, दोषी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और हटाई गई प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक पुन: स्थापित कराने की मांग की है। पार्षद रामबरन सिंह ने कहा कि शहीदों के सम्मान के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। इस दौरान नगर निगम के कई पार्षद मौजूद रहे।

नगर आयुक्त बोले- नई जगह सम्मान के साथ लगाई जाएंगी शहीदों की प्रतिमाएं

नगर निगम की ओर से अमर शहीदों की प्रतिमाओं को बुलडोजर से तोड़े जाने का मामला सामने आने के बाद लोगों में भारी आक्रोश है। नगर निगम कार्यालय के सामने सड़क किनारे स्थापित शहीद पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और ठाकुर रोशन सिंह की प्रतिमाओं को रविवार रात बुलडोजर चलाकर गिरा दिया गया। प्रतिमाओं के साथ उनके नाम लिखे पत्थरों को भी हटाया गया और पूरा मलबा डंपिंग ग्राउंड में फेंक दिया गया। सोमवार सुबह जब लोगों ने टूटी प्रतिमाएं देखीं तो नाराजगी बढ़ गई और जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठने लगी। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब तक बुलडोजर माफियाओं के खिलाफ चलता देखा गया था, लेकिन यहां शहीदों की प्रतिमाओं को ही तोड़ दिया गया, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। नगर आयुक्त डॉ. विपिन मिश्रा ने सफाई देते हुए बताया कि तिराहे पर कम जगह होने के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनती थी, इसलिए प्रतिमाओं को वहां से हटाकर करीब 15 से 20 फीट पीछे स्थापित करने की योजना थी। उन्होंने कहा कि नई जगह पर चार स्टैंड तैयार किए जा चुके हैं।

सम्मानजनक ढंग से नहीं हटाई गईं शहीद प्रतिमाएं, महापौर सख्त

नगर निगम कार्यालय परिसर में शहीद प्रतिमा स्थल के सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान प्रतिमाएं हटाने के मामले में महापौर ने कड़ा रुख अपनाया है। महापौर की ओर से नगर आयुक्त को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि विभाग की ओर से सौंदर्यीकरण के अंतर्गत शहीद प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक हटाकर पुन: स्थापित किया जाना प्रस्तावित था, लेकिन 22 मार्च की रात कार्यस्थल पर प्रतिमाओं को सम्मानजनक तरीके से नहीं हटाया गया, जिससे वे विखंडित हो गईं। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि विखंडित प्रतिमाओं को उचित स्थान पर नहीं रखा गया और प्रतिमाएं हटाने के संबंध में पार्षदों तथा महापौर को भी जानकारी नहीं दी गई, जो गंभीर और आपत्तिजनक है। महापौर ने कहा कि 23 मार्च को शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस के अवसर पर इस प्रकार की घटना होना शहीदों का अपमान है और यह पूरी तरह अक्षम्य है। इस घटना से स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। महापौर ने नगर आयुक्त को निर्देश दिए हैं कि पूरे प्रकरण में शामिल दोषी लोगों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज कराई जाए।

शहीद प्रतिमाएं तोड़ने वाले ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने की मांग उठी

शाहजहांपुर। नगर निगम परिसर में शहीदों की प्रतिमाएं अपमानजनक तरीके से हटाए जाने के मामले में सर्व समाज जन कल्याण समिति ने कड़ा विरोध जताया है। समिति के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज अंसारी ने वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को पत्र भेजकर घटना की निंदा करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि जेसीबी से प्रतिमाओं को जिस तरह खंडित कर हटाया गया, वह पूरी तरह अस्वीकार्य है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने और नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है। शाहनवाज अंसारी ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो समिति की बैठक बुलाकर आंदोलन का निर्णय लिया जाएगा।

शहीद प्रतिमाएं तोड़ने पर सौंपा ज्ञापन

नगर निगम क्षेत्र में शहीदों की प्रतिमाएं तोड़े जाने के मामले में समाजसेवी नवी सलमान ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि शहीद दिवस के मौके पर बुलडोजर से प्रतिमाओं को गिराना बेहद शर्मनाक है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि अशफाक उल्ला खां, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल और ठाकुर रोशन सिंह की प्रतिमाओं को अपमानजनक तरीके से तोड़ा गया और उनके अवशेष कूड़े की ट्रालियों में ले जाए गए, जो गलत है। उन्होंने कहा कि प्रतिमाओं को सम्मान के साथ कपड़े में लपेटकर हटाया जाना चाहिए था, लेकिन जेसीबी से तोड़कर हटाना शहीदों का अपमान है। समाजसेवी ने मांग की कि इस मामले में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों की जांच कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और ठेकेदार पर भी कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि प्रतिमाओं को रात के समय क्यों तोड़ा गया।

शहीद प्रतिमाओं को तोड़े जाने पर रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शहर में टाउन हॉल में नगर निगम परिसर में शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां और रोशन सिंह की बुलडोजर से प्रतिमाओं को तोड़े जाने के मामले में मैसर्स फ्लाई इंफ्राटेक कंपनी लखनऊ के खिलाफ विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

नगर निगम के मुख्य अभियंता आशीष त्रिवेदी ने थाना सदर बाजार में दी गई तहरीर में बताया कि नगर निगम की ओर से टाउनहाल स्थित शहीद प्रतिमा स्थल का सौन्दर्यीकरण कराया जा रहा है, जिसमें शहीदों की प्रतिमाओं को नए निर्माणाधीन पैडेस्टल पर शिफ्ट किया जाना है। इस कार्य के लिए नगर निगम की ड्राइंग डिजायान निर्धारित करते हुए ई निविदा करायी गयी थी, जिसमें प्लाई इंफ्राटेक लखनऊ की निविदा स्वीकृत हुई थी। फर्म की ओर से शहीद प्रतिमाओं के पीछे तक सिविल का कार्य कराया जा रहा है। 22 मार्च की रात में शहीद प्रतिमाओं को हटाया गया। विभागीय जांच करायी गयी। जांच में पाया गया कि शहीद प्रतिमाओं को हटाने में फर्म ने गरिमा अनुरूप कार्यवाही नहीं की गयी। बिना विभागीय जानकारी दिए हुए इस प्रकार की घोर लापरवाही है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि फ्लाई इंफ्राटेक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

स्टेशन पर पुराना डाकघर व जीआरपी भवन ढहाया

शाहजहांपुर, अमृत विचार: सांसद और वित्त मंत्री का डीआरएम के साथ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण के बाद अमृत भारज योजना के तहत निर्माण कार्य में तेजी आयी है। जेसीबी से सर्कुलेटिंग एरिया में पुराना डाकघर को ढहा दिया गया है। इसके अलावा पार्सल घर आदि को दूसरी जगह शिफ्ट कर दिया जाएगा। सर्कुलेटिंग एरिया को पूर्वोत्तर रेलवे स्टेशन से मिला दिया जाएगा। सांसद अरुण सागर और वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने डीआरएम विनीता श्रीवास्तव के साथ रेलवे स्टेशन पर निर्माणाधीन फुट ओवरब्रिज, स्वचालित सीढ़ियां, माल गोदाम रोड पर सेकेंड एंट्री और सर्कुलेटिंग एरिया में सौंदर्यीकरण कार्य को देखा था। धीमी गति से हो रहे कार्य पर नाराजगी जताई थी।

न्यूज डायरी

उन्मुखीकरण कार्यक्रम में विद्यालयों के अध्यक्ष व सचिव हुए शामिल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शिक्षा निदेशक बेसिक एवं राज्य परियोजना निदेशक के आदेश के क्रम में मंगलवार को नगर के संसाधन केंद्र किला पर विद्यालय की प्रबंधन समितियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर के परिषदीय विद्यालयों के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि उन्मुखीकरण का अर्थ समिति के सदस्यों अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को उनकी भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और विद्यालय के सुचारू संचालन से परिचित कराना है। प्रशिक्षक मोहम्मद कामिल में बताया कि विद्यालय प्रबंध समिति सभी विद्यालयों मे गतिशील है।

आजाद अधिकार सेना ने सीडीओ का सौंपा ज्ञापन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जनपद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत वंचित रह गए पात्र लाभार्थियों को शीघ्र शामिल किए जाने की मांग को लेकर आजाद अधिकार सेना के नेतृत्व में सैकड़ों गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों ने मुख्य विकास अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं प्रभावित परिवारों ने बताया कि वर्ष 2025 एवं वर्तमान सत्र के अनेक ऐसे आवेदन हैं, जिनका नियमानुसार ऑनलाइन पंजीकरण एवं भौतिक सत्यापन पूर्ण हो चुका है, फिर भी उन्हें अब तक आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं किया गया। इससे गरीब परिवारों में भारी असंतोष व्याप्त है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि शासन द्वारा निर्धारित प्रथम आगत-प्रथम पावत के सिद्धांत का पालन नहीं किया जा रहा है। कई पात्र आवेदन लंबित स्थिति में पड़े हुए हैं। जबकि शासनादेश के अनुसार, आवश्यकता होने पर अतिरिक्त लक्ष्य एवं बजट आवंटन का स्पष्ट प्रावधान मौजूद है। आजाद अधिकार सेना के प्रदेश अध्यक्ष शैलेश कुमार ने कहा कि जनपद में सैकड़ों गरीब परिवार अपनी बेटियों के विवाह के लिए सरकार की सहायता राशि एवं सामग्री का इंतजार कर रहे हैं।

एएसपी ने महिला पुलिस कर्मियों से किया संवाद

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिशन शक्ति फेज के तहत एएसपी ग्रामीण भंवरे दीक्षा ने पुलिस लाइन में रिक्रूट महिला आरक्षियों के साथ जागरुकता एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उन्होंने महिला आरक्षियों को कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं गरिमा सुनिश्चित करने के लिए विशाखा गाइडलाइंस के संबंध में विस्तृत एवं व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने संवाद स्थापित करते हुए उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया गया तथा सेवा के दौरान आने वाली चुनौतियों से आत्मविश्वास एवं दृढ़ता के साथ निपटने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने कहा कि महिला पुलिसकर्मी न केवल कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। समाज में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा और विश्वास को सुदृढ़ करने में भी अग्रणी भूमिका निभाती हैं। कार्यस्थल पर किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की स्थिति में विधिक प्रावधानों के तहत कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

इंटर कालेज को रक्षा मंत्रालय के अधीन करने की सदन में उठी मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सांसद अरुण सागर ने ओसीएफ इंटर कालेज बंद होने से छात्र छात्राओं को होने वाली कठिनाइयों का प्रकरण को सदन में उठाया है। उन्होंने नियम 377 के अधीन पत्र देकर मांग की है कि ओसीएफ इंटर कालेज को रक्षा मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किया जाए। जिससे उनके संसदीय क्षेत्र के छात्र छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके।

सांसद अरुण सागर ने कहा कि वह अपने संसदीय क्षेत्र के लाखों छात्र-छात्राओं के भविष्य से जुड़ा हुआ मुद्दा उठा रहे हैं। शाहजहांपुर में ऑर्डिनेंस क्लोदिंग फैक्ट्री के अधीन संचालित ओसीएफ इंटर कॉलेज एक प्रतिष्ठित संस्थान था, उसके बंद होने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होने कहा कि सत्र 2025-26 में छात्रों का अन्य विद्यालयों में स्थानांतरण किया गया, जिससे शिक्षा की निरंतरता प्रभावित हुई। सांसद ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में शाहजहांपुर राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे है। जहाँ भारत की साक्षरता दर लगभग 77 प्रतिशत है, वहीं शाहजहांपुर जनपद में यह लगभग 65 प्रतिशत के आसपास है। उच्च माध्यमिक स्तर पर नामांकन एवं गुणवत्ता शिक्षा की उपलब्धता भी सीमित है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय द्वारा इस विद्यालय को पुनः प्रारंभ कर सीबीएसई से संचालित करने तथा केन्द्रीय विद्यालय प्रणाली में शामिल करने का प्रस्ताव अत्यंत सराहनीय है।

सांसद ने बताया कि वर्तमान में जनपद में केवल दो केन्द्रीय विद्यालय हैं, जिनमें सीटें अत्यंत सीमित हैं। उन्होंने सदन में निवेदन किया कि प्रस्ताव को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करते हुए ओसीएफ इण्टर कॉलेज शाहजहांपुर को रक्षा मंत्रालय द्वारा पुनः प्रारंभ किया जाए, जिससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो सके।

सांसद अरुण कुमार सागर।

- **सांसद अरुण सागर बोले- शाहजहांपुर के छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी**

कार्य से हटाई गई फ्लाई इंफ्राटेक कार्यदायी संस्था

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शहीदों की प्रतिमाओं को तोड़ने के आरोपों से घिरी मैसर्स फ्लाई इंफ्राटेक कार्यदायी संस्था को नगर निगम ने कार्य से हटा दिया गया है। नगरायुक्त डॉ. विवेक मिश्र ने बताया कि कार्यदायी संस्था को कार्य से बाहर कर दिया गया है। किसी अन्य अच्छी फर्म से इस कार्य को कराया जाएगा। फर्म के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जा रही है। जुर्माना भी लगाया जाएगा। संबंधित अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रजनीश गुप्ता ने मांग की है कि 24 घंटे के भीतर सभी शहीदों की प्रतिमाओं को पुनः स्थापित कर उनकी गरिमा बहाल की जाए। उन्होंने घटना की मजिस्ट्रियल जांच, दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई और प्रतिमाएं हटाने के आदेशों को सार्वजनिक करने की भी मांग की।

कांग्रेस ने भविष्य में ऐसे ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने और जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की भी मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो जिला कांग्रेस कमेटी व्यापक जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। वहीं सपाइयों ने भी चेतावनी दी है कि दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही नहीं हुई तो 24 घंटे में समाजवादी लोहिया वाहिनी कल से आमरण अनशन के लिए वाध्य होगी। वहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने घटना के विरोध में प्रदर्शन किया गया। जिसमें कामरेड राम शंकर लाल ने कहा कि इस घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए।

सप्तम कालरात्रि

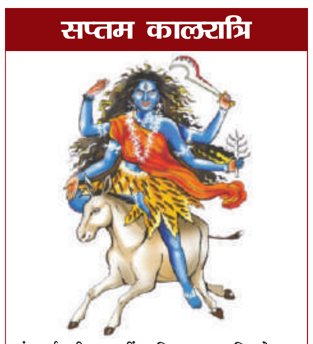

मां दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। दुर्गा पूजा के सातवें दिन मां कालरात्रि की उपासना का विधान है। इस दिन साधक का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालरात्रि को व्यापक रूप से माता देवी – काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। देवी कालरात्रि की पूजा से शनिदोष खत्म होता है।
बीज मंत्र...
माँ कालरात्रि: क्लीं ऐं श्री कालिकायै नम:

न्यूज ब्रीफ

खेतों से अवैध बालू खनन करने का आरोप

तिलहर, अमृत विचार : दबंगई में खेतों से बालू खनन का मामला सामने आया है। हटा दलेलपुर गांव के ग्रामीणों ने एक युवक पर उनके खेतों से जेसीबी मशीन के जरिए जबरन बालू खनन करने का आरोप लगाया है। ग्रामीण मंगलवार को रामगोपाल के नेतृत्व में तहसील पहुंचे और एसडीएम सदानंद सरोज से कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि बरैंचा गांव का एक युवक नदी किनारे स्थित उनकी जमीनों से अवैध तरीके से बालू निकाल रहा है। जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि युवक रात के समय लगातार दबंगई के साथ बालू खनन कर रहा है। एसडीएम सदानंद सरोज ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाबालिग लड़की को भगा ले गया युवक

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक प्रेम प्रसंग के चलते अपने बड़े भाई की नाबालिग साली को बहला फुसलाकर एक माह पहले भगा लाया था। मामले में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया है और चिकित्सकीय परीक्षण के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा है। बताया गया कि युवक हरदोई जिला के थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के एक गांव से अपनी नाबालिग साली को भगा लाया था। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की गई है, किशोरी को बरामद कर लिया गया है और आरोपी युवक की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा जाएगा।

संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत, पांच के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पुलिस ने तीन आरोपी हिरासत में लिए

संवाददाता, खुटार

अमृत विचार : खुटार के गांव मोहनपुर में संदिग्ध हालात में विवाहिता की मौत हो गई। पुलिस ने गांव पहुंच कर घटना की जानकारी जुटाई और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पीड़ित पिता की तरफ से विवाहित महिला के पति, सास और ससुर सहित पांच आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली और शव पोस्टमार्टम भेज दिया है। घटना के मामले में विवाहित महिला के पति समेत तीन आरोपी पुलिस हिरासत में है। उनसे पूछताछ की जा रही है।

पीलीभीत के थाना बीसलपुर के गांव मोहम्मदपुर भजा निवासी सत्यदेव ने बताया कि 22 फरवरी, वर्ष 2024 को पुत्री नीतू गंगवार की शादी खुटार के गांव मोहनपुर निवासी पवन वर्मा उर्फ नीटू के पुत्र रचित वर्मा उर्फ इलू के साथ की थी। शादी में अपनी हैसियत के मुताबिक दान दहेज दिया था और हिंदू रीति रिवाज के साथ की थी। इसके बावजूद दामाद रचित वर्मा उर्फ इलू, दामाद का भाई निखिल वर्मा, बहन जूली वर्मा, पिता पवन वर्मा उर्फ नीटू, मां दिए गए दान दहेज से संतुष्ट नहीं थे। बेटी के ससुरालीजन दहेज में कार व अन्य दहेज की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं करने पर

• पिता बोला- जहर देकर दामाद और उसके परिजन ने की हत्या

बेटी के साथ शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे थे। बाद में दोनों पक्षों के बीच बैठकर पंचायत फैसला भी हुआ।

बावजूद इसके बेटी के ससुराल के लोग दहेज की मांग पर अड़े रहे। पीड़ित पिता सत्यदेव ने बताया कि सोमवार रात को बेटी के

मृतका नीतू।

गांव के लोगों से पता चला कि बेटी की मौत हो गई है। खबर मिलते ही वह परिजनो के साथ अपनी बेटी के घर पहुंचा। जहां घर में बेटी का शव पड़ा हुआ था और उसके परिजन घर से फरार थे। आरोप है कि दामाद ने अपने परिजनों के साथ बेटी को जबरन जहर पिलाकर उसकी हत्या कर दी है। मंगलवार को पीड़ित सत्यदेव की सूचना पर पुलिस व फॉरेंसिक टीम गांव पहुंची और जांच की। नायाब तहसीलदार जगत मोहन जोशी की मौजूदगी में पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम भेज दिया गया। मायके वालों ने बताया कि नीतू की शादी को दो साल हुए थे। उसका एक बेटा श्याम है। पुलिस ने पीड़ित सत्यदेव की तहरीर पर नीतू के पति समेत पांच आरोपियों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। खुटार थानाध्यक्ष श्यामवीर सिंह ने बताया मुकदमा दर्ज किया गया है।

दोनों पक्षों में कई घंटे चली पंचायत, नतीजा शून्य : नीतू और रचित वर्मा के परिजनों के बीच कई घंटे समझौता होने की पंचायत चलती रही। इसके बावजूद नीतू के परिजनों ने मानने में सफल नहीं हो सके और तहरीर के आधार पर पुलिस ने रचित वर्मा व उनके परिजनों पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। जबकि इससे पूर्व घटना के बाद मंगलवार सुबह से ही दोनों पक्षों में पहले गांव में पंचायत होती रही। बाद में बात नहीं बनी तो दोनों पक्ष थाने पहुंच गए। यहां भी रचित वर्मा के परिजन, रिश्तेदार नीतू के परिजनों को समझाने में जुटे रहे। बावजूद इसके नीतू के पिता सत्यदेव समझौता के लिए तैयार नहीं हुए और रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने सत्यदेव के दामाद रचित वर्मा समेत तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

दो दिन पूर्व नीतू ने खाया था जहरीला पदार्थ अस्पताल में इलाज के बाद बची थी जान

चर्चा है कि घरेलू कलह के चलते नीतू ने दो दिन पूर्व भी किसी जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था और जान देने की कोशिश की थी। लेकिन परिजनों ने उसे खुटार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के बाद हालत में सुधार हुआ और जान बच गई थी। लेकिन सोमवार रात को संदिग्ध परिस्थितियों में नीतू की मौत हो गई। उधर, नीतू के पति रचित वर्मा पर दहेज हत्या का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बात का स्पष्ट हो सकेगा कि नीतू की मौत कैसे और किससे हुई है।

नाती के नाम ढाई एकड़ खेती और 20 लाख की कर रहे थे मांग, नहीं बनी बात

चर्चा है कि नीतू के परिजन अपने नाती श्याम के नाम पर ढाई एकड़ खेती और 20 लाख रुपये की मांग कर रहे थे। लेकिन रचित वर्मा अपने बेटे श्याम को ढाई एकड़ खेत व पांच लाख रुपये देने को तैयार थे। लेकिन दोनों पक्षों में लेनदेन को लेकर बात नहीं बनी। इसके बाद आगे की कार्यवाई बढ़ी।

दो करोड़ की कर चोरी में वांछित आरोपी गिरफ्तार

शाहजहांपुर, अमृत विचार : एसओजी, सर्विलांस टीम और रोजा पुलिस ने जीएसटी की फर्जी फर्म बनाकर दो करोड़ रुपये की कर चोरी करने के मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया।

रोजा थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह ने बताया कि 28 नवंबर को मोहम्मदी रोड पर जीएसटी के सचल दल अवैध रूप से माल सप्लाई करने वाले वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान दो वाहनों को रोका गया था। एक वाहन का चालक केश्वर सिंह और दूसरा चालक नंदलाल को प्रमोद इंटरप्राइजेज के नाम से फर्जी जीएसटी फर्म ई-वे बिल एवं बिल्टी सहित रोका गया था। समस्त अभिलेख फर्जी पाए गए थे।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके कुछ आरोपियों को गिरफ्तार करके चालान कर दिया था। पुलिस ने मोहम्मदी रोड पर जीएसटी कार्यालय के बाहर से फरार आरोपी पंकज कुमार निवासी भैरहे चौरा जिला देवरिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे एक फोन, एक टैबलेट, 2600 रुपये बरामद किए है। गिरफ्तार करने वाले गैंगस्टर सेल प्रभारी वीरेंद्र कुमार, एसओजी निरीक्षक धर्मेंद्र कुमार, उप निरीक्षक जगत सिंह, सागर, मनोज कुमार आदि टीम में थे।

शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई का निर्वाचन संपन्न

तिलहर में शिक्षक संघ के निर्वाचन के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के साथ शिक्षक।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ शाहजहांपुर की ब्लॉक इकाई शाखा तिलहर का निर्वाचन पूर्व निर्धारित एजेंडा के अनुसार 24 मार्च 2026 को ब्लॉक संसाधन केंद्र तिलहर के सभागार में संपन्न हुआ। निर्वाचन जनपद की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षक जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश बाबू सक्सेना और कार्यकारिणी सदस्य अजय वर्मा की देखरेख में कराया गया। सभी पदों के लिए एक-एक नामांकन पत्र दाखिल हुआ, जिसकी जांच पर्यवेक्षकों की ओर से की गई। सभी आवेदन पत्र वैध पाए जाने के बाद ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप कुमार गंगवार, ब्लॉक मंत्री बृजमोहन सिंह यादव, ब्लॉक कोषाध्यक्ष अमर बहादुर, उपाध्यक्ष राजेश्वर सिंह, बिजेंद्र सिंह, महेश्वर सिंह, हरिशंकर, उदित कुमार शर्मा, महिला उपाध्यक्ष रंजना शर्मा, संयुक्त मंत्री निर्मल सिंह, शशी प्रभा, संगीता कुमारी, ईश्वरी प्रसाद गंगवार, खुशबू शर्मा, ऑडिटर उषा देवी और मीडिया प्रभारी आशीष सक्सेना को

• सभी पदों पर एकल नामांकन पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए

निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। कार्यक्रम में जिला संयुक्त मंत्री कमलेश गंगवार ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए संगठन में एकजुटता पर जोर दिया। जिला अध्यक्ष मगरे लाल ने कहा कि किसी भी शिक्षक को समस्या होने पर संगठन को अवगत कराएं, उसका समाधान कराया जाएगा। जिला महामंत्री विश्राम सिंह ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। अंत में नवनियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष बृजमोहन सिंह यादव ने सभी पदाधिकारियों और शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में अमर बहादुर, रंजना शर्मा, खुशबू शर्मा, सर्वेश कुमार, तहसीन खां, निर्मल कुमार, संगीता कुमारी, राजेश्वर सिंह, बिजेंद्र सिंह, सुधीर कुमार, शशी प्रभा, ईश्वरी प्रसाद गंगवार, उदित कुमार शर्मा, भानु प्रताप गंगवार, चंद्रपाल गंगवार, महेश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग का कमरे में फंदे से लटका मिला शव

शाहजहांपुर, अमृत विचार: शहर के मोहल्ला गदियाना में दिव्यांग ने मकान में रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या कर ली है। वह अकेला रहता था। उसके खिलाफ पहले से मुकदमें दर्ज है।

सदर बाजार थाना क्षेत्र के मोहल्ला गदियाना निवासी 35 वर्षीय विष्णु दयाल पैरों से अपाहिज था। वह कमरे में अकेला रहता था। मंगलवार की सुबह आठ बजे तक वह घर से नहीं उठा तो पड़ोसियों ने उसके मकान में जाकर देखा कि उसका

• शहर के मोहल्ला गदियाना का मामला

शव रस्सी के फंदे से लटका हुआ है। पुलिस चौकी के दरोगा अक्षर पवार सिपाहियों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को नीचे उतार लिया। उन्होंने बताया कि अकेला रहता था। उसके खिलाफ पांच मुकदमें है। मृतक विश्नूदयाल दो माह पूर्व जेल भी गया था। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रेल कर्मचारी के घर से नकदी और सामान चोरी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चोरों ने रेलवे स्टेशन कालोनी में एक मकान का ताला तोड़ दिया और नगदी आदि सामान चुराकर ले गए। रेलवे स्टेशन कालोनी निवासी गौरव कुमार की रात में 12 बजे से सुबह आठ बजे तक ड्यूटी थी। वह अपने मकान में ताला डालकर ड्यूटी पर चले गए थे।

चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़ दिया। चोर 9 हजार रुपये तथा जरुरी सामान चुराकर ले गए है। वह सुबह ड्यूटी से घर पर आए तो जानकारी हुई। रोजा थाना प्रभारी ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बखौरा में युवक की मौत, हत्या करने का आरोप

संवाददाता खुदागंज/शाहजहांपुर

अमृत विचार : बखौरा गांव में एक युवक का शव कमरे में चारपाई पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। उसके नाक से खून निकल रहा था। युवक कई साल से बतौर पति के रूप में एक महिला और उसके दो बच्चों के साथ रह रहा था। महिला अपने दो बच्चों के साथ लापता हो गई। मृतक की मां और भाई ने हत्या का आरोप लगाया है।

अनिल सिंह।

पोस्टमार्टम हाउस पर मृतक के परिजन।

खुदागंज थाना क्षेत्र के गांव बखौरा निवासी 35 वर्षीय अनिल सिंह की शादी हो गयी थी। उसकी पहली पत्नी अपनी सास के साथ मकान में रहती थी। उसकी पत्नी की कोई संतान नहीं थी। वह गांव में एक महिला के साथ बतौर पति के रूप में रहता था। उस महिला के दो बच्चे है। वह कभी अपनी मां के पास रहता था और और कभी उस महिला के घर पर रहता था। सोमवार की शाम अनिल सिंह की मां महिला के घर गई। उसने बेटे को मृत अवस्था में चारपाई पर पड़ा। उसका आरोप है कि वह जब उसके घर पर गयी तो महिला और उसके दो बच्चे घर नहीं थे। उसने बताया कि उसके बेटे के नाक के खून से निकल रहा था और शरीर में खून निकल रहा था। मृतक का भाई सुरजीत भी परिवार वालों के साथ पहुंच गया। उन्होंने थाना पर सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक फोर्स

• नाक से बह रहा था खून, मृतक के भाई ने लगाया हत्या का आरोप

के साथ मौके पर पहुंचे। सुरजीत ने बताया कि उसका भाई महिला के पास रहता था और शराब का आदी था। महिला से उसके भाई का आए दिन विवाद होता था। उन्होंने हत्या का आरोप लगाया है। महिला अपने पति से अलग रहती थी। उसका भाई हरिद्वार में काम करता था और कई माह से यही रह रहा था। थाना प्रभारी सत्य प्रकाश ने बताया कि तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिकअप और बाइक की भिड़ंत में किशोरी की मौत

अल्हागंज, अमृत विचार: हुल्लापुर चौराहे पर पिकअप और बाइक की आमने-सामने टक्कर में अंशिका 17 वर्ष की मौत हो गई, जबकि सुधीर कुमार 32 वर्ष निवासी गूलरपुर थाना अमृतपुर और उनका पुत्र विवेक 7 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए। सुधीर कुमार अपनी साली अंशिका और पुत्र को लेकर करीमनगर शाहबाद जिला हरदोई जा रहे थे, तभी जलालाबाद की ओर से आ रही पिकअप ने टक्कर मार दी। मौके पर भीड़ जुट गई और घायलों को एंबुलेंस से फतेहगढ़ के राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां अंशिका की मौत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन सहित फरार हो गया। पुलिस को अभी तहरीर नहीं मिली है।

कार और ट्रैक्टर ट्राली टकराई

खुटार, अमृत विचार : लखीमपुर के थाना मोहम्मदी के गांव मूड़ा गालिब निवासी हरिश्चंद्र पाल का बेटा निर्जल पाल (18) मंगलवार शाम करीब सात बजे खुटार की तरफ से ट्रैक्टर में दो ट्राली जोड़कर पुवायां जा रहा था। उसी समय कस्बा बंडा के गांव देवकली निवासी पूर्व ग्राम प्रधान अनुभव मिश्रा के बेटे शिवांग मिश्रा कस्बा पुवायां से खुटार कार से आ रहे थे। तभी खुटार-पुवायां रोड पर गांव अठकोना मोड़ के पास ट्रैक्टर और कार आमने सामने टकरा गई। इससे ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जाकर पलट गई और कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में दोनों वाहन चालक बाल-बाल बच गए।

महिला से पिटाई करने वाले दो भाइयों पर रिपोर्ट

खुटार, अमृत विचार : जनपद हरदोई के थाना पाली के गांव सूरापुर निवासी स्वर्गीय सुखदेव की पत्नी गुड़िया ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 21 मार्च रात करीब बारह बजे खुटार के गांव रजमना निवासी विवेक कुमार अवस्थी पुत्र राम शंकर अवस्थी उसके दरवाजे पर आये और गाली-गलौज करने लगे।

विरोध करने पर उसे लात-घुसो, डंडों से मारा पीटा। साथ ही आरोपी का बड़ा भाई विश्व मोहन ने जान से मारने की धमकी दी और रुपये की मांग की।

बाद में उक्त लोग मौके से चले गए। पीड़ित गुड़िया पाली थाने में दोनों सगे भाइयों के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराने की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

भैंस की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को पीटा

संवाददाता परौर, अमृत विचार : दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुरालियों ने महिला के साथ मारपीट की। पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने जांच के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

पुलिस को दी तहरीर में कल्लो बानो ने बताया कि उसकी शादी चार वर्ष पूर्व बम्हनी चौकी निवासी युवक के साथ हुई थी। विवाह के समय मायके पक्ष ने अपनी हैसियत के अनुसार दान-दहेज दिया था। दो साल तक सब ठीक-ठाक रहा। आरोप है कि शादी के दो वर्ष बाद से ही ससुराल पक्ष ने दो लाख नकद व एक भैंस की मांग रख दी। पीड़िता

• तीन दिन के नवजात के साथ घर से निकाला, पुलिस से शिकायत

का आरोप है कि मांग पूरी न होने पर पति, ससुर, सास व ननद द्वारा लगातार मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न किया जाने लगा। हद तो तब हो गई जब आरोपियों ने पीड़िता को उसके तीन वर्षीय बेटे फरहान और मात्र तीन दिन के नवजात शिशु के साथ मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। परिजनों का कहना है कि कई बार समझौते का प्रयास किया गया, लेकिन ससुराल पक्ष का रवैया नहीं बदला। पीड़िता ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अवैध पैथोलॉजी लैब का हो रहा संचालन

संवाददाता खुदागंज, अमृत विचार : नगर में कई पैथोलॉजी लैब का अवैध रूप से संचालन हो रहा है, परंतु स्वास्थ्य महकमा इन सबसे अनजान बना हुआ है।

नगर में बड़ी मात्रा में बिना रजिस्ट्रेशन पैथोलॉजी लैब का संचालन किया जा रहा है, जहां बड़ी संख्या में जांच के लिए मरीज पहुंच रहे हैं। परंतु कई लैबों में जांच करने वाले कथित लैब टैक्नीशियन भी प्रशिक्षित नहीं हैं। जिसके चलते मरीजों की जांच के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर फैजान ने बताया की कोई भी रजिस्टर्ड पैथोलॉजी लैब संचालित नहीं है। यदि कोई शिकायत होती है, तो मामले में जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति टीम ने बालिका को परिजनों से मिलाया

संवाददाता मिर्जापुर

अमृत विचार : थाना मिर्जापुर पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने मानवता और सतर्कता का परिचय देते हुए एक मूक-बधिर बालिका को उसके परिजनों से मिलाकर सराहनीय कार्य किया है।

थानाध्यक्ष सोनी शुक्ला के नेतृत्व में टीम क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मिर्जापुर के मुख्य चौराहे पर एक मूक-बधिर बालिका संदिग्ध स्थिति में भीड़ के बीच मिली।

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर लोगों से जानकारी ली तो पता चला कि बालिका न तो बोल पा रही थी और न ही सुन पा रही थी, जिससे वह अपनी पहचान बताने में असमर्थ थी। टीम उसे सुरक्षित थाने लेकर आई, जहां

• मिर्जापुर के मुख्य चौराहे पर मूक-बधिर बालिका भीड़ में मिली थी

उसे भोजन कराया गया। इसके बाद बालिका ने इशारों में मोबाइल मांगा, जिस पर उसने अपने पिता का नंबर डायल किया। संपर्क होने पर पता चला कि बालिका का नाम पूजा है, जो थाना कटरा क्षेत्र के ग्राम बैबहा की निवासी है। परिजनों ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह घर से नाराज होकर निकल गई थी और वे उसकी तलाश कर रहे थे।

सूचना मिलते ही परिजन थाने पहुंचे, जहां अपनी बेटी को सकुशल देखकर उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही पूरी कर बालिका को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

मकान से नकदी समेत जेवर चोरी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला ककरा खुर्द निवासी जावेद खान ने बताया कि उसकी बहन लखनऊ अस्पताल में भर्ती है। 22 मार्च को वह बच्चों के साथ बहन नाजमा का हाल-चाल लेने लखनऊ गया था।

वह मकान में ताला बंद कर गए थे। सोमवार की सुबह नौ बजे पड़ोसी ने देखा कि उनके मकान के दरवाजे खुले हुए है। पड़ोसी ने दरवाजे से आवाज लगायी और मकान के अंदर से कोई आवाज नहीं आयी। पड़ोसी ने देखा कि एक कमरे में सामान बिखरा पड़ा हुआ है। उन्होंने फोन करके जावेद खान को बताया कि मकान के ताले टुटे हुए और कमरे में सामान बिखरा पड़ा हुआ है। वह परिवार समेत शाम को लखनऊ से घर पर आए। उन्होंने देखा कि एक कमरे का ताला टूटा हुआ था। अलमारी तथा लाकर का भी ताला टूटा हुआ था। उन्होंने बताया कि अलमारी में 80 हजार रुपये, दो सोने के हार, चेन, अंगूठी, झुमकी, पायल और 80 हजार रुपये रखे हुए थे। चोर नगदी और जेवर चुराकर ले गए है। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अश्वनी कुमार सिंह ने अज्ञात में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

ठगों ने जेल भेजने के नाम पर ढाई लाख रुपये ठगे

शाहजहांपुर, अमृत विचार : थाना कटरा के वीरमपुर गांव के राजकुमार ने थाना दी गई तहरीर में बताया कि 20 मार्च की सुबह उसके मोबाइल पर दो बार अलग-अलग नंबरों से काल आई। आरोपियों ने खुद को लखनऊ का पुलिस अधिकारी बताते हुए उसे धमकाया और रिपोर्ट दर्ज करके जेल भेजने की बात कही थी। साथ ही गिरफ्तारी से बचने के लिए रकम की मांग की गयी। आरोपियों के के भेजे गए क्यूआरकोड पर दो लाख 40 हजार रुपये भुगतान कर दिया। दोबारा रकक देने से मना कर दिया। आरोपियों ने उसे गाली देते हुए जेल भेजने को धमकाया। कटरा प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि तहरीर मिल गयी और साइबर क्राइम थाना को जांच के लिए भेज दी गयी है।

शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

शाहजहांपुर, अमृत विचार : लखीमपुर के थाना भीरा के एक गांव की युवती ने रोजा थाना में दी गई तहरीर में बताया कि 10 माह पूर्व रोजा थाना क्षेत्र मोहल्ला चर्च कालोनी निवासी आशीष सिंह शादी का झांसा देकर अपने रिश्तेदार के यहां ले गया था।आरोपी ने दस दिन तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने आशीष से कहा कि अब शादी कर लो। आरोपी ने उससे कहा कि उसके पास पैसे खत्म हो गए है। अब रोजा चलकर शादी कर लेगे। आरोपी युवती को रोजा ले आया। पीड़िता ने रोजा में आकर उससे कहा कि अब तो शादी कर लो। आरोप है कि आरोपी शादी के नाम पर टाल मटोल करता रहा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शिवलिंग तोड़ने पर बरेली मोड़ पर लगाया जाम

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : बरेली मोड़ के निकट खाटू श्याम मंदिर के सामने शिवलिंग को एक व्यक्ति ने जानबूझकर तोड़ दिया। इस दौरान लोगों में आक्रोश फैल गया और जाम लगा दिया। चौक कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मौके पर पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज करने का आश्वासन देकर आधे घंटे बाद जाम खुलवाया।

बता दें कि बरेली मोड़-कांट रोड पर खाटू श्याम मंदिर के सामने कई साल पुराना शिवलिंग था। लोग शिवलिंग की पूजा करते थे। मंगलवार की शाम को लोगों ने देखा कि किसी ने शिवलिंग तोड़ दी है। इस दौरान क्षेत्र के लोग

मंगलवार की शाम बरेली मोड़ पर जाम लगाते हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता।

एकत्रित हो गए। हिन्दू युवा वाहिनी के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शाम को बरेली मोड़ पर पहुंच गए। लोगों ने शिवलिंग को तोड़े जाने पर आक्रोश जताया। इस दौरान लोगों ने स्टेट हाइवे पर जाम लगा दिया। पुलिस चौकी अजीजगंज के दरोगा और सिपाही मौके पर पहुंच गए।

• हिन्दू युवा वाहिनी ने दी तहरीर, लोगों में आक्रोश

युवा वाहिनी के पदाधिकारियों को समझाकर शांत कराने का प्रयास किया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक अश्विनी कुमार सिंह फोर्स के साथ बरेली मोड़ पर पहुंच गए। उन्होंने समझाकर शांत कराया।

हिन्दू युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने दी गई तहरीर में बताया कि खाटू श्याम मंदिर के सामने शिवलिंग तोड़ दिया। यह कार्य धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है, वाहिनी ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जांच की जा रही है।

ROHILKHAND CANCER INSTITUTE
200 बेड का आधुनिक कैंसर हॉस्पिटल पिछले 5 साल से आप के बीच में
कैंसर की सम्पूर्ण देखभाल एक ही छत के नीचे
बरेली का एकमात्र PET CT
पूरे शरीर का रंगीन सीटी, कैंसर की स्टेज जानने के लिए
हमारी सेवाएं
सर्जिकल ऑन्कोलॉजी
रेडिएशन ऑन्कोलॉजी
डे केयर थेरेपी
इम्यूनोथेरेपी
कैंसर आईसीयू
फ्रोजन सेक्शन और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
मैमोग्राफी
कैंसर के रोकथाम की ओपीडी
इण्टरवेंशनल रेडियोलॉजी
Ayushman Bharat PM-JAY
प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के अन्तर्गत पाँच लाख तक का इलाज मुफ्त
Call to find out more
9582831744, 9258116087
8679315050, 8679415050
www.rohilkhandcancerinstitute.com
रोहेलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल कैम्पस
सुरेश शर्मा नगर, पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली

प्रधान-शिक्षक मिलकर करें विकास के कार्य

ग्राम प्रधान और प्रधानाध्यापक उन्मुखीकरण कार्यशाला में बोलीं विधायक सलोना कुशवाहा

संवाददाता, निगोही

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कार्यक्रमों/योजनाओं को लेकर ग्राम प्रधान एवं प्रधान अध्यापक की ब्लॉक स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन एक मैरिज लॉन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक सलोना कुशवाहा ने किया। प्रज्ञा मिश्रा एवं आशा सक्सेना ने मुख्य अतिथि का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में नन्ही मुन्नी छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधानों को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं डीबीटी के माध्यम से यूनिफॉर्म, स्कूल बैग, स्वेटर, जूता मोजा एवं स्टेशनरी को धनराशि अभिभावकों के बैंक खाते में भेजना, निपुण भारत मिशन, एसएमसी, बालिका शिक्षा, आउट ऑफ स्कूल बच्चों हेतु विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं ऑपरेशन कायाकल्प आदि पर जानकारी देकर उन्मुखीकरण किया गया।

विधायक सलोना कुशवाहा को स्मृति चिह्न देते हुए बीईओ एवं आरएसएम महामंत्री महेंद्र सिंह।

विधायक सलोना कुशवाहा ने बेसिक शिक्षा विभाग में चलाई जा रही योजनाओं की चर्चा करते हुए अभिभावकों से बच्चों को नियमित विद्यालय में भेजने के लिए प्रेरित करने की बात कही। कहा कि ग्राम प्रधान तथा प्रधानाध्यापक गांव में विद्यालय रूपी मंदिर को सजाने, संवारने और अच्छे तरीके से मिलकर संचालित करें।

- नवोदय में चयनित बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

इस अवसर पर विद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापक को सम्मानित किया गया। जिला तथा राज्य स्तर पर प्रतिभाग करने वाले बच्चों तथा नवोदय विद्यालय में चयनित बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश पंकज ने विद्यालय में छात्र उपस्थिति बढ़ाने हेतु शिक्षकों एवं ग्राम प्रधानों को मिलकर रणनीति बनाते हुए प्रयास करने को कहा।

शिक्षक को प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी देती हुई विधायक सलोना कुशवाहा। ● अमृत विचार

ग्राम प्रधान अभिभावकों को जागरूक करें, जिससे बच्चे नियमित विद्यालय आएं और सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। कार्यक्रम में बच्चों को रोचक तरीके से पढ़ाने हेतु टीएलएम प्रदर्शनी लगाई गई।

समापन पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री महेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि सलोना कुशवाहा को स्मृति चिह्न देकर आभार जताया। संचालन सुभाष वर्मा एवं अवनीश पाल ने किया।

कार्यक्रम में एआरपी बृजेश कुमार, अमित गुप्ता, पुत्तू लाल श्रीवास्तव, आशा सक्सेना, सुशांत तिवारी, शिखा राठौर, रेनू शुक्ला, अंकित वर्मा, मदनपाल, हिमांशु सिंह आदि ने प्रतिभाग किया।

मुफ्त स्वास्थ्य मेले में 465 मरीजों का किया उपचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मोतियाबिंद के 10 मरीज चिह्नित नि:शुल्क ऑपरेशन की सुविधा
- जांचों पर छूट और परिवार स्वास्थ्य कार्ड की दी जानकारी

अमृत विचार: वरुण अर्जुन यूनिवर्सिटी, वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा की ओर से कलान क्षेत्र के ग्राम रुकनपुर में मुफ्त स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया।

शिविर में कुल 465 मरीजों ने पंजीकरण कराया, जिनमें 10 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान हुई। इन मरीजों का ऑपरेशन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल बंथरा में निशुल्क किया जाएगा। शिविर में 138 मरीजों की ब्लड शुगर और लगभग 145 मरीजों की ब्लड प्रेशर जांच निशुल्क की गई। इसके साथ ही 345 मरीजों को नेत्र संबंधी ड्रॉप और अन्य दवाइयों का वितरण किया गया। मरीजों को एमआरआई, सीटी स्कैन और अन्य जांचों पर छूट के कूपन भी दिए गए।

स्वास्थ्य टीम और पीआरओ की ओर से लोगों को नियमित जांच कराने के लिए जागरूक किया गया और परिवार स्वास्थ्य कार्ड की जानकारी दी गई, जो 200 रुपये में बनता है और एक वर्ष तक मान्य रहता है। बताया गया कि इस कार्ड के माध्यम से ओपीडी पर्चा निशुल्क बनेगा और दवाइयों व जांचों पर 20 प्रतिशत तक छूट मिलेगी। साथ ही सामान्य ऑपरेशन में 25 प्रतिशत और खून की जरूरत होने पर 10 प्रतिशत छूट का लाभ भी मिलेगा।

मरीजों को अस्पताल में मुफ्त भर्ती, मुफ्त पलंग, मुफ्त नर्सिंग केयर और मुफ्त चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में जिला पंचायत सदस्य रामकुमार राठौर का विशेष योगदान रहा। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. रिव्या सिंह, सामान्य रोग विशेषज्ञ डॉ. ऋषि पटेल, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. विपिन खंडेलवाल, पीआरओ जितेन्द्र गंगवार सहित पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद रहा।

मेडिकल कॉलेज में लगाया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय, बंथरा के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रुहेलखंड हॉस्पिटल के ब्लड केंद्र में महान क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को नमन करते हुए विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया।

कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अवनीश शर्मा, विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिवाकर, जिला पंचायत सदस्य कपसेड़ा ध्रुव यादव और मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं डीन डॉ. (कर्नल) रवींद्र नाथ शुक्ला, पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. (कर्नल) राजा चटर्जी ने संयुक्त रूप से भारत माता के वीर सपूतों शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर और पुष्प अर्पित कर किया। सभी ने महान बलिदानियों को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। रक्तदान शिविर का उद्‌घाटन डॉ. (कर्नल) रवींद्र नाथ शुक्ला ने रिबन काटकर किया।

कार्यक्रम का सफल संयोजन पैथोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. (कर्नल) राजा चटर्जी के कुशल मार्गदर्शन और ब्लड केंद्र प्रभारी डॉ. अश्विनी वर्मा की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. श्यामा राव पवार, उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार सिंह, और प्रोमोशन एवं मार्केटिंग प्रभारी इंजीनियर सचिन चौहान की उपस्थिति रही।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में टीबी के प्रति किया जागरूक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय बंथरा के अंतर्गत संचालित वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल में विश्व क्षय रोग दिवस के अवसर पर सामुदायिक चिकित्सा विभाग की ओर से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य टीबी जैसी गंभीर बीमारी के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना और "हां! हम टीबी को खत्म कर सकते हैं: संकल्प, निवेश और कार्यान्वयन" थीम के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

मेडिकल कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल, कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल व छात्र और चिकित्सक। ● अमृत विचार

कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता सत्र से हुई, जिसमें एमबीबीएस और पीजी छात्रों को टीबी के लक्षण जैसे लगातार खांसी, वजन घटना, बुखार और रात में पसीना आना, संक्रमण के तरीके, आधुनिक जांच विधियां माइक्रोस्कोपी, सीबी-नैट टेस्ट और एक्स-रे तथा उपचार और बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। अस्पताल के प्रतीक्षालय में मरीजों और उनके परिजनों के लिए टीबी से जुड़े शैक्षिक वीडियो भी दिखाए गए, जिनमें नियमित दवा लेने और इलाज पूरा करने के महत्व पर जोर दिया गया।

एमबीबीएस 2023 और 2024 बैच के छात्रों के बीच पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें टीबी के लक्षण, समय पर जांच और मरीजों के प्रति सहानुभूति का संदेश प्रदर्शित किया गया। पैरामेडिकल छात्रों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से टीबी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने और समय पर जांच कराने का संदेश दिया।

- विश्व क्षय रोग दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित टीबी मुक्त भारत का दिया संदेश
- छात्रों को टीबी के लक्षण, जांच और उपचार की दी विस्तृत जानकारी

कार्यक्रम में प्रति कुलाधिपति डॉ. अशोक अग्रवाल ने कहा कि टीबी उन्मूलन में समाज के हर व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है।

कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल ने स्वास्थ्य जागरूकता को टीबी मुक्त भारत की कुंजी बताया। सामुदायिक चिकित्सा विभागाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र कुमार गुप्ता ने समय पर पहचान और नियमित उपचार पर जोर दिया, जबकि डॉ. पूर्वा सूर ने समाज से कलंक भावना दूर करने का आह्वान किया। टीबी एवं चेस्ट विभाग के डॉ. अर्पित ने टीबी और श्वसन रोगों पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम को संस्थान से बाहर भी विस्तार दिया गया, जहां डॉ. हितिका ने यूएचटीसी शाहजहांपुर और डॉ. अजय अग्रवाल ने आरएचटीसी कटरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। आयोजन में डॉ. इंतखाब आलम, डॉ. अदित्य प्रकाश सिंह, अतुल सक्सेना, डॉ. शिवानी गुप्ता और नेहा गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम में चेस्ट एवं टीबी रोग विभाग के डॉक्टर डॉ. इरफान, डॉ. शाहजेब, डॉ. रजत, डॉ. भाव्या डॉ. अर्पित, फैकल्टी, छात्र-छात्राओं और पैरामेडिकल स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को साकार करने का संकल्प लिया।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें :-
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
100000 से अधिक आंखों के आपरेशन का अनुभव
सभी प्रकार के TPA कैशलेस/इंश्योरेन्स से इलाज की सुविधा उपलब्ध
मोतियाबिन्द ग्लूकोमा का डायग्नोसिस एवं उपचार अत्याधुनिक मशीनों द्वारा
8077344353 समय: प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री आपरेशन की सुविधा
डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT REFRATIVE & GLAUCOMA SURGERON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

गैस किल्लत और रवैये से उपभोक्ताओं में रोष

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: गैस की किल्लत और साहब के रवैए से आक्रोश। गैस एजेंसियों पर चल रही केवाईसी प्रक्रिया के चलते उपभोक्ता परेशान हैं।

एलपीजी गैस की किल्लत के बीच एजेंसी संचालकों ने उपभोक्ताओं से केवाईसी की प्रक्रिया शुरू कराई है, गैस सिलेंडर किल्लत से जूझ रहे उपभोक्ताओं को कई-कई दिन एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे आक्रोश पनप रहा है। मार्च माह की शुरुआत से ही खाड़ी देशों में चल रहे युद्ध के चलते एलपीजी गैस की भारी दिक्कत का स्थानीय गैस उपभोक्ताओं को सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार कितने ही दावे करें कि गैस की कोई किल्लत नहीं है और व्यवस्था उनके नियंत्रण में है, लेकिन गैस एजेंसी पर पहुंचने के बाद पता चलता है कि उपभोक्ता किस तरह एजेंसी के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। गैस एजेंसी पर आज भी उपभोक्ताओं को समझ नहीं आ रहा कि आखिर गैस एजेंसी का उपभोक्ता होने और निर्धारित शुल्क देने की सहमति के बाद भी उन्हें यह शारीरिक और मानसिक कष्ट क्यों झेलना पड़ रहा है। सर्वर खराबी की समस्या आखिर कब तक सुधरेगी।

एजेंसी कर्मचारी सुरेश कुमार ने बताया कि उनके यहां गैस सिलेंडर वितरण में कोई समस्या नहीं है। केवाईसी और सर्वर डाउन की समस्या से काम करने में अड़चन आ रही है।

जमीन के विवाद में दो समुदायों में संघर्ष, 8 घायल

संवाददाता, कलान

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव नौगमामुवारिकपुर में सोमवार रात करीब 8 बजे जमीन के विवाद को लेकर दो समुदायों के बीच लाठी डंडे, ईंट पत्थर और धारदार हथियार चले, जिसमें एक युवती समेत आठ लोग घायल हो गए।

एक पक्ष से सफिया, जाफर, मुरशाद, नौशाद और दूसरे पक्ष से आरेंद्र, कुलदीप, पिंकू, रामू घायल हुए, जिनमें आरेंद्र की हालत गंभीर बताई गई है। बताया गया कि जमीन का मामला एसडीएम कोर्ट में विचाराधीन है। आम के पेड़ के पास तंबाकू के पत्ते डालने को लेकर विवाद बढ़ा और दोनों पक्ष भिड़ गए। घटना के बाद भूसे की झोपड़ी में आग लगाने की बात सामने आई, लेकिन सीओ जांच में यह दावा गलत पाया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तिलहर सीओ ज्योति यादव और जलालाबाद सीओ अजय राय ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

थाना प्रभारी शिवदीन बर्मा और परौर थाना प्रभारी रामेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर एक दर्जन लोगों के खिलाफ एनसीआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

न्यूज डायरी

शिक्षकों से धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने का आह्वान

शाहजहांपुर, अमृत विचर : टीचर फेडरेशन ऑफ इंडिया की आवश्यक बैठक मंगलवार को रोटी गोदाम विद्यालय परिसर में आयोजित की गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में 4 अप्रैल 2026 को दिल्ली में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि टीईटी की अनिवार्यता को पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर लागू करना अन्यायपूर्ण है। टीएफआई के बैनर तले राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन किया जा रहा है, जिसमें जिले से भारी संख्या में शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। जिलाध्यक्ष मुनीश मिश्र ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर 4 अप्रैल के धरना-प्रदर्शन में सहभागिता सुनिश्चित करें।

87 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त, डीएम ने किया सम्मानित

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जिले की 87 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित किया गया है, जिनमें दो ग्राम पंचायतों को स्वर्ण और 18 को रजत पदक के लिए चुना गया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने ग्राम प्रधानों को महात्मा गांधी की प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि तीन वर्ष तक मानक पूरे करने वाली दो ग्राम पंचायतों को स्वर्ण, दो वर्ष वाली 18 ग्राम पंचायतों को रजत और एक वर्ष तक टीबी मुक्त रहने वाली 67 ग्राम पंचायतों को कांस्य पदक दिया गया। डीएम ने ग्राम प्रधानों को बधाई देते हुए कहा कि सभी अपने क्षेत्र में लगातार निगरानी रखें और 15 दिन से अधिक खांसी वाले लोगों को जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजें। सीएमओ डॉ. विवेक मिश्रा ने बताया कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर बलगम और एक्स-रे जांच की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है। कार्यक्रम में डीपीसी सिद्धार्थ गुप्ता, एलटीएलएस सुभाष खन्ना, मोहित कुमार वर्मा, अनिल गिहार, नरेंद्र मिश्रा, रोहित कुमार मिश्रा, आरती सिंह, अतुल मिश्रा मौजूद रहे।

स्कूल में बुनियादी सुविधाएं नहीं, खतरे में बच्चों की सुरक्षा

जैतीपुर, अमृत विचार : सरकार की ओर से विद्यालयों के रखरखाव और शिक्षा पर खर्च किए जा रहे धन के बावजूद ब्लॉक क्षेत्र के कई स्कूलों की हालत खराब है। विकासखंड क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला देहतमाली में बुनियादी सुविधाओं की कमी के कारण बच्चे असुरक्षित माहौल में पढ़ाई करने को मजबूर हैं। विद्यालय में चारदीवारी नहीं होने से आवारा पशुओं का खतरा बना रहता है। फिलहाल बचाव के लिए लकड़ी और जाली लगाकर अस्थायी अवरोधक बनाया गया है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। स्कूल में दिव्यांग शौचालय नहीं बना है। पानी की व्यवस्था के लिए टंकी तो लगी है, लेकिन उसकी टोटियां गायब हैं और टैंक भी टूटा हुआ है। परिसर में गंदगी फैली रहने से स्वच्छता व्यवस्था भी प्रभावित है। छात्र संख्या भी कम दिखाई दे रही है। विद्यालय के अध्यापक अरविंद कुमार ने बताया कि यहां दो अध्यापक कार्यरत हैं, जिनमें से एक बीआरसी केंद्र पर प्रशिक्षण में हैं। उच्च प्राथमिक विद्यालय में 53 छात्र पंजीकृत हैं। उन्होंने बताया कि कंपोजिट ग्रांट के तहत विद्यालय को 25 हजार रुपये मिलते हैं, जिससे चारदीवारी का निर्माण कराना संभव नहीं है। खंड शिक्षा अधिकारी यशवंत सिंह ने बताया कि कई विद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं की कमी है, जिन्हें कंपोजिट ग्रांट से पूरा करना मुश्किल है। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को जानकारी भेज दी गई है।

गंगा स्वच्छता पखवाड़े में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजित

कलान, अमृत विचार : नमामि गंगे परियोजना के तहत गंगा स्वच्छता पखवाड़ा आरएस कान्वेंट पब्लिक इंटर कॉलेज हेतमपुर में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य अतुल चतुर्वेदी ने खिलाड़ियों से परिचय लेकर किया और जल स्रोतों के संरक्षण का संदेश दिया। बालक वर्ग में वॉलीबॉल प्रतियोगिता में चरनोख, मोहनपुर कलुआपुर, हेतमपुर और कासिम नगला की टीमों ने भाग लिया, जिसमें हेतमपुर विजेता और कासिम नगला उपविजेता रही। बालिका वर्ग की 200 मीटर दौड़ में श्रीदेवी प्रथम, प्रियांशी कुमार द्वितीय और सुरभि कुमारी तृतीय रहीं। विजेताओं को प्रधानाचार्य और जिला इंचार्ज यूपी डास्प शिवम त्रिपाठी ने पुरस्कृत किया। कार्यक्रम में मुकेश सिंह परिहार, मुनेन्द्र पाल सिंह यादव, पंकज कुमार राजपूत, नीलेश यादव, प्रदीप यादव, दिनेश चंद्र, सौरभ सक्सेना सहित अन्य का सहयोग रहा।

पेंशनर्स 25 मार्च को काली पट्टी बांधकर करेंगे विरोध प्रदर्शन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ और संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति उत्तर प्रदेश के आवाह्न पर 25 मार्च 2026 को सुबह 10 :30 बजे से रामलीला मैदान खिरनीबाग में पेंशनर्स एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। कार्यक्रम के तहत पेंशनर्स काली पट्टी बांधकर काला दिवस मनाएंगे और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपेंगे। इसमें 8वें वेतन आयोग में भेदभाव न करने सहित अन्य मांगें शामिल हैं। साथ ही सेवानिवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद की ओर से सेवानिवृत्त शिक्षकों के लिए कैशलेस इलाज की नि :शुल्क सुविधा की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को भी ज्ञापन भेजा जाएगा। जिला संयोजक अतुल कुमार गुप्ता ने सभी पेंशनर संगठनों के पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों और सेवानिवृत्त शिक्षकों से अधिक संख्या में पहुंचकर एकजुटता दिखाने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

छापामारी कर खनन अधिकारी ने सीज किए वाहन

कादरचौक, अमृत विचार : ग्रामीणों की सूचना पर खनन अधिकारी गुलशन कुमार ने थाना कादरचौक क्षेत्र के सकरी जंगल में छापामारी की। दो स्थानों से एक ट्रैक्टर में लगी रैपर मशीन और ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी। वाहनों को सीज कर थाने पर खड़ा कराया गया है। खनन अधिकारी ने बताया कि बिना अनुमति के खनन किसी भी दशा में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

तांत्रिक के कहने पर खेत में दबाई मिठाई, महिला की हालत बिगड़ी

बदायूं अमृत विचार : कादरचौक थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मद गंज लालाराम पुत्र नन्हें लाल ने तहरीर देकर बताया कि उनकी पत्नी को गांव निवासी तांत्रिक ने मिठाई का डिब्बा दिया था। कहा था उस डिब्बे को घर के बाहर कहीं दबा देना। पत्नी ने ऐसा ही किया और डिब्बे को खेत में दबा आई। आरोप है कि इसके बाद पत्नी की हालत खराब हो गई। परिजनों ने चिकित्सक को दिखाया लेकिन आराम नहीं मिला। महिला का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है। लालाराम ने तांत्रिक से बोला तो उसने कहा कि वह सही कर देगा, लेकिन वह लगातार अनसुना कर रहा है। लालाराम ने कहा कि अगर उनकी पत्नी को कुछ भी होता है तो इसका जिम्मेदार तांत्रिक होगा। उन्होंने जांच कराकर तांत्रिक पर कार्रवाई की मांग की है।

छेड़छाड़ के दोषी को तीन साल का कारावास

बदायूं, अमृत विचार : राशन लेने गई लड़की के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट दिनेश तिवारी ने तीन साल की कैद समेत 10 हजार 500 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माने की धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में दी जाएगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी की बेटी दूसरी लड़की के साथ राशन लेने गांव सैजनिया स्थित उचित दर विक्रेता के यहां गई थी जहां से वापस आते समय गांव सैजनिया निवासी अनुज पुत्र टोड़ी ने दोनों लड़कियों को रोककर छेड़छाड़ की। सैजनिया से चुतमरी मार्ग पर सुनसान जगह पर उन्हें खींचकर ले जाने लगा। राहगीरों के आने पर वह भाग गया। दातागंज पुलिस ने 23 सितंबर 2020 को रिपोर्ट दर्ज की थी।

बिल्सी में 73.76 करोड़ से बनेगा बाईपास, मिलेगी जाम से मुक्ति

जाम की समस्या की वजह से विधायक हरीश शाक्य ने शासन को भेजा था प्रस्ताव

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

कस्बे में लगा जाम ● अमृत विचार

बिल्सी विधायक हरीश शाक्य

अमृत विचार : विधानसभा क्षेत्र में बहु प्रतीक्षित बाईपास निर्माण का कार्य अब पूरा होने वाला है। बाईपास के निर्माण के लिए 73 करोड़ 76 लाख रुपए की धनराशि स्वीकृत हो गई है । इससे नगर में लगने वाले जाम से निजात मिलेगी। क्षेत्रीय विधायक हरीश शाक्य के प्रयास से यह कार्य संभव हुआ है।

बिल्सी में बाईपास न होने से कस्बे के अंदर हर दिन लंबा जाम लगता था जिससे दुकानदार, व्यापारी, स्कूली छात्र और स्थानीय लोग परेशान होते थे। कस्बा व क्षेत्र के लोग बिल्सी में बाईपास की मांग काफी दिनों से कर रहे थे लेकिन मांग पूरी नहीं हो रही थी। इसके बाद विधायक हरीश शाक्य ने इस मामले को गंभीरता से लिया और मुख्यमंत्री से बात कर समस्या से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने विधायक को आश्वासन दिया कि जल्द ही इसके लिए धनराशि जारी की जाएगी। इसके बाद सरकार ने बाइपास निर्माण के लिए 73 करोड़ 76 लाख का बजट जारी करते हुए क्षेत्र के लोगों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा कर दिया।

बिल्सी विधायक के प्रयासों के चलते क्षेत्र में विकास कार्य तेजी से हो रहे हैं। आने वाले समय में यहां की भौगोलिक स्थिति, सड़कें बेहतर और सुरक्षित नजर आएंगी। लगातार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। विधायक ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में सड़क मार्गों के चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण और नव निर्माण का कार्य लगातार कराया जा रहा है। इस बाईपास के निर्माण की मांग बहुप्रतीक्षित थी। दिन-प्रतिदिन मंडी पर जाम लगा रहता था। इससे व्यापारियों और किसानों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पड़ता था। बाईपास निर्माण की अत्यधिक आवश्यकता भी थी ।

उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता में सड़क मार्गों का विकास सबसे पहले है। बाईपास के निर्माण से यातायात सरल और सुगम हो जाएगा तो आम जनमानस को इसका सीधा लाभ मिलेगा। बेहतर सड़कें, बाईपास होने से लोगों की आवाजाही आसान होगी और क्षेत्र के विकास को भी गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में जहां-जहां सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता होगी, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य कराया जाएगा। साथ ही क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार बनाए रखी जाएगी।

विधायक ने कहा कि उनका लक्ष्य है कि विधानसभा क्षेत्र का कोई भी गांव विकास से अछूता न रहे। अधिकांश गांवों में विकास कार्य कराए जा चुके हैं।

छठे दिन हुई मां कात्यायनी की पूजा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

मां काली के दर्शन करते श्रद्धालु ● अमृत विचार

- मां कात्यायनी शक्ति और साहस की मानी जाती हैं प्रतीक, भक्तों ने मांगी मन्नत
- मंदिरों में पूजा करने के लिए लगी रही भक्तों की भीड़, लगे जगत जननी के जयकारे

अमृत विचार: वासंतिक नवरात्र में मंदिरों में भक्ति का माहौल बना हुआ है। श्रद्धालु दर्शन के लिए मां भगवती के दर्शन करने और पूजा के लिए सुबह शाम हाजिरी लगा रहे हैं। नवरात्र के छठे दिन भक्तों ने मां कात्यायनी की पूजा की। उन्हें शहद और लड्डूओं का भोग लगाया। नगला स्थित मां काली के मंदिर में भक्तों ने मां काली के दर्शन-पूजन किया। सुबह चार बजे मंदिर के कपाट खुलने के बाद माता रानी का शृंगार कर आरती-पूजन की गई। श्रद्धालुओं ने घरों में भी पूजा-अर्चना की। शहर सहित देहात क्षेत्र के देवी मंदिरों में पहुंचकर भक्तों ने मां के चरणों में शीश नवाकर आर्शीवाद प्राप्त किया। दिन भर माता के जयकारे गूंजते रहे। शाम को भजन कीर्तन किया गया।

वासंतिक नवरात्र के छठे दिवस माता के छठे स्वरूप कात्यायनी की पूजा-अर्चना की गई। उन्हें फल फूल और शहर और लड्डुओं का भोग लगाकर आर्शीवाद मांगा। लाल रंग के वस्त्र से माता का शृंगार किया गया। मां कात्यायनी शक्ति और साहस की प्रतीक हैं। कहा जाता है कि मां की पूजा करने से भक्तों को शत्रुओं पर विजय प्राप्त होती है और जीवन में आने वाली बाधाएं दूर होती हैं। नगला स्थित शक्ति पीठ मंदिर खुलने से पूर्व ब्रह्म मुहूर्त में ही माता रानी के दर्शन के लिए भक्तों की कतार लग गई। इस दौरान दुर्गा सप्तशती पाठ, वैदिक मंत्रोच्चारण, हवन-पूजन माता रानी के जयकारों और घंटों की गूंज से वातावरण भक्तिमय होता रहा। वहीं जालंधरी सराय स्थित मां काली मंदिर में दर्शन-पूजन किया। दर्शन के बाद महिला श्रद्धालु माता के मंदिर परिसर में टोली बनाकर बैठकर भजन कीर्तन भी करती रही। वहीं देहात क्षेत्रों के मंदिरों में भी दिन भर भक्त दर्शन पूजन के लिए जुटे।

बालाजी जन्मोत्सव की तैयारियां तेज, शोभायात्रा को लेकर रणनीति तैयार

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के प्रमुख धार्मिक स्थल सिद्ध पीठ श्री बालाजी धाम के तत्वावधान में श्री बालाजी जन्मोत्सव समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर दरबार के महंत मटरू मल शर्मा कार्यकर्ताओं व भक्तों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में 1 अप्रैल से शुरू होने वाले तीन दिवसीय कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर कार्यकर्ताओं को दिशा-निर्देश दिए।

थाने पर समीक्षा बैठक कर एसपी देहात ने की पैदल गश्त

पैदल गश्त करते एसपी देहात डॉ. हृदेश कठेरिया।

ओरछी, अमृत विचार : एसएसपी के निर्देश के बाद पुलिस अपराध नियंत्रण और लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण को एक्शन मोड में है। एसपी देहात डॉ. हृदेश कठेरिया ने थाना फैजगंज बेहटा के कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंन विवेचनाओं में देरी पर नाराजगी जाहिर करते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के कड़े निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विवेचनाओं के निस्तारण में ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अर्दली रूम के निरीक्षण के बाद उन्होंने एक-एक कर सभी लंबित मुकदमों की प्रगति रिपोर्ट जांची। विवेचकों को हिदायत दी कि विवेचनाओं का निस्तारण समय सीमा के भीतर किया जाए। समीक्षा बैठक के बाद उन्होंने शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से पुलिस बल क साथ बाजार में पैदल गश्त की। ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों को संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों पर पैनी नजर रखने के निर्देश दिए।

पंचायत चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने शुरू किया प्रचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- संभावित प्रत्याशी ग्रामीणों के सुख-दुख में हो रहे शामिल, मदद करने का भी दे रहे भरोसा
- आगामी जून-जुलाई में हो सकते हैं पंचायत चुनाव, चुनाव की आहट देख प्रत्याशी फिट कर रहे अपनी गोटियां

अमृत विचार: प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने में दो माह का ही समय बचा है। 26 मई को प्रधानों का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। समय पर चुनाव कराने के लिए तैयारी चल रही है। गांवों में पंचायत चुनाव को लेकर माहौल बनना शुरू हो गया है।

प्रधानों का कार्यकाल 26 मई को पूरा हो रहा है जिसमें में अब कम समय बचा है। संभावित प्रत्याशी चुनाव प्रचार में जुट गए हैं। लोगों से संपर्क बढ़ाना शुरू कर दिया गया है। साथ ही अपने समर्थन में आकलन किया जा रहा है। संभावित प्रत्याशी लोगों के सुख-दुख में शामिल हो रहे हैं। साथ ही, ग्रामीणों को अपना सबसे बड़ा सहयोगी बताते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दे रहे हैं। इसके अलावा गांवों में छोटी-छोटी बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। इस बार पंचायत चुनाव में युवाओं की सक्रियता भी ज्यादा देखने को मिल रही है। कई गांवों में युवा पहली बार पंचायत राजनीति में अपनी भागीदारी की तैयारी कर रहे हैं। इंटरनेट मीडिया के माध्यम से भी चुनावी चर्चाएं तेज हो गई हैं।

संचारी रोग अभियान पर होगा सर्वे

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- स्वास्थ्य विभाग मलिन बस्तियों में करेगा सर्वे
- एक अप्रैल से पहले टीमें गठित करने के दिए निर्देश

अमृत विचार : एक अप्रैल से शुरू हो रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान से पहले जनपद में मलिन बस्तियों का सर्वे किया जाएगा। इसके बाद टीम गठित कर अभियान का संचालन किया जाएगा। संचारी रोग नियंत्रण अभियान में दर्जन भर विभागों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे संक्रमण पर नियंत्रण पाया जा सके।

शासन की ओर से हर साल अप्रैल और मई में संचारी रोग नियंत्रण अभियान चलाया जाता है। इस साल भी अभियान चलाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार अभियान की सफलता को मलिन बस्तियों का सर्वे किया जाएगा। हर गांव कस्बा और शहर में गंदगी वाले स्थान चिन्हित किए जाएंगे जिससे वहां पर प्राथमिकता के आधार पर सफाई अभियान चलाया जा सके। गंदगी को साफ कर वहां मच्छर नाशक दवा और फॉगिंग करायी जा सके। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग और मलेरिया विभाग के संयुक्त निर्देशन में टीम गठित की जाएगी। ये टीमें एक अप्रैल से पहले ही सर्वे करेगी जिससे अभियान चलाने में दिक्कत न हो।

एसीएमओ डा. मोहन झा ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान की सफलता को लेकर शासन और प्रशासन स्तर से रूपरेखा तैयार की गई है। अभियान की जिम्मेदारी अलग-अलग विभागों को दी जाएगी। प्रत्येक विभाग अपने स्तर से काम करेगा और दिन भर की रिपोर्ट सीएमओ को सौंपेगा।

शहर में करीब आठ स्थानों को चिन्हित किया गया है जहां टीमें सर्वे करने को पहुचेंगी। इसमें नई सराय, लोटन पुरा, जालंधरी सराय, नाहर खां सराय और मीरा सराय आदि शामिल हैं।

दातागंज ओर समरेर ब्लॉक में लगेंगी दो-दो टीमें

ब्लॉक दातागंज और समरेर में दो-दो टीमें लगाई जाएंगी जो मलिन बस्तियों का सर्वे करेंगी। इन दोनों ब्लॉक क्षेत्रों में मलेरिया के अधिक रोगी हर साल सामने आते हैं, इसलिए इन दोनों ब्लॉक क्षेत्रों में बड़े स्तर पर काम करने की तैयारी है। इसके साथ ही ब्लॉक जगत में भी सर्वे किया जाएगा। इस ब्लॉक क्षेत्र का दायरा अधिक बड़ा होने के कारण यहां पर भी दो टीमें लगाने का निर्णय लिया गया है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

ट्रेन से कटकर युवक की मौत के बाद जानकारी करते चौकी इंचार्ज।

संवाददाता, आसफपुर/ओरछी

- रेलवे लाइन आसफपुर और पुरवा खेड़ा के बीच हुआ हादसा

अमृत विचार : थाना फैजगंज बेहटा क्षेत्र में आसफपुर और पुरवा खेड़ा के बीच ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर परिजनों में चीत्कार मच गई। मृतक के गांव में मातम पसरा रहा।

जिला संभल के थाना कुढ़फतेगढ़ क्षेत्र के गांव रीठ निवासी राहुल पुत्र रामदास की शादी नहीं हुई थी। परिवार के अनुसार कुछ दिनों से राहुल की मानसिक स्थिति ठीक नहीं चल रही थी।

अमृत फार्मेसी की स्थापना को लेकर किया गया एमओयू

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ व किफायती बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इसके तहत मंगलवार को कॉलेज प्रशासन व प्रदेश सरकार के मध्य अमृत फार्मेसी केंद्र की स्थापना के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि अमृत फार्मेसी केंद्र के शुरू होने से संस्थान में आने वाले मरीजों को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण औषधियां, सर्जिकल इंप्लांट व अन्य आवश्यक चिकित्सीय सामग्री उपलब्ध कराई जाएंगी। यह पहल मरीजों के उपचार खर्च को कम करने व बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में सहायक सिद्ध होगी।

निजी स्कूल हर साल लगा रहे अभिभावकों को 8 करोड़ का चूना

नो प्रॉफिट नो लॉस की शर्त पर मान्यता लेने वाले स्कूल संचालक भर रहे अपनी झोली, कोर्स में एनसीईआरटी के बजाय निजी प्रकाशकों की किताबें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: जिले में निजी स्कूल हर साल अभिभावकों को 8 करोड़ का चूना लगा रहे हैं। नो प्रॉफिट नो लॉस की शर्त पर मान्यता लेने वाले ये स्कूल संचालक अपनी झोली भर रहे हैं। निजी प्रकाशकों को लाभ पहुंचाने और खुद के कमीशन के चक्कर में महंगी किताबें बिकवाई जा रही हैं। निजी स्कूलों में से चार हजार में कक्षा एक और दो का कोर्स बिकवाया जा रहा है। एनसीईआरटी के स्थान पर अभिभावकों से निजी प्रकाशकों की किताबें खरीद कराई जा रही हैं।

बेसिक और माध्यमिक स्कूलों में वार्षिक परीक्षा समाप्त हो चुकी है। परिणाम घोषित करने की तैयारी चल रही है वहीं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा और आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों में परिणाम घोषित किए जाने के साथ बच्चों के प्रवेश किए जा रहे हैं। साथ ही बच्चों से पाठ्यपुस्तकों की खरीदारी कराई जा रही है। पाठ्य पुस्तकों के नाम पर निजी स्कूल संचालक अभिभावकों को चूना लगा रहे हैं। उनके द्वारा एनसीईआरटी के स्थान पर निजी प्रकाशकों की किताबों की खरीद कराई जा रही है। यह क्रम इनका पिछले कई सालों से चलता आ रहा है। हर साल निजी स्कूल अभिभावकों को करीब 8 करोड़ की चपत लगा रहे हैं। निजी स्कूलों के द्वारा हर साल की जाने वाली मनमानी से प्रशासन से लेकर शिक्षा विभाग तक वाकिफ हैं। इसके बाद भी कोई कुछ भी न बोलने तो तैयार होता है, और न ही कार्रवाई होती है। यहां तक कि स्कूलों से कोर्स संबंधी जानकारी तक नहीं दी जा रही है।

जिले में करीब 28 सीबीएसई और दो आईसीएसई स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों को बोर्ड की ओर से संबद्धता एवं संचालन की अनुमति नो प्रॉफिट नो लॉस यानि शिक्षा की सेवा करेंगे की शर्त पर दी जाती है। इसके लिए स्कूलों में बायलाज भी बनाया गया है। लेकिन बोर्ड की शर्त एक भी स्कूल पूरी नहीं करता है, बल्कि मनमानी की जाती है। सीबीएसई बोर्ड नियमानुसार स्कूलों में सिर्फ एनसीईआरटी की की पुस्तकें पढ़ाई जानी चाहिए। इसके लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी बदलाव कर दिया गया है। साथ ही सभी कक्षाओं का पाठ्यक्रम पूरी तरह से एनसीईआरटी आधारित बदल दिया गया।

इसके बाद भी निजी स्कूल प्रकाशकों को लाभ पहुंचाने और अपने हितों की पूर्ति के लिए अभिभावकों को रह साल करोड़ों रुपए की चपत लगा रहे हैं।

स्कूल निजी प्रकाशकों को लाभ पहुंचाने और खुद के कमीशन के चक्कर में महंगी किताबों से बच्चों को अध्ययन करा रहे हैं। बताया जाता है कि एनसीईआरटी की पुस्तकें नहीं लगने की वजह से निजी स्कूल संचालक अभिभावकों को हर साल करीब 8 करोड़ से अधिक की चपत लगा देते हैं। नए शैक्षिक सत्र को लेकर भी यह क्रम फिर से शुरू हो चुका है। सीबीएसई और आईसीएसई स्कूलों के द्वारा बच्चों से नए शैक्षिक सत्र के लिए किताबों की खरीद करानी शुरू कर दी है। स्कूल संचालक एनसीईआरटी के स्थान पर निजी प्रकाशकों की महंगी किताबों की खरीद पूर्व से चयनित दुकानों से करा रहे हैं।

- स्कूल निजी प्रकाशकों को लाभ पहुंचाने और खुद के कमीशन के चक्कर में बिकवा रहे महंगी किताबें
- निजी स्कूलों में से चार हजार में बिकवाया जा रहा कक्षा एक और दो का कोर्स

निजी स्कूलों की पाठ्य पुस्तकों का मूल्य

कक्षा-एक	2000 से 3000
कक्षा-दो	2000 से 3000
कक्षा-तीन	2000 से 3500
कक्षा-चार	3000 से 4000
कक्षा-पांचवीं	3000 से 4500
कक्षा-छठी	4000 से 4500
कक्षा-सातवीं	4000 से 5000
कक्षा-आठवीं	4000 से 5500

एनसीईआरटी पुस्तकों का मूल्य (अधिकतम)

कक्षा-एक	500
कक्षा-दो	500
कक्षा-तीन	525
कक्षा-चार	575
कक्षा-पांचवीं	575
कक्षा-छठी	700
कक्षा-सातवीं	725
कक्षा-आठवीं	800

सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों के द्वारा कोई भी सूचना अभी तक नहीं दी गई है। जबकि नियमानुसार स्कूलों को पाठ्यक्रम बदले जाने के साथ फीस निर्धारण और ड्रेस कोड बदलने की सूचना देनी चाहिए। सभी स्कूलों से जल्द ही जानकारी मांगी जाएगी। जानकारी न देने वाले स्कूल को नोटिस जारी किया जाएगा।
लालजी यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक

शिक्षा विभाग को नहीं दी जाती कोर्स बदलने की जानकारी

संबंधित बोर्ड के नियमानुसार निजी स्कूलों को कोर्स बदलने से पहले जानकारी शिक्षा विभाग को जानकारी देनी होती है। लेकिन कोई भी स्कूल ऐसा नहीं करता है। इसके अलावा स्कूलों को कौन से पैटर्न पढ़ाया जा रहा है। जिसकी सूची शिक्षा विभाग को देनी होती है। न तो स्कूल ऐसा करते हैं और न ही शिक्षा विभाग हर साल स्कूलों में बदले जाने वाली पाठ्य पुस्तकों की जांच करता है। नतीजा हर साल अभिभावकों की जेब कटती चली जा रही है।

ऐसे खेला जाता है कमीशन का खेल

जिले में 28 सीबीएसई और दो आईसीएसई के स्कूल संचालित हैं। प्रत्येक स्कूल में औसतन एक हजार बच्चों का नामांकन है। बच्चों की संख्या 30 हजार हो जाती है। मार्च-अप्रैल में सत्र प्रारंभ होने के साथ किताबों की खरीद कराई जाती है। अब अगर एक बच्चा औसतन दो हजार की किताब निजी प्रकाशक की लेता है तो एक वर्ष में छात्रों की संख्या के आधार पर धनराशि करीब छह करोड़ हो जाती है। यह निचली कक्षाओं में किताब खरीदने की राशि है, जैसे-जैसे ऊपरी कक्षा में बढ़ते जाएंगे किताब का दाम भी बढ़ता चला जाता है। ऊपरी कक्षाओं को भी जोड़ लिया जाए तो हर साल निजी स्कूलों के द्वारा करीब 8 करोड़ की किताबों की खरीद कराई जाती है। निजी स्कूलों में छठी-सातवीं में पूरी किताब का सेट पांच से छह हजार रुपये में मिल रहा है। यही अगर स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें चलती तो औसतन 500 से एक हजार में हो जाता है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्कूल संचालक अपनी पूर्ति के लिए निजी प्रकाशक को लाभ पहुंचाते हुए किस तरह अभिभावकों की जेब काटने में लगे हैं।

30-40 फीसदी कमीशन पर तय होता है कोर्स

सीबीएसई बोर्ड से संचालित स्कूलों में बोर्ड का पाठ्यक्रम पैटर्न एक समान होता है, लेकिन निजी स्कूलों में पब्लिशर्स राइटर्स की संख्याओं की कोई गिनती नहीं है। लेकिन निजी स्कूलों में सीबीएसई द्वारा निर्धारित पैटर्न का पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाया जाता। हर स्कूल का अपना अलग पाठ्यक्रम है। जितने स्कूल उतने प्रकाशक। एक ही कक्षा, लेकिन स्कूल अलग तो किताब भी अलग। जिले में संचालित केंद्रीय विद्यालय में सीबीएसई पैटर्न पर पढ़ाई कराई जाती है। लेकिन इसी बोर्ड से संबद्ध निजी स्कूलों का पैटर्न अलग मिलेगा। केंद्रीय विद्यालय में सभी किताबें एनसीईआरटी की लगी हैं। सातवीं कक्षा के पूरे कोर्स की किताबों का मूल्य लगभग सात सौ रुपए हैं। जबकि निजी स्कूलों में यह तीन से छह हजार रुपए तक का है। एक बुक डीलर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि स्कूल निजी प्रकाशकों की किताबें इसलिए चलाते हैं क्योंकि उन्हें 30 से 40 प्रतिशत कमीशन मिलता है। सत्र शुरू होने से पहले ही दिसंबर से फरवरी के बीच डीलर के एजेंट सब तय कर चुके होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

खाद्य सुरक्षा विभाग ने मूंगफली- चौलाई सहित भरे तीन नमूने

बदायूं/ कुंवर गांव, अमृत विचार : खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को शहर सहित देहात क्षेत्र में प्रतिष्ठानों पर छापा मारा। टीम ने मूंगफली, चौलाई सहित तीन नमूने लिये, जिन्हें जांच के लिए भेज दिया गया। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सीएल यादव ने टीम के साथ शहर के लालपुल स्थित मेसर्स-रिलायंस रिटेल लिमिटेड पर छापा मारा। यहां से कुट्टू आटा व मूंगफली दाना का नमूना लिया गया। कुंवरगांव स्थित मनोज ट्रेडर्स से रोस्टेड से चौलाई का नमूना लिया गया। इन नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा गया।

अमर शहीदों की प्रतिमा पर बुलडोजर चलाने का विरोध

बदायूं, अमृत विचार : परशुराम चौक स्थित कांग्रेस कार्यालय पर एक आपात बैठक पूर्व जिलाध्यक्ष ओमकार सिंह के नेतृत्व में आयोजित की गई जिसमें शाहजहांपुर में नगर निगम के बाहर लगीं काकोरी कांड के शहीदों की प्रतिमाओं को बुलडोजर से तोड़े जाने का विरोध किया गया। ओमकार सिंह ने कहा कि कल शहीद दिवस पर शाहजहांपुर में अमर शहीदों की प्रतिमा पर बुलडोजर एक्शन घोर निंदनीय है। सौंदर्य कभी भी शहीदों के मान-सम्मान से बड़ा नहीं हो सकता।

रामनवमी पर निकलेगी शोभा यात्रा मजिस्ट्रेट नामित

बदायूं, अमृत विचार : 26 मार्च को रामनवमी का पर्व मनाया जाएगा। रामनवमी पर्व पर शहर में परंपरागत शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभा यात्रा के दौरान शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएम ने मजिस्ट्रेट नामित किए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि 26 को रामनवमी का पर्व प्रत्येक वर्ष की भांति मनाया जायेगा। इस पर्व पर परम्परागत शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा बिरूआवाड़ी मन्दिर से प्रारम्भ होकर टिकटगंज, हलवाई आदि स्थानों से होते हुए रघुनाथ मन्दिर पर पहुंचकर समाप्त होगी।

दुष्कर्म करने के दोषी को 10 साल का कठोर कारावास

- न्यायाधीश ने सुनाया फैसला, दोषी पर 22 हजार रुपये लगाया जुर्माना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के दोषी को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट कक्ष नौ की न्यायाधीश मिर्जा जीनत 10 साल के कठोर कारावास समेत 22 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार 11 सितंबर 2017 को शिकायतकर्ता ने थाना उघैती पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया था कि उसकी 13 साल की बेटी कक्षा 9 की छात्रा है जो 7 सितंबर 2017 की सुबह 8 बजे वह उघैती के एक स्कूल में पढ़ने गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। उन्होंने बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। वह बेटी की तलाश करते रहे। गांव के ही दो लोगों ने बताया कि उनकी बेटी को बिसौली के गांव सुजानपुर निवासी गुड्डू पुत्र सुरेश, गांव महानगर निवासी बंटी, खंडुआ निवासी गणेश लेकर गए हैं। उन्होंने उसे ले जाते देखा है। पुलिस ने किशोरी की तलाश की। उसे बरामद कर लिया। पूछताछ में पता चला कि गुड्डू उसे बहला-फुसलाकर दिल्ली ले गया था, जहां एक कमरे में कई दिनों तक रखकर उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। फिर छोड़कर चला गया।

गैर इरादतन हत्या के दोषियों को सात-सात साल की सजा

बदायूं, अमृत विचार : गैर इरादतन हत्या के चार आरोपियों को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट तीन के न्यायाधीश ऋषि कुमार ने सात-सात साल की कैद समेत दो-दो हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार वादी मुकदमा राम रहीस पुत्र बुद्धि सिंह ने फैजगंज बेहटा पुलिस को 19 अप्रैल 2017 के तहरीर देकर बताया था कि एक बजे वह और उनके पिता अपने घर के सामने चबूतरे पर बैठे थे। इसी दौरान गांव निवासी करन सिंह, वीरपाल, ओमवीर व करूं पुत्र करन सिंह, चंद्रकेश पुत्र हरनाम सिंह आए और गाली-गलौज करने लगे। गाली देने का विरोध करने पर उन्होंने लाठी-डंडों से पिटाई शुरू कर दी। बुद्धि गंभीर रूप से घायल हो गए। बुद्धि सिंह की इलाज के दौरान 29 अप्रैल 2017 को मौत हो गई थी। न्यायालय ने चारों दोषियों को सजा सुनाई।

अस्पताल में पर्चा बनवाने को लेकर हंगामा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिला अस्पताल में पर्चा बनवाने को लाइन में लगे मरीज देरी होने पर हंगामा करने लगे, जिसके बाद सुरक्षा गार्डों ने मरीजों को किसी तरह शांत कराया। पर्चा बनाने के नियम बदल जाने के बाद से हर दिन हंगामा देखने को मिल रहा है। आधार कार्ड और मोबाइल नं.न होने पर मरीजों के पर्चे नहीं बनाए जाते हैं जिससे दर्जनों मरीज हर दिन वापस लौटते हैं।

शासन स्तर से जारी निर्देशों के बाद से जिला अस्पताल में अब ऑनलाइन पर्चे बनाए जा रहे हैं। ऑनलाइन पर्चे बनवाने में मरीजों को अपना आधार कार्ड और मोबाइल नंबर देना जरूरी होता है। ऑनलाइन पर्चे बनाने की प्रक्रिया में काफी समय लगता है जिससे मरीजों को परेशानी होती है। मंगलवार को पूर्वान्ह 11 बजे सौ से अधिक मरीज पर्चा बनवाने को लाइन में लगे थे। पर्चा देरी से बनने पर मरीज परेशान हो गए और हंगामा करने लगे। मरीजों के हंगामा करने के बाद पर्चा काउंटर भी कुछ देर को बंद कर दिया गया। स्थिति बेकाबू होने पर सुरक्षा गार्डों को बुलाना पड़ा। सुरक्षा गार्डों ने किसी तरह मरीजों को समझा-बुझा कर शांत किया। मरीजों का कहना था कि वह लोग सुबह आठ बजे से लाइन में लगे हैं। यहां पर एक पर्चा बनाने में कम से कम पांच मिनट का समय लगता है इसलिए मरीजों को लाइन में घंटों लगना पड़ रहा है। सिस्टम बदलने से मरीजों को दिक्कत हो रही है।

जिला अस्पताल में इस तरह हर दिन हंगामा देखने को मिलता है। देहात से आने वाले मरीजों को घंटों लाइन में लगना पड़ता है जिससे उन्हे परेशानी होती है। यहां लाइन में लगने के बाद फिर ओपीडी में लाइन में लगता पड़ता है और फिर दवा लेने को घंटो लाइन में लगे रहना होता है। इस समस्या को लेकर मरीजों को कई जगह मुसीबत झेलनी पड़ती है।

हंगामा कर रहे मरीजों को शांत कराते सुरक्षा गार्ड • अमृत विचार

- जिला अस्पताल में पर्चा बनने में देरी पर हुआ हंगामा
- सुबह आठ बजे से लाइन में लग जाते हैं सैकड़ों मरीज

पिछले काफी दिनों से पर्चा बनाने का नियम बदल चुका है। आधार कार्ड और मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है। जो मरीज आधार और मोबाइल नंबरनहीं लाते हैं उनके पर्चे नहीं बन रहे हैं। ऑनलाइन पर्चा बनने में देर होती है लेकिन मरीज हंगामा करते हैं। फिर भी पांच सौ से सात सौ पर्चे हर दिन बनाए जाते हैं।
डा .अमित वार्ष्णेय- सीएमएस

हर दिन लौटते हैं दर्जनों मरीज

जो मरीज गांव देहात से पहली बार दवा लेने को पहुंचते हैं उन्हें मोबाइल नबंर ओर आधार कार्ड की अनिवार्यता की जानकारी नहीं होती है। उन मरीजों को वापस लौटा दिया जाता है जबकि अधिकांश मरीजों को नए सिस्टम की जानकारी है इसलिए वह लोग अपने साथ आधार और मोबाइल नंबर लेकर आते हैं। वापस लौटने वाले मरीजों का कहना है कि वह सौ रुपए किराया खर्च कर यहां आए हैं फिर भी उनका पर्चा नहीं बना। सरकारी अस्पतालों में गरीबों को दवा नहीं है। यहां केवल परेशानी झेलनी पड़ती है।

डीएम कार्यालय पर होगा प्रदर्शन

संवाददाता, उस्मानपुर

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव मालपुर ततेरा में भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर धर्मेंद्र सिंह ने छुट्टा गौवंश सहित अनेक समस्याओं को लेकर सभा की। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

गांव में लोगों से बात करते हुए ठाकुर धर्मेन्द्र सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र में छुट्टा गौवंश की बड़ी समस्या है। अमेरिका के साथ ट्रेड डील के विरोध में आंदोलन किया जाएगा। बरसात से बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे की मांग, स्मार्ट मीटर का विरोध व गांव में सफाई कर्मचारियों की तैनाती करने की मांग को लेकर बहुत जल्द 10 हजार किसानों के साथ डीएम कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव ने कहा प्रशासन गौशाला बनवाकर छुट्टा गोवंशों को संरक्षित कराए। इस मौके पर मंडल उपाध्यक्ष फिरासत अली, इंतजार अली, बंटी सिंह लोधी, वीरेंद्र यादव, मुनेश, श्यौराज सिंह, अमित शर्मा, समसुद्दीन, नूर मोहम्मद, यशपाल सिंह खटीक, मनोज शर्मा समेत सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते ठाकुर धर्मेंद्र सिंह • अमृत विचार

उर्स के लिए मजिस्ट्रेट नामित

बदायूं, अमृत विचार: कस्बा ककराला में 28 व 29 मार्च दो दिवसीय उर्स का आयोजन होगा। जिला प्रशासन ने सुरक्षा और शांति व्यवस्था के लिए मजिस्ट्रेट की तैनाती कर दी है। कार्यक्रम स्थल और आस-पास के क्षेत्रों में अलग-अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उप जिलाधिकारी (न्यायिक) राजेश कुमार सिंह को कार्यक्रम स्थल एवं सम्पूर्ण कस्बा व जुलूस की जिम्मेदारी सौंपी गई है। तहसीलदार (न्यायिक) सदर सुरेन्द्र कुमार द्वितीय को कार्यक्रम स्थल, तहसीलदार सदर दीपक सिंह को ककराला उसहैत मार्ग के प्रवेश द्वार पर नायब तहसीलदार सदर को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अध्यक्ष पद पर अतर सिंह सहित तीन ने किए नामांकन

संवाददाता, सहसवान

अमृत विचार : बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए रूकुम सिंह यादव, नरेंद्र गोपाल सक्सेना व अतर सिंह शाक्य ने नामांकन पत्र दाखिल किये जबकि महासचिव पद के लिए सोमवीर सिंह यादव, धर्मेंद्र पाठक और चंद्रभान सिंह यादव ने नामांकन पत्र दाखिल किए। सह सचिव प्रशासन के लिए पिंकी सक्सेना और शिवम कश्यप और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए सत्यभान सिंह यादव और सरफराज अली नावेद, कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मजाहिर अली, कोषाध्यक्ष के लिए सुशील कुमार सैनी, पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए अक्षत सक्सेना, कनिष्क कार्यकारिणी सदस्य के लिए साहिद जमा खां वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए मोहम्मद सवी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। कोषाध्यक्ष के लिए सुशील कुमार सैनी व कनिष्क उपाध्यक्ष पद के लिए मजाहिर अली, पुस्तकालय अध्यक्ष के लिए अक्षत सक्सेना, कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए साहिद जमा व वरिष्ठ उपाध्यक्ष कार्यकारिणी के लिए मोहम्मद सवी का निर्विरोध चुना जाना तय है।

25 मार्च को डिग्री कॉलेज में लगेगा रोजगार मेला

बदायूं,अमृत विचार: प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए 25 मार्च को नेहरू मेमोरियल शिवनारायण दास पीजी कॉलेज रोजगार मेला लगेगा। डीएम अवनीश कुमार राय ने बताया कि विशाल रोजगार मेला जिला सेवायोजन कार्यालय व संबंधित संस्थाओं के सहयोग से आयोजित कराया जा रहा है। निजी क्षेत्र की 15 से 20 प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करने की संभावना है। मेला में करीब 500 से अधिक अभ्यर्थियों के शामिल होने का अनुमान है, जिससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

नई दिल्ली का सफर हुआ आसान, केंद्र से मिली स्वीकृति

- केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने रेल मंत्री से मिलकर बताई थी समस्या और मांग

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बदायूं से दिल्ली तक ट्रेन के संचालन की कई साल पुरानी मुराद अब पूरी होने जा रही है। रेलवे ने ट्रेन के संचालन पर मुहर लगा दी है। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की। रेल मंत्री ने बरेली से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन का विस्तार किये जाने की जानकारी दी। अब यह ट्रेन कासगंज से संचालित की जाएगी।

व्यापारियों से लेकर हर वर्ग कई साल से दिल्ली के लिए ट्रेन के संचालन की मांग करता आया है। जनप्रतिनिधियों की कार्रवाई आश्वासन तक ही सीमित रही थी। लगातार मांग के चलते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने रेल मंत्री से मुलाकात की और समस्या व मांग से अवगत कराया। बदायूं के लोगों के अनुसार ट्रेन के समय को लेकर भी चर्चा की थी। 20 मार्च को केंद्रीय राज्यमंत्री ने ट्रेन अप्रैल के पहले या दूसरे सप्ताह से संचालन की बात कही थी। अब बदायूं से दिल्ली तक ट्रेन संचालन को अंतिम रूप दिया गया है। केंद्रीय राज्यमंत्री के अनुसार बरेली से नई दिल्ली जाने वाली एक्सप्रेस 14315/14316 अब कासगंज, बदायूं होते हुए बरेली और फिर दिल्ली के लिए रवाना होगी। जल्द ही समय सारिणी जारी की जाएगी।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात करते केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा।

सांसद आदित्य यादव ने भी लोकसभा में की थी रेल सेवा शुरू करने की मांग

बदायूं, अमृत विचार : रेल सेवा को स्वीकृति मिलने पर सांसद आदित्य यादव ने हर्ष व्यक्त किया है। उन्होंने बताया कि लंबे समय से लंबित इस महत्वपूर्ण मांग को उन्होंने लोकसभा में उठाया था। जिस पर रेल मंत्रालय ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए रेल सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह रेल सेवा बदायूं ही नहीं बल्कि आस-पास के लाखों लोगों को राहत देगी। उन्होंने बताया कि लोगों को बस या अन्य वाहनों का सहारा लेना पड़ता था। फिर बरेली जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती थी जिसमें समय और रुपये की बर्बादी होती थी। उन्होंने लोकसभा में कहा था कि बदायूं बड़ा जिला है। जहां से रोज लोग शिक्षा, रोजगार, चिकित्सा और व्यापारिक कार्यों के लिए दिल्ली जाते हैं। सीधी रेल सेवा न होने से असुविधा होती है। उन्होंने सरकार से बदायूं को दिल्ली से जोड़ने के लिए जल्द रेल सेवा शुरू करने की मांग उठाई थी। अब इसका संचालन शुरू होने पर व्यापारी दिल्ली के बाजार तक आसानी से पहुंचेंगे। उच्च शिक्षा संस्थानों तक पहुंच में सुविधा होगी। स्थानीय रोजगार में वृद्धि होगी। यह निर्णय परिवहन ही नहीं बल्कि क्षेत्र में विकास और प्रगति के दरवाजे खोलने वाला है।

लोकसभा में सांसद आदित्य यादव।

उन्होंने कहा कि यह निर्णय बदायूं और आसपास क्षेत्र के विकास की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। यात्रियों को सीधा और सुगम आवागमन उपलब्ध होगा। साथ ही व्यापार, शिक्षा, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

सबसे पुराना स्थापित 1960
गुप्त रोगी रोजाना मिलें
हर जगह से परेशान रोगी मिले
नामर्दी, शीघ्रपतन, इच्छा की कमी
बिना ऑपरेशन दर्द रहित उपचार
बबासीर
खूनी, वादी, बवासीर, भगन्दर कांच का बिना ऑपरेशन इलाज दर्द रहित
उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध टॉप नं. 1
डॉ. सी.पी. गुप्ता क्लीनिक
निकट जिला पंचायत चौपुला कुतुबखाना रोड, बरेली
मो. 9259082174

न्यूज ब्रीफ

बकरा चोरी करने का आरोपी गिरफ्तार

बदायूं, अमृत विचार : इस्लामनगर पुलिस ने बकरा चोरी का मामला दर्ज किया था। मंगलवार को थानाध्यक्ष उदयवीर सिंह ने बकरा चोरी करने के आरोपी जिला संभल के थाना गुन्नौर क्षेत्र के मोहल्ला हीरापुर निवासी रहीस कुरैशी पुत्र शहजाद को गिरफ्तार किया। उसके पास से बकरा चोरी कर मिले 2250 रुपये बरामद किए। आरोपी पर पहले से गोवध अधिनियम, पशु क्रूरता अधिनियम, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट आदि के मामले दर्ज हैं।

झोपड़ी में आग लगने से जला हजारों का सामान

उसहैत, अमृत विचार : गांव कटरा सहादतगंज में एक झोपड़ी में आग लग गई। आग लगने से उसमें रखा हजारों का सामान जल गया। आग पर पीड़ित परिवार ने ग्रामीणों ने किसी तरह काबू पाया, लेकिन तब तक सब कुल जल कर राख हो चुका था। गांव निवासी जयसिंह लोनिया कई सालों से खेत पर झोपड़ी डालकर रह रहे थे। उनकी झोपड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। आग ने पास ही अन्य तीन झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही ग्रामीण उसे बुझाने के लिए दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने खेत में लगे पंपसेट चलाकर आग पर काबू पाया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग जब तक शांत हो पाती उससे पूर्व ही झोपडियों में रखा सामान जल चुका था। गांव में आग लगने की सूचना राजस्व विभाग को दी गई है।

ईद मिलने आए मौलाना को देखकर युवक ने की फायरिंग

कुंवरगांव, अमृत विचार : थाना कुंवरगांव क्षेत्र के गांव पड़ौलिया में एक युवक ने उस समय दिन दहाड़े फायरिंग कर दहशत फैला दी जब गांव की मस्जिद में पूर्व में रहे मौलाना अपने परिचितों से ईद मिलने आए थे। युवक का मौलाना से पुराना विवाद चल रहा है। गांव निवासी युवक का पिछले साल मस्जिद के मौलाना बरेली निवासी रफीक से विवाद हो गया था। इसको लेकर गांव में जमकर बवाल हुआ था। मामला थाने तक पहुंचा था। पुलिस ने कार्रवाई भी की थी। ग्रामीणों के सहयोग से मामला शांत कराया गया था। मौलाना मस्जिद ईद मिलने आए तो आरोप है कि युवक ने उन्हें घेर लिया और गाली दी।

एचपीसीएल के अधिकारियों ने लिया प्लांट का जायजा

12 मार्च को बैठक में हुई थी प्लांट के दो अधिकारियों की हत्या, एचपीसीएल के अधिकारियों ने डीएम और एसएसपी के साथ की सुरक्षा को लेकर चर्चा

प्लांट के गेट पर सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी करते अधिकारी। ● अमृत विचार

हत्याकांड के बारे में पता करते अधिकारी।

अधिकारियों के आगमन के समय खुला प्लांट का दरवाजा।

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दातागंज के गांव सैंजनी स्थित एचपीसीएल के प्लांट में उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा की गोली मारकर हत्या के बाद प्लांट बंद चल रहा है। अधिकारी और कर्मचारी डरे हुए हैं। मंगलवार को एचपीसीएल के दिल्ली के अधिकारियों ने डीएम अवनीश राय और एसएसपी अंकिता शर्मा के साथ मौका-मुआयना किया। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही प्लांट का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

प्लांट से निकाले गए आउटसोर्सिंग कर्मचारी अजय प्रताप सिंह ने अपने दो साथी धर्मेंद्र यादव और मुनेंद्र विक्रम सिंह के साथ मिलकर 12 मार्च को दिन दहाड़े तीन गोली मारकर दोनों अधिकारियों की हत्या कर दी थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को जेल भेजा था। हत्याकांड से डरे अधिकारी और कर्मचारी प्लांट से वापस अपने घर लौट गए थे। वहीं संस्था ने प्लांट के 85 आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को हटा दिया था। कहा गया था कि प्लांट का संचालन दोबारा शुरू होने पर नए सिरे से भर्ती की जाएगी। संचालन को लेकर संशय बना हुआ था। मंगलवार दोपहर लगभग 12 बजे महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी व एचपीसीएल के सुरक्षा सलाहकार केपी रघुवंशी, दिल्ली से आए कार्यकारी निदेशक मोहित धवन के नेतृत्व में चार सदस्यीय टीम डीएम और एसएसपी के साथ प्लांट पर पहुंची। गेट पर दरवाजा खुला और अधिकारी भीतर प्रवेश कर गए। किसी को भीतर जाने की अनुमति नहीं दी गई। एचपीसीएल के अधिकारियों ने प्लांट का मुआयना किया। प्लांट पर मौजूद गैस की उपलब्धता को लेकर बात की। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था जानी। साथ ही घटना के बारे में विस्तार से जानकारी की। लगभग दो घंटे तक प्लांट की स्थिति जानकर अधिकारी दोपहर दो बजे वापस लौट गए।

दो अन्य अधिकारियों के कलमबंद बयान दर्ज : हत्याकांड के दौरान बैठक में उप महाप्रबंधक सुधीर गुप्ता और सहायक मुख्य प्रबंधक हर्षित मिश्रा, लोकेश के अलावा दो अन्य अधिकारी थे। सुधीर गुप्ता के वीआरएस लेने की वजह से लोकेश कार्यभार ग्रहण करने के लिए आए थे। हत्याकांड के बाद वह वापस चले गए थे। विवेचना मजबूत करने के लिए पुलिस ने सोमवार को हत्याकांड की रिपोर्ट दर्ज कराने वाले प्लांट कर्मचारी जीशान अंसारी और लोकेश के बयान दर्ज कराए थे। हत्या के समय मौजूद दो अन्य अधिकारियों के मंगलवार को सीजेएम कोर्ट में कलमबंद बयान दर्ज कराए गए हैं। जिससे वह दवाब में अपने बयान न बदलें और पुलिस की विवेचना मजबूत रहे। मजबूत साक्ष्य के साथ चार्जशीट लगाई जा सके।

गुटबंदी बंद कराने को एक परिवार के लोग नहीं होंगे भर्ती

सूत्रों के अनुसार एचपीसीएल के अधिकारियों ने आउटसोर्सिंग कर्मचारी उपलब्ध कराने वाली संस्था सोपान एन 3 ई के अधिकारियों से भी बात कर कर्मचारियों के बारे में जानकारी की। बताया जा रहा है कि अधिकारियों ने संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जब भी प्लांट पर नए कर्मचारियों की भर्ती हो तो उसमें एक परिवार के लोगों को भर्ती न किया जाए। इसके अलावा भर्ती करने से पहले कर्मचारियों के संबंधित थाने से चरित्र का सत्यापन जरूर कराएं।

पुलिस चौकी पर हर समय तैनात हैं पुलिसकर्मी

हत्याकांड के बाद एसएसपी अंकिता शर्मा ने कार्यभार ग्रहण करने के दिन ही प्लांट का जायजा लिया था। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस चौकी खुलवाई थी जिसमें दो उपनिरीक्षक, आठ सिपाही तैनात किए गए हैं। इसके अलावा पीएसी भी प्लांट पर हर समय तैनात है। बताया जा रहा है कि प्लांट शुरू होने पर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत की जाएगी। गेट पर सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ेगी। प्लांट के भीतर प्रवेश प्रक्रिया का तरीका भी बदलेगा। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों से निगरानी और ज्यादा बढ़ाकर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत की जाएगी। पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी पास के गांव सैजनी में सक्रिय रहेंगे।

हत्यारोपी की मां की दुकान पर कम मिला खाद्यान्न

दातागंज, अमृत विचार : एचपीसीएल प्लांट में दो अधिकारियों की हत्या के आरोपी अजय प्रताप सिंह की मां किरन देवी के नाम चल रही राशन कोटे की दुकान को प्रशासन ने निलंबित कर दिया था। हत्या के बाद से मुख्य आरोपी के परिजन फरार हैं। अब राशन की दुकान का संबद्धीकरण पास गांव भगौतीपुर के कोटेदार बाबूराम के नाम कर दिया है लेकिन निलंबित दुकान में दस कुंतल गेहूं, चावल और बाजरा स्टाक से कम मिला। जिला पूर्ति अधिकारी को पत्र भेजकर इससे अवगत कराया गया है। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी की मां पर आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई की तैयारी है।

राजमार्ग किनारे पलटा सिलेंडर लदा ट्रक, चालक घायल

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : बरेली-मथुरा राजमार्ग पर कोतवाली सिविल लाइन क्षेत्र के गांव घर के पास सिलेंडर से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे ट्रक चालक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चालक सोमवार देर शाम एलपीजी सिलेंडर भरे ट्रक को लेकर उझानी बरेली की ओर जा रहा था। राजमार्ग पर निर्माण कार्य चलने की वजह से दोनों साइड के वाहन एक ही लेन में आ रहे हैं। ट्रक चालक के सामने दूसरे वाहन की तेज रोशनी आई। चालक ने ट्रक को बचाने का प्रयास किया तो एक साइड राजमार्ग किनारे चल गई और ट्रक पलट गया। ट्रक चालक मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मद नगर सुलहरा निवासी राजेश घायल हो गए। राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गईं। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। भगत सिंह चौकी इंचार्ज योगराज सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक के केबिन से चालक का बाहर निकाला और एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा। क्रेन से ट्रक सीधा कराया। गैस सिलेंडर भरे होने की वजह से लोगों की भीड़ लग गई। पुलिस ने भीड़ को मौके से हटाया।

राजमार्ग स्थित गांव घेर के पास पलटा पड़ा ट्रक। ● अमृत विचार

● **वाहन की तेज रोशनी से चालक ने बचने का किया था प्रयास**

सदर विधायक ने मुख्यमंत्री से की शिष्टाचार भेंट

बदायूं, अमृत विचार : प्रदेश में भाजपा सरकार के नौ साल पूरे होने पर सदर विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की और नवनिर्माण के नौ वर्ष पूरे होने की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने सदर विधानसभा क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। कंपोजिट विद्यालयों के विकास और विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाने के बारे में बातचीत की और मसाना माता की मढ़ैया और गांव बनकोटा में नया विद्युत उपकेंद्र स्थापित कराने की मांग की, ताकि निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके।

मुख्यमंत्री से भेंट करते सदर विधायक

प्रतिमा खंडित करने पर विरोध

विरोध प्रदर्शन करते जनहित सत्याग्रह मोर्चा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार: काकोरी कांड के महान क्रांतिकारी शहीद पं रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान व ठाकुर रोशन सिंह की प्रतिमाओं को खंडित किए जाने पर जनहित सत्याग्रह मोर्चा ने कड़ा विरोध जताया और कलेक्ट्रेट के सामने विरोध-प्रदर्शन किया। मोर्चा के पदाधिकारियों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए डीएम को ज्ञापन सौंपा।

वक्ताओं ने कहा कि हमारे देश के महान क्रांतिकारियों के संघर्षों और बलिदानों के कारण ही देश आजाद हो पाया था लेकिन दुखद है कि हमारी इस क्रांतिकारी विरासत को कुत्सित इरादों से मिटाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन आज की फासीवादी ताकतें भूल जाती हैं कि क्रांतिकारियों की विरासत और उनके सपनों को आगे बढ़ाने के लिए देश में लोग मौजूद है। इन महान क्रांतिकारियों की मूर्तियां तोड़ने से उनके विचारों को नहीं मिटाया जा सकता।

जनहित मोर्चा के अध्यक्ष प्रेमपाल सिंह और कार्यकर्ताओं ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मौके पर योगेश यादव, एस पी सिंह, डा सतीश, विकास, पवन, राकेश सिंह, कृष्ण गोपाल गुप्ता, राजेश जौहरी, वीरेंद्र जाटव , मुफीद खान आदि लोग मौजूद थे।

ऊसर भूमि को उपजाऊ बनाने की कवायद शुरू

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भूमि सुधार कार्यक्रम के तहत जनपद में ऊसर भूमि को चिन्हित कर समतलीकरण किया जा रहा है जिससे भूमि उपजाऊ बन सके। साथ ही, किसानों को कम पानी में जमीन की सिंचाई करने को प्रेरित किया जा रहा है। अभी तक दस हेक्टेयर भूमि का समतलीकरण किया गया है।

भूमि संरक्षण विभाग पर ऊसर भूमि को समतलीकरण कर उसे उपजाऊ बनाने की जिम्मेदारी है। इसके लिए शासन स्तर से विभाग को हर साल भूमि सुधार का लक्ष्य भी दिया जाता है। इस साल करीब 43 हेक्टेयर का लक्ष्य दिया गया है जिसके सापेक्ष अब तक दस हेक्टेयर भूमि का समतलीकरण किया जा चुका है। शेष भूमि का भी समतलीकरण किया जाएगा।

भूमि संरक्षण विभाग के सहायक कृषि अधिकारी राजकुमार ने मंगलवार को बताया कि इस साल शासन के जरिये दिया गया लक्ष्य पूरा करने को कवायद शुरू कर दी गई है। कादर चौक क्षेत्र में करीब दस हेक्टेयर भूमि का समतलीकरण किया जा चुका है जबकि कुछ भूमि भी वहां पर समतलीकरण की जाएगी जिसके बाद इस भूमि को उपजाऊ बना दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आसफपुर ब्लॉक और दातागंज ब्लॉक क्षेत्रों में भूमि सुधार का काम किया जाएगा जबकि बिसौली क्षेत्र में पिछले दिनों किसानों के बीच इसकी जानकारी भी दी गई थी। साथ ही ठियाबंदी कर कुछ खेतों से मिट्टी के नमूने भी लिए गए थे। मिट्टी की जांच की जाएगी।

खेत की ठियाबंदी करते भूमि संरक्षण अधिकारी। ● अमृत विचार

बंजर भूमि की मिट्टी की कराएं जांच

भूमि सुधार के तहत बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने को किसानों को जागरूक किया जा रहा है। बंजर भूमि का सर्वे किया जा रहा है। साथ ही किसानों से बंजर भूमि की जानकारी देने को कहा गया है। अगर किसी खेत में फसल नहीं उगती है तो वह बंजर भूमि मानी जाती है। ऐसे खेत की मिट्टी की जांच भी की जाती है जिससे पता चले कि मिट्टी में किन तत्वों की कमी है या फिर कौन से तत्वों की अधिकता है। बंजर भूमि को उपजाऊ बनाने को तेजी से काम किया जा रहा है।

कम पानी वाली फसलें उगाने को किया जागरूक

भूमि सुधार के साथ ही किसानों को कम पानी में सिंचाई करने को जागरूक किया जा रहा है। भूमि संरक्षण विभाग इसके लिए गोष्ठियां रैलियां और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। किसानों को कम पानी वाली फसलें तैयार करने की विधि बताई जा रही है। ऊसर भूमि को निशुल्क समतलीकरण कराने की जानकारी दी जा रही है। साथ ही, मिट्टी की जांच की जा रही है। दीमक लगने पर किसानों को दवाओं का प्रयोग करने का सुझाव दिया जा रहा है।

मां काली के रूम में किया महाकाल का भव्य श्रृंगार

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : नगर के मुख्य बाजार स्थित शिव शक्ति भवन मंदिर में सोमवार की रात भक्तों ने नवरात्र के उपलक्ष्य में मां काली के स्वरुप में महाकाल का अदभुत श्रृंगार किया। बाबा के दर्शन के लिए यहां देर रात तक भक्तों का तांता लगा रहा। इससे पहले यहां भक्तों ने रुद्राभिषेक कर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए। बाबा का श्रृंगार प्रत्येक सोमवार को बदल-बदल कर स्वरूप में किया जाता है। बाद में यहां बाबा की आरती कर प्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर समिति के जरिये महाकाल का श्रृंगार करने वाले परिवार के सदस्यों को पटका पहनाकर सम्मानित किया गया।

इधर नगर के मुख्य बाजार स्थित कुटी मंदिर में भी भक्तों ने माता रानी के स्वरुप में महाकाल का श्रृंगार कर प्रसाद का वितरण किया।

पूजा करते श्रद्धालु ● अमृत विचार

बिजली विभाग की टीम से विवाद करने के आरोपी पकड़े

उस्मानपुर, अमृत विचार : थाना जरीफनगर पुलिस ने बिजली विभाग की टीम से विवाद करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। विवाद के बाद बिजली विभाग के अवर अभियंता वीरेंद्र प्रताप सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी गांव जतकी निवासी आश मोहम्मद, शान मोहम्मद पुत्र सफी मोहम्मद और रशीद पुत्र रज्जाक को पकड़ा।

पूर्व सभासद को 14 दिन के लिए भेजा जेल

संवाददाता, बिसौली

अमृत विचार : जमीन विवाद से आक्रोशित होकर टावर पर चढ़े पूर्व सभासद राजू कोली के खिलाफ शांतिभंग की कार्रवाई करते हुए 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बिसौली के होली चौक निवासी राजू कोली का वजीरगंज क्षेत्र में स्थित एक भूखंड को लेकर वहां के एक पूर्व ब्लॉक प्रमुख से लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि विरोधी पक्ष ने उक्त जमीन पर अपना बोर्ड लगा दिया जिसे हटाने के लिए राजू कोली लगातार अधिकारियों के पास गुहार लगाते रहे, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। इससे क्षुब्ध होकर वह हाईवे किनारे लगे टॉवर पर चढ़े और विरोध किया था। करीब दस घंटे तक चले इस घटनाक्रम के दौरान पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर डटे रहे और उन्हें समझाने का प्रयास करते रहे। अधिकारियों के आश्वासन पर वह नीचे उतर आए। बाद में कोतवाली में दोनों पक्षों के बीच लिखित सहमति भी करा दी गई। बताया जा रहा है कि राजू कोली 15 सितंबर 2025 को भी टावर पर चढ़े थे। बार-बार इस प्रकार की हरकत से जन-व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के मद्देनजर तहसीलदार विजय शुक्ला के निर्देश पर पुलिस ने उनका शांति भंग में चालान किया।

अमृत विचार क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना
मैंने अपनी पुत्री अंजली शर्मा पत्नी आयुष शर्मा को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उससे अपने सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **नीलम उपाध्याय पत्नी ब्रिजेश निवासी 16 ब्रहमपुरा टायर मण्डी मालीबाड़ा थाना प्रेमनगर जिला बरेली**

आवश्यकता है
दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की
संपर्क करें
कंपटीशन बुक हाउस
कॉलेज बुक हाउस
5,6,7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

किराये हेतु
नैनीताल रोड घंगोरा रोड, बरेली में 50/65 प्लॉट बैंक हेतु उपलब्ध है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को प्राथमिकता।
संपर्क
8218906442

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि तहसील गोला गोकर्णनाथ विकास खण्ड कुम्भी की न्याय पंचायत लन्दनपुर ग्रन्ट की ग्राम पंचायत सुहेला में प्रस्तावित बहु-उद्देशीय मत्स्य जीवी सहकारी समिति के गठन हेतु द्वितीय बैठक दिनांक 26.03.2026 को आयोजित की जा रही है। इच्छुक व्यक्ति प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें। **रभित कुमार पता-ग्राम सुहेला गोला गोकर्णनाथ जिला लखीमपुर (खीरी) 9161895627**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है मैंने अपने पुत्र अमन उर्फ विक्की को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **सूर्यकान्त शर्मा पुत्र श्री सुरेश चन्द्र निवासी ग्राम अमरेख परगना व तहसील फरीदपुर, बरेली।**

सूचना
सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र महीपाल की दिनांक 22.7.2018 को मृत्यु हो चुकी है। मेरे पुत्र की मृत्यु के बाद से पुत्रवधू अनीता का व्यवहार ठीक नहीं है। वह गलत संगत में पड़ गई है। मुझे जान से मरवाने की धमकी देती है। मैंने उसे अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। **ओमकार सिंह पुत्र गज्जू सिंह निवासी मोहल्ला जहांगीराबाद तहसील सहसवान जिला बदायूं।**

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपनी पुत्री नगमा नियाजी जो कि शादीशुदा है मैंने अपनी पुत्री को उसके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **नाजमा बी पत्नी मोहम्मद ज़की नियाजी नि. ख्वाजा कुतुब बरेली**

सूचना
सर्वसाधारण का सूचित किया जाता है कि एल.आई.सी. के कागजात में मेरा नाम भूलवश Beenu पत्नी Satish Rishiwal दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम Vina है। भविष्य में मुझे Vina पत्नी Satish के नाम से ही जाना व पहचाना जाये। बीना पत्नी सतीश निवासी 30, माधोबाड़ी, बरेली, उ.प्र.

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

धोखाधड़ी कर हड़पी चांदी, मुकदमा दर्ज

पीलीभीत, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आसफजान निवासी शरद कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि वह एक सराफा व्यापारी है। मोहल्ला मोहतसिम खां निवासी आशीष वर्मा, मनोज कुमार वर्मा को वह लंबे समय से जानते हैं। वर्ष 2021 में आशीष कुमार और मनोज ने उससे व्यापारिक आवश्यकता बताते हुए तीन किलो सात सौ ग्यारह ग्राम चांदी उधार ली थी। जिसकी कीमत करीब ढाई लाख रूपये थी। जब उसने चांदी वापस करने को कहा तो आरोपी टालमटोल करने लगे। 17 मई 2024 को शाम करीब चार बजे वह आरोपियों के घर शिकायत करने गए तो आरोपियों ने उसे धमकाया। 16 जनवरी को वह अपनी स्कूटी से घर जा रहा था। तभी नेहरू पार्क के पास आरोपियों ने उसको घेरकर गाली गलौज करते हुए मारपीट की। पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

चार अप्रैल को दिल्ली कूच करेंगे शिक्षक

पीलीभीत, अमृत विचार : टीईटी की अनिवार्यता को लेकर परिषदीय स्कूलों के शिक्षक लामबंद होना शुरू हो गए हैं। परिषदीय शिक्षक चार अप्रैल को दिल्ली रामलीला मैदान में अपनी आवाज को बुलंद करेंगे। दिल्ली कूच की तैयारी को लेकर जिले भर के शिक्षक पदाधिकारी की बैठक बेसिक शिक्षा विभाग के बहुउद्देशीय क्रीड़ा हाल में मंगलवार को हुई। शिक्षक नेताओं ने दावा किया है कि हर ब्लॉक से एक -एक बस से शिक्षक शिक्षिकाएं अपनी मांगों को मनवाने के लिए दिल्ली जाएंगे। मंगलवार को हुई बैठक में शिक्षक नेता भद्रपाल सिंह, मुकेश अवस्थी, दयाशंकर गंगवार, उमेश गंगवार, लाल करन, देवेंद्र कन्हैया, बाबूराम गंगवार, सूर्य प्रकाश गंगवार, रामौतार गंगवार, संतोष गंगवार, विमल कुमार, अर्जुन गंगवार, संजय गंगवार, राजेश मिश्रा, मोहम्मद अकरम, केके रजक आदि मौजूद रहे।

पांच रोगियों को वितरित की पोषण पोटली

बिलसंडा, अमृत विचार : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निःक्षय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पहुंचे मरीजों की जांच कर उचित परामर्श दिया गया। पांच मरीजों को पोषण पोटली वितरित की गई। उन्हें खाने पीने, स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी। इस मौके पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. छत्रपाल सिंह, डॉ. अखिलेश, सोमवीर, चीफ फार्मासिस्ट अवधेश गुप्ता, भूपेंद्र सिंह, चित्र कुमार, मथुरा प्रसाद आदि मौजूद रहे।

नवरात्र विशेष: पिता ने आतंकियों से लड़ते हुए वीरगति पाई, मां एडीजी बरेली कार्यालय में तैनात, बेटी देवांशी यादव बनी मानवता की मिसाल

शिक्षा का दीप जलाकर शहीद की लाड़ली ने बदल दीं सैकड़ों जिंदगी

नवशक्ति

संजय शर्मा, बरेली

- बरेली से युगांडा तक गरीब बच्चों के लिए काम कर रहीं देवांशी
- नर्सिंग, टाईपिंग और टेक्निकल कोर्स कराकर दे रहीं दिशा

युगांडा के इन बच्चों की मदद कर रही हैं देवांशी।

जिले के इन बच्चों की पढ़ाई में देवांशी करती हैं मदद। ● अमृत विचार

युगांडा की रहने वाली सिरीन की शिक्षा की ली जिम्मेदारी।

मां संजू यादव के साथ बेटी देवांशी और उनकी बेटी वानमई।

अमृत विचार : आतंकियों से मोर्चा लेते शहीद हुए पुलिस क्षेत्राधिकारी रामआसरे यादव की लाड़ली देवांशी यादव ने सेवा-सरोकार के ऐसे अध्याय लिख डाले हैं कि उनकी गूंज से देश बाहर भी सुनी जा रही है। गरीब, कमजोर, बेसहारा सैकड़ों बेटियों को न सिर्फ शिक्षित बनाने का काम किया, बल्कि उनके अंदर नर्सिंग, टाइपिंग जैसे कोर्स कराकर आत्मनिर्भरता का हुनर भी पैदा किया है। सेवा-संकल्प की राह पर वह जैसे-जैसे आगे जा रही हैं, अपने देश भारत से युगांडा तक उनकी ख्याति बढ़ती ही जा रही है।

देवांशी जब सिर्फ 9 माह की थीं, तब उनके पिता सीओ रामआसेर यादव ने उत्तराखंड के बाजपुर (उस समय यूपी) बाजपुर इलाके में आतंकियों से लड़ते हुए शहादत पाई थी। परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा था। पति की वीरगति के बाद देवांशी की मां संजू यादव ने पुलिस विभाग ज्वाइन किया था, जो इस समय एडीजी जोन बरेली कार्यालय में ओएसडी के पद पर तैनात हैं। उन्होंने बेटी देवांशी में बचपन से ही ऐसे संस्कारों भरे कि बड़ी होकर वह सेवा की राह चल पड़ी हैं। पढ़ाई पूरी करने के बाद देवांशी ने पिता की याद में संस्था बनाई और जरूरतमंद बेटियों की पढ़ाई का बीड़ा उठाया लिया।

देवांशी ने अपनी संस्था के जरिए लड़कियों को सिलाई-कढ़ाई सिखाना शुरू किया। उनको शिक्षित बनाने का काम भी करने लगीं। अभी तक वह 600 से ज्यादा बेटियों को टाईपिंग, कंप्यूटर कोर्स कराकर अपने पैरों पर खड़ी कर चुकी हैं। मौजूदा समय में 40 से अधिक बच्चे उनकी मदद से पढ़ाई कर रहे हैं। फीस, किताबें, डेस्क का खर्चा देवांशी उठाती हैं। उन्होंने शारीरिक शोषण और घरेलू हिंसा की शिकार 200 से अधिक महिलाओं की काउंसलिंग कर उनके परिवार बिखरने से भी बचाया है। इसमें कई तो ऐसी थीं जो हालात से परेशान होकर आत्मघाती कदम उठाने तक की सोच रही थीं। देवांशी ने अमृत विचार से बातचीत में कहा कि वह भी जब किसी को वेबस-बेसहारा बेटी को देखती हैं तो उसकी मदद में उनके हाथ खुद आगे बढ़ जाते हैं। मां के साथ दोस्त भी इसमें मदद करते हैं।

युगांडा के बच्चों के लिए भी कर रहीं काम

शहीद पुलिस अधिकारी की बेटी देवांशी युगांडा की एक संस्था के साथ मिलकर वहां के बच्चों के लिए भी काम रही है। युगांडा की रहने वाली सिरीन की पढ़ाई का खर्च वह कई साल से उठा रही हैं। सिरीन अब कक्षा पांच में है। और हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करती है। युगांडा में संचारी रोगों का साया रहता है। देवांशी इसे लेकर भी मदद करती हैं।

देवांशी ने गोद ली दो माह की बच्ची

देवांशी ने कुछ साल पहले एक धर्मस्थल के पास मिली बच्ची को गोद लिया। बच्ची अब सात बरस की हो चली है और स्कूल में पढ़ाई कर रही है। वह मासूम देवांशी के लिए जैसे दुनिया बन गई है। उन्हें वह मां बुलाती है। देवांशी की मां संजू यादव कहती हैं कि बेटी को जो संस्कार दिए, वो समाज के काम आ रहे हैं। दूसरों का दर्द उससे देखा नहीं जाता और तुरंत मदद में उतर जाती है। देवांशी उनका सौभाग्य है।

17 साल की कानूनी लड़ाई के बाद मिला न्याय

अशोगापुर सामूहिक हत्याकांड : केस की सुनवाई के दौरान कई गवाह मुकरे, कई गवाह दबाव में आए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: अशोगापुर सामूहिक हत्याकांड केवल एक जघन्य अपराध ही नहीं, बल्कि न्याय पाने की लंबी और कठिन लड़ाई की मिसाल भी बन गया। वर्ष 2008 में हुए इस हृदयविदारक कांड के बाद पीड़ित परिवार और गांव के लोगों ने न्याय के लिए वर्षों तक इंतजार किया।

घटना के बाद शुरुआती दौर में पुलिस जांच, साक्ष्य जुटाने और गवाहों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया चली। समय बीतने के साथ कई चुनौतियां भी सामने आईं-कुछ गवाहों का मुकरना, तो कुछ का दबाव में आना। इसके बावजूद अभियोजन पक्ष ने मामले को मजबूती से आगे बढ़ाया। करीब डेढ़ दशक तक चली सुनवाई के दौरान अदालत ने हर पहलू पर गहन विचार किया। अंततः साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया गया।

गला घोटकर हत्या के बाद फूंक दी थी झोपड़ी

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : अभियोजन पक्ष की ओर से एडीजीसी रमाशंकर सैनी ने अदालत में घटना की पूरी श्रृंखला प्रस्तुत की। उनके अनुसार, गांव निवासी ओमप्रकाश मौर्य की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी रेखा देवी का गांव के ही छन्नूलाल भुर्जी से मेलजोल बढ़ गया था। इस संबंध को लेकर परिवार में लगातार विवाद होता रहता था। रेखा देवी का बेटा धर्मेंद्र और अन्य परिजन इस रिश्ते का विरोध करते थे। इसको लेकर कई बार कहासुनी और विवाद भी हुआ। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया और शांति भंग की आशंका में चालान भी किया गया था, लेकिन विवाद खत्म नहीं हुआ।

घटना 16 नवंबर 2008 की है, जब छन्नूलाल के बेटे रोहित का जन्मदिन मनाया जा रहा था। कार्यक्रम खत्म होने के बाद रेखा देवी उसी झोपड़ी में रुक गईं। इसी बात से नाराज होकर आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया। अभियोजन के अनुसार, सत्यनारायण, रमेश, मंगूलाल और अन्य साथियों ने झोपड़ी पर धावा बोल दिया और छन्नूलाल की पत्नी रामदेवी उर्फ कांती, पुत्र रोहित, बेटियां रोहिणी और मोहिनी के साथ रेखा देवी की गला घोटकर हत्या कर दी।

हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के इरादे से झोपड़ी में आग लगा दी गई, ताकि घटना को हादसा दिखाया जा सके। आरोप है कि आरोपी लाठी-डंडों से लैस होकर झोपड़ी के बाहर खड़े रहे और अंदर मौजूद किसी भी व्यक्ति को बाहर निकलने नहीं दिया, जिससे सभी छह लोगों की मौत हो गई।

घटना के बाद छन्नूलाल के भाई अमेरिका प्रसाद ने नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह स्पष्ट हुआ कि सभी मृतकों की पहले गला घोटकर हत्या की गई थी, उसके बाद आग लगाई गई। इस मामले में अमेरिका प्रसाद सहित कई गवाह अदालत में पेश हुए, जिनमें डॉक्टर एचजी सिंह, इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह, एसआई खुशाल प्रसाद और अन्य शामिल थे।

सुनवाई के दौरान कई गवाह अपने बयानों से मुकर गए, लेकिन अदालत ने प्रारंभिक बयान, जिरह और वैज्ञानिक साक्ष्यों को आधार बनाकर सच्चाई तक पहुंच बनाई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट इस केस का अहम आधार बनी, जिसने यह साबित किया कि मौत आग से नहीं बल्कि गला घोटने से हुई थी।

अदालत ने दो आरोपियों को घटना के समय नाबालिग मानते हुए उनकी सुनवाई किशोर न्याय बोर्ड को सौंप दी है। वहीं मुख्य तीन आरोपियों को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई गई। इस फैसले के साथ ही 17 साल से लंबित इस सनसनीखेज मामले में न्याय की उम्मीद पूरी हुई। निर्णय ने पीड़ित परिवार को राहत दी।

गांव में अब भी जिंदा हैं उस रात की यादें : अशोगापुर गांव में आज भी लोग उस भयावह रात को नहीं भूल पाए हैं। एक ही परिवार के छह लोगों की मौत ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया था। घटना के बाद लंबे समय तक गांव में सन्नाटा पसरा रहा और लोग भय के साये में जीते रहे।

नमाज प्रकरण : मैदान में उतरा विश्व हिंदू परिषद

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : कैंट क्षेत्र के पालपुर गांव में नमाज का मामला फिर गरमाता दिखाई दे रहा है। मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया और एसएसपी दफ्तर पहुंचकर गांव में सामूहिक रूप से हो रही नमाज पर रोक लगवाने की मांग की।

अफसरों से मिलने पहुंचे विहिप जिलाध्यक्ष संजय सिंह भदौरिया ने शिकायत में कहा है कि पालपुर में मस्जिद नहीं बनी है। आरोप है कि दूसरे समुदाय के लोगों ने 2010 में अपने घर में सामूहिक नमाज पढ़ने की कोशिश की थी। मामला तूल पकड़ने पर 17 सितंबर 2010 को कैंट थाने में कई लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उसके बाद 2011 में फिर से नमाज पढ़कर माहौल गरमाने की कोशिश की गई तो फिर से केस दर्ज हुआ था। विहिप नेताओं का आरोप है कि 20 मार्च को अलविदा की नमाज गांव में झोपड़ी डालकर पढ़ने का प्रयास किया गया था। इसे लेकर पुलिस से शिकायत कर नमाज पर रोक लगाने की मांग गई की थी। पुलिस ने शिकायत पर गौर नहीं किया। उल्टा पुलिस ने शिकायत करने वालों को ही धमकाया था। शिकायत में कहा गया कि दूसरे समुदाय के लोगों ने गांव में जुलूस निकालकर माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। विहिप नेताओं ने कैंट पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन कर हुए सामूहिक नमाज पर रोक लगाने की मांग की है। शिकायत करने वालों में तनुज कुमार, रामाशंकर, अमन, अभिषेक, उज्जवल सिंह, हरीश कुमार समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

लालकुआं-कोलकाता साप्ताहिक ट्रेन का संचालन 2 से

बरेली, अमृत विचार : पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर मंडल की ओर से 05060/05059 लालकुआं-कोलकाता-लालकुआं वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष ट्रेन का संचालन लालकुआं से 2 अप्रैल से 25 जून तक किया जाएगा। यह ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को कोलकाता से 4 अप्रैल से 27 जून तक शनिवार को चलाई जाएगी।

शिविर में छात्रों ने ग्रामीणों को किया जागरूक

पलिया कलां, अमृत विचार : नगर के बलदेव वैदिक विद्यालय इंटर कॉलेज की एनएसएस टीम द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ क्षेत्र के ग्राम बुद्धा पुरवा में किया गया। शिविर के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि प्रधान पति त्रिमोहन लाल ने छात्रों को समाज सेवा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य डीएल भार्गव ने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर वरिष्ठ शिक्षक अमित शुक्ला, जितेंद्र कुमार मौर्य, सबर अहमद एवं कार्यक्रम अधिकारी अंकुर सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने विद्यार्थियों को स्वच्छता, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैली, वृक्षारोपण और जनसंपर्क जैसे कार्यों में भाग लिया। शिविर के पहले दिन ग्रामीणों को स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में जागरूक किया गया।

वाद-विवाद में यश प्रथम सिमरन को दूसरा स्थान

संवाददाता, गोला गोकर्णनाथ

अमृत विचार : केन ग्रोअर्स नेहरू पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर के समापन पर मंगलवार को आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभागी स्वयं सेवकों को पुरस्कृत किया गया।

नगर के लखीमपुर रोड स्थित महाविद्यालय के नेहरू सभागार में विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट 2026 में आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि अध्यक्ष लोक अधिकार मंच, पूर्व सदस्य कार्यकारिणी परिषद लखनऊ अनिल कुमार सिंह ने मां सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन कर किया। कॉलेज की छात्राओं वन्दना, मानसी व साक्षी ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य प्रो. पंकज सिंह ने अतिथियों को पुष्पगुच्छ, शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। युवा कार्यक्रम विभाग क्षेत्रीय निदेशालय लखनऊ राजेश तिवारी ने युवा संसद डिबेट के नियम प्रतिभागियों को बताए।

आपातकाल के 50 वर्ष भारतीय लोकतंत्र के लिए सबक विषय पर हुई डिबेट में यश चौहान प्रथम, सिमरन कनौजिया द्वितीय, शिखरपुरी तृतीय, सविता गोस्वामी चतुर्थ एवं शिव शंकर ने पांचवा स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय में 18 मार्च से शुरू हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर के सातवें समापन पर मंगलवार को स्वयंसेवक, स्वयंसेविकाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए श्रम, योगदान को राष्ट्र के लिए सदैव बनाये रखने के का संकल्प लिया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आदर्श पटेल, डॉ. अमित कुमार यादव ने डिबेट प्रतियोगिता में विजेता स्वयंसेवकों को पुरस्कृत किया। संचालन डॉ. रीमा छाबड़ा, धन्यवाद ज्ञापन डॉ. गौरव अवस्थी ने किया। महाविद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक डॉ. नवनीत कुमार, डॉ. विष्णु कुमार शुक्ल, डॉ. विवेक कुमार सिंह, डॉ प्रशान्त सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. राघवेन्द्र सिंह, डॉ. मंजू शूक्ला, डॉ. विश्वनाथ, डॉ. राजीव कुमार शर्मा, डॉ. अरुण कुमार सिंह, डॉ. विकास चौरसिया, डॉ देवानन्द, नीलम शर्मा आदि शिक्षक मौजूद रहे।

कार्यालय ग्रा.प. जैरण्डा विकास खंड इस्लामनगर बदायूं

पत्रांक -मिमो/निविदा विज्ञाप्ति/2025-26 **अल्पकालीन निविदा** 24.03.2026

समस्त सामग्री आपूर्ति यथा (सीमेंट, रेता, बजरी, बदरफुट ईट, इन्टरलाक, सरिया, एंगिल, टीन, पेन्ट, रोडा) आदि को सूचित किया जाता है कि मनरेगा, अन्त्येष्टि स्थल का विकास, राज्य वित्त, खाद एवं रसद विभाग योजना, केन्द्र वित्त योजना (2025-26) के अंतर्गत प्राप्त धनराशि से ग्राम पंचायत जरैण्डा विकास खण्ड इस्लामनगर बदायूं में निम्न कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती है। अतः समस्त संबंधित आपूर्तिकर्ताओं को सूचित किया जाता है कि निविदा की तारीख से सामग्री की दरे बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 27.03.2026को शाम 3:00 बजे तक जमा करना सुनिश्चित करें व इसी दिवस को 4:00 बजे प्रधान व सचिव के सामने खोली जाएंगी कार्य का विवरण निम्न प्रकार है

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. धनराशि
1.	ग्राम पंचायत जरैण्डा में अन्त्येष्टि स्थल निर्माण निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार
2.	ग्राम पंचायत जरैण्डा मैं आगनबाडी केन्द्र निर्माण कार्य	प्रा. के अनुसार

सचिव प्रधान

कार्यालय ग्राम पंचायत अटंगा योगी विकास खंड नवाबगंज (बरेली)

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम पंचायत अटंगा योगी में मनरेगा योजना से निम्न निर्माण कार्य हेतु कार्य स्थल पर सामग्री आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका सामग्री विवरण निम्नवत है -इंटरलॉकिंग ईट, प्रथम श्रेणी ईट, बजरी, बजरफुट, सीमेंट, रेत, रोड़ी व अन्य सामग्री जो प्राक्कलन में लिखित है।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	योजना
1.	रोड से विद्यालय तक इंटरलॉकिंग कार्य	560000	मनरेगा

उक्त कार्य हेतु सीलबंद निविदाएं दिनांक 25.03.2026 से दिनांक 28.03.2026 दोपहर 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 28.03.2026 दोपहर 03:00 बजे निविदादाताओं या उनके प्रतिनिधि के समक्ष खोली जाएगी। कार्य हेतु सामग्री आपूर्ति आदि की सूचना ग्राम पंचायत कार्यालय पर उपलब्ध है जो किसी भी कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। किसी भी विवाद की स्थिति में ग्राम पंचायत का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रधान - श्री डालचंद्र गंगवार सचिव - श्री पुष्पेंद्र शाक्य

ग्राम पंचायत पुरैनिया विकास खंड भदपुरा जिला बरेली

अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वीकृत मनरेगा कार्य योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पुरैनिया को आवंटित उपलब्ध धनराशि से कराये जाने हेतु निम्नांकित विवरणानुसार कार्यो के शासकीय विभाग से पंजीकृत उच्च कोटि की सामग्री आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो से उच्च कोटि की ईट, बजरी, सरिया, सीमेन्ट, रोडा, टीन, बजरफुट व अन्य आवश्यक सामग्रियां निर्माण कार्य से प्रस्तुत होती है के लिये निविदायें आमंत्रित की जाती है। सीलबंद निविदायें ग्राम पंचायत कार्यालय पर दिनांक 25.03.2026 को पूर्वान्ह 10:00 बजे से दिनांक 27.03.2026 को अपरान्ह 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है जो उसी दिनांक समय 4:00 बजे उपस्थित आपूर्तिकर्ताओं के सामने खोली जायेगी। कोई निविदा प्राप्त न होने पर कुटेशन प्राप्त कार्य कराने का अधिकार ग्राम पंचायत का होगा। निविदा को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार ग्राम पंचायत को निहित होगा। मनरेगा के कार्यो का विवरण:

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	शमशान भूमि में शवदाह ग्रह निर्माण कार्य	148778/-

ग्राम प्रधान-सेवाराम सचिव-पुष्पेन्द्र कुमार

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बदायूं

पत्रांक: एस.एस.ए./एम.आई.एस./14198-211/2025-26 दिनांक: 24.03.2026

विज्ञप्ति

एतद्द्वारा अवगत कराना है कि जनपद बदायूं में बेसिक शिक्षा विभाग/माध्यमिक शिक्षा विभाग/अल्पसंख्यक कल्याण विभाग/समाज कल्याण विभाग से संचालित मान्यता प्राप्त/सहायता प्राप्त समस्त प्रबन्धन के विद्यालयों को सूचित किया जाता है कि अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा, उ.प्र. शासन के पत्रांक महा.नि./एम.आई.एस./9027/2025-26 दिनांक 21 फरवरी 2025 के द्वारा विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की शैक्षिक प्रगति और उपलब्धि को ट्रैक किये जाने हेतु Automated Permanent Academic Registry (APAAR ID) को बनाये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया था। अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के पत्र सं. एस.एस.ए./एम.आई.एस./12270-82/2025-26 दिनांक 25.02.2026 के द्वारा राज्य परियोजना कार्यालय, लखनऊ के विभिन्न पत्रों के अनुपालन में अद्योहस्ताक्षरी कार्यालय के पत्रों के माध्यम से आपको अपार आई.डी. सृजन हेतु पूर्व में भी विस्तृत दिशा-निर्देश प्रदान किये जा चुके हैं। अतः आपके उपरोक्त के सम्बन्ध में पुनः निर्देशित किया जाता है कि विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की अपार आई.डी. सृजन का कार्य यू-डायस पोर्टल पर दिनांक 31.03.2026 तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें।

वीरेन्द्र कुमार सिंह
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी
बदायूं

सत्यमेव जयते — MINISTRY OF ELECTRONICS & INFORMATION TECHNOLOGY, Government of India | Skill India कौशल भारत-कुशल भारत | Digital India Power To Empower | रा.इ.सू.प्रौ.सं NIELIT

अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, पीलीभीत, (उ.प्र.)
Atal Bihari Vajpayee National Institute of Electronics and Information Technology, Pilibhit, (U.P.)
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Electronics & Information Technology, Government of India

प्रवेश सूचना

चिप डिज़ाइन एसोसिएट (O-Level)

अवधि : 3 महीने / 450 घंटे / प्रतिदिन 4 घंटे
प्रशिक्षण का माध्यम : ब्लेंडेड (ऑनलाइन + ऑफलाइन)
पात्रता :
- B.Tech/M.Tech (पढ रहे हों या पूर्ण किया हो)
- B.Sc./M.Sc. (Electronics / CS / IT या संबंधित क्षेत्र)
- Polytechnic Diploma (Electronics / CS / IT)
- ITI (संबंधित तकनीकी ट्रेड्स)
- 12th (PCM) - स्क्रीनिंग टेस्ट उत्तीर्ण करने पर पात्र

कोर्स शुल्क: Rs. 20,000/- प्रारंभ: अप्रैल, 2026

पंजीकरण और परीक्षा शुल्क अतिरिक्त रूप से देय होंगे।

SC/ST उम्मीदवारों के लिए निःशुल्क

कोर्स की मुख्य विशेषताएँ:
- विशेषज्ञ-नेतृत्व VLSI प्रशिक्षण तथा गाइडेड लैब्स
- OpenSTA, GTKWave, NGSpice, Magic VLSI एवं Yosys जैसे टूल्स पर हैंड्स-ऑन प्रैक्टिस
- 450 घंटे का इंडस्ट्री पाठ्यक्रम जिसमें RTL, Verilog एवं STA शामिल
- एंट्री - लेवल VLSI के लिए आवश्यक कौशल विकसित करना

अधिक जानकारी एवं आवेदन के लिए स्कैन करें

अटल बिहारी वाजपेई नाइलिट विस्तार केंद्र पीलीभीत में उपलब्ध सुविधाएँ:
- NSQF, NEP और उद्योग आधारित पाठ्यक्रम
- प्लेसमेंट और उद्यमशीलता सहायता आधुनिक प्रयोगशालाएँ, स्मार्ट कक्षाएं
- इंटरनेट सुविधा
- समृद्ध पुस्तकालय सुविधा
- इंटर्नशिप सुविधाएँ

अटल बिहारी वाजपेई राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, ड्रमंड गवर्नमेंट इंटर कॉलेज परिसर, गौहनिया चौराहा के पास, पीलीभीत, उत्तर प्रदेश - 262001
संपर्क करें - 6203739575 / 9818206760

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना : ओटी-21-2025

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा सं. : ओटी-21-2025, **कार्य का विवरण :** पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल अन्तर्गत गोण्डा बुढ़वल तीसरी लाईन परियोजना के अन्तर्गत नव निर्मित प्लेटफार्म भवनों, पीएफ शेल्टर, एफओबी, 11 केवी लाइन शिफ्टिंग कार्य एवं गोण्डा यार्ड जंक्शन में विद्युतीकरण कार्य एवं एफबीडब्लूपी प्लांट में विद्युतीय स्थापनाओं एवं विद्युतीय उन्नयन कार्य, **अनुमानित लागत :** रु. 6,78,62,882.85, **बयाना राशि :** रु. 13,57,300.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. निल, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 माह, **निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय :** 15.04.2026 को 15.00 बजे।

नोट : • इस निविदा के विरुद्ध कोई मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाईट www.ireps.gov.in को देखें। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत-315 पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. एल/कार./इज्जत/ओ.टी./2025-26/08 दिनांक 23.03.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कारखाना/पूर्वोत्तर रेलवे/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती है:- **क्र. सं. 01. कार्य का नाम:** इज्जतनगर स्थित मैकेनिकल वर्कशॉप में वैगन पी. ओ.एच इंफ्रास्ट्रक्चर को 60 से बढ़ाकर 120 वैगन करने से संबंधित विद्युत कार्य। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 2,37,76,062.17 **धरोहर राशि रु. में :** 2,68,900.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 22.04.2026 **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 06 माह। **क्र. सं. 02. कार्य का नामः** इज्जतनगर स्थित मैकेनिकल वर्कशॉप के रोलर बेयरिंग सेक्शन के लिए 10 टन क्षमता वाले 2 केंद्रीकृत एयर कंडीशनिंग सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और चालू करना। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 11,55,000.00 **धरोहर राशि रु. में :** 23,000.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 22.04.2026 **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 03 माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट, http://www.ireps.gov.in. पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● केवल पंजीकृत निविदादाता ही ई टेण्डरिंग में भाग ले सकते हैं। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/(का)
मुजाधि/विद्युत-316 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

न्यूज ब्रीफ

एसआई परीक्षा में आंसर-की पर मांगी आपत्तियां

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड ने उप निरीक्षक (एसआई) के लिए हुई लिखित परीक्षा की आंसर-की जारी कर दी है। साथ ही प्रश्नों पर आपत्तियां भी मांगी हैं। परीक्षा नियंत्रक के मुताबिक अभ्यर्थी यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की अधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in से आंसर-की डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने उत्तरों का मिलान करके संभावित स्कोर का अनुमान भी लगा सकते हैं। यह आंसर-की प्रोविजनल रूप में जारी की गई है। गौरतलब है कि पुलिस भर्ती बोर्ड द्वार बीते 14 और 15 मार्च को प्रदेश भर के 75 जिलों में 1090 केन्द्रों पर एसआई पद क लिए लिखित परीक्षा कराई गई थी। एसआई के 4,543 पदों के लिए आयोजित परीक्षा में 10 .77 लाख अभ्यर्थियों परीक्षा दी थी, जबकि एक तिहाई ने परीक्षा छोड़ दी थी। दोनों दिनों की परीक्षा में नकल कराने के नाम पर गुमराह करने आठ आरोपियों की गिरफ्तार किया गया था, जबकि दर्जन भर से अधिक मुकदमे कायम किए गए थे।

मिशन शक्ति में 29,193 बालिकाओं से संवाद

अमृत विचार, लखनऊ : 'मिशन शक्ति' के तहत प्रदेशभर में व्यापक अभियान चलाकर 29,193 बालिकाओं से संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान उन्हें आत्मरक्षा, जीवन कौशल और करियर मार्गदर्शन दिया गया, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार बालिकाओं को सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अभियान के तहत 6,587 विद्यालयों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण सत्र आयोजित हुए, जबकि 6,256 स्कूलों में 'सेल्फ डिफेंस क्लब' बनाए गए। अधिकारियों के अनुसार, इन प्रयासों से बालिकाओं में आत्मबल, जागरूकता और निर्णय क्षमता का विकास हो रहा है।

शिक्षा जागरुकता को लगाया शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन में मंगलवार को महात्मा गांधी विक्रमादित्य वार्ड के चित्ता का पुरवा, नई बस्ती में शिविर लगाया गया। इस दौरान शिक्षा के प्रति जागरुक करते हुए जन भवन स्थित आदर्श माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को अधिक से अधिक दाखिला कराने के लिए अभिभावकों से कहा गया। इस दौरान जन भवन की अधिकारी निधि पांडे ने स्कूल में उपलब्ध उन्नत सुविधाओं, अनुशासित वातावरण एवं उच्च शिक्षण गुणवत्ता के बारे में बताया। कहा कि राज्यपाल के संरक्षण, आशीर्वाद एवं प्रेरणा से संचालित यह स्कूल निजी विद्यालयों से भी बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

यू-राइज पोर्टल से ही संबद्धता विस्तार आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : प्राविधिक शिक्षा परिषद ने सत्र 2026-27 के लिए निजी तकनीकी संस्थानों की संबद्धता विस्तार प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए यू-राइज पोर्टल 23 मार्च से खोल दिया गया है और सभी संस्थानों को समयबद्ध आवेदन करने के निर्देश दिए गए हैं। परिषद के सचिव डॉ. संतोष कुमार सिंह ने स्पष्ट किया है कि संबद्धता विस्तार के लिए केवल यू-राइज पोर्टल के माध्यम से ही आवेदन मान्य होंगे। ऑफलाइन या अन्य किसी माध्यम से किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। संस्थानों को निर्देशित किया गया है कि वे पोर्टल पर लॉगिन कर अपने शैक्षणिक स्टाफ का पूरा विवरण अपडेट करें और निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवेदन करें। यह संबद्धता विस्तार एआईसीटीई, फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया और काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर से प्राप्त अनुमोदन के आधार पर दिया जाएगा।

सीएसआर कॉन्क्लेव से जुड़ेंगी बड़ी कंपनियां

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए योगी सरकार अब कॉरपोरेट सेक्टर की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कदम उठा रही है। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने निर्देश दिए हैं कि विभाग की योजनाओं से बड़ी कंपनियों को जोड़ने के लिए सीएसआर कॉन्क्लेव आयोजित किया जाए, ताकि विद्यालयों के विकास में कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) का सहयोग लिया जा सके। विधानसभा कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य हर बालक-बालिका तक समावेशी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना है। उन्होंने बालिका शिक्षा को विशेष प्राथमिकता देते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जा रहे हैं।

लखनऊ विवि के प्राणी विज्ञान विभाग में हुआ शोध, शोधछात्रा डॉ. प्रियंका अग्रवाल को उनके शोध पर मिला पेटेंट

फेफड़ों के कैंसर की दुश्मन है अनार के दानों की झिल्ली

मार्कण्डेय पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार: दाड़िम मधुरं स्निग्धं दीपनीयं रुचिप्रदम् आयुर्वेद में दाड़िम अनार को कहा गया है, जो मीठा और स्निग्ध हल्का होता है। जो वात, पित्त और कफ दोषों को संतुलित करता है। लेकिन लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग में हुए शोध में अनार से फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारी की रोकथाम में बेहद चौकाने वाले परिणाम सामने आए हैं। ज्यादातर अंतिम स्टेज में पता चलने वाली लंग्स कैंसर की बीमारी में प्रयोग की जाने वाली दवा 'डाक्सोरूबिसिन' की कार्यक्षमता को अनार कई गुना बढ़ा देता है। डॉ. प्रियंका अग्रवाल को उनके शोध पर पेटेंट हासिल हुआ है।

विश्वविद्यालय के प्राणी विज्ञान विभाग के शोध में पाया गया है कि अनार के दानों की पीले रंग की झिल्ली फेफड़े के कैंसर (लंग्स कैंसर) की कोशिकाओं को बढ़ने से रोकने में सक्षम है। शोध के लिए पुणे के नेशनल सेंटर फॉर सेल साइंसेज से फेफड़े के कैंसर की ए-549 कोशिकाएं मंगवाई गईं। अनार की झिल्ली को सुखाकर 100 प्रतिशत इथेनॉल में इसका अर्क (एब्सट्रैक्ट) तैयार किया गया। जिससे इथेनॉल में घुलने वाले सारे तत्त्व इसमें आ जाएं। शोध के दौरान

शोधकार्य करती डॉ. प्रियंका अग्रवाल।

शोध के दौरान इकट्ठा किया गया एब्सट्रैक्ट। ● अमृत विचार

जांच में सामने आया कि इस अर्क में '5-हाइड्रोक्सीमैथिलफर्फुरल' नामक तत्व की मात्रा सबसे अधिक (65 प्रतिशत) है, जो कैंसर कोशिकाओं के विरुद्ध बेहद प्रभावी है।

इस तरह हुआ मिश्रण तैयार: दो तरह के मिश्रण तैयार किए गए, जिसमें पहले मिश्रण में 35 माइक्रोग्राम अर्क के साथ 1.2 माइक्रोग्राम दवा दी गई तो 65 प्रतिशत कैंसर कोशिका नष्ट हो गई। जबकि दूसरे मिश्रण में 44 माइक्रोग्राम अर्क के साथ 1.5 माइक्रोग्राम दवा देने पर 77 प्रतिशत कैंसर कोशिका खत्म हो गई।

उपचार में कोई साइड इफैक्ट नहीं : इस शोध की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह घातक मिश्रण केवल कैंसर की कोशिकाओं पर प्रहार करता है और शरीर की सामान्य कोशिकाओं को कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। आमतौर पर कीमोथेरेपी के दौरान स्वस्थ कोशिकाएं भी नष्ट हो जाती हैं, लेकिन अनार की झिल्ली का यह प्राकृतिक गुण इस जोखिम को कम कर सकता है।

निष्कर्ष : मुख्य तत्व 5-हाइड्रोक्सी मैथिलफर्फुरल (65 प्रतिशत) दवा के साथ मिलकर 77 प्रतिशत तक कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने की क्षमता रखता है जो पूरी तरह सुरक्षित बिना किसी दुष्प्रभाव के युक्त है।

अनार की झिल्ली के अर्क का कमाल

कैंसर प्रभावित कोशिकाओं पर जब 35 माइक्रोग्राम प्रति एमएल की डोज दी गई, तो इसने लगभग 41 प्रतिशत कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर दिया। इसके अलावा जब इस अर्क (एब्स्ट्रैक्ट) को कैंसर की दवा 'डाक्सोरूबिसिन' के साथ मिलाया गया, तो इसकी मारक क्षमता कई गुना बढ़ गई।

जर्मन तकनीक से लैस होंगी यूपी की गोशालाएं

गो सेवा आयोग और जीआईजेड के बीच हुआ एमओयू, आत्मनिर्भर मॉडल पर दिया जाएगा जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में गोशालाओं को आधुनिक और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब प्रदेश की चयनित गोशालाओं को जर्मन तकनीक से लैस किया जाएगा। इसके लिए उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग और जर्मनी की प्रतिष्ठित संस्था जीआईजेड के बीच मंगलवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण के माध्यम से प्रबंधन, संसाधनों के बेहतर उपयोग और आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर काम किया जाएगा। इसके लिए गोशालाओं का चयन गो सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा। इस पहल से प्रदेश की गोशालाएं अधिक सक्षम और आत्मनिर्भर बनेंगी। साथ ही, गो सेवा से जुड़े लोगों को नई तकनीकों की जानकारी मिलने से उनकी कार्यक्षमता भी बढ़ेगी। योगी सरकार की मंशा है कि गोशालाओं को आश्रय स्थल तक सीमित न रखकर उत्पादक इकाई के रूप में विकसित किया जाए।

एमओयू का आदान-प्रदान करते गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता व जर्मनी के प्रतिनिधि।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा बल

- सरकार की मंशा गोशालाओं को केवल आश्रय स्थल तक सीमित रखने की नहीं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर इकाई के रूप में विकसित करने की है। इसके तहत गोबर, गोमूत्र और अन्य गो-आधारित उत्पादों के वैज्ञानिक और व्यावसायिक उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल से न केवल गो सेवा मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण संरक्षण को भी नई दिशा मिलेगी।

राज्य गो सेवा आयोग और अधिकारी करेंगे गोशालाओं का निरीक्षण

- अमृत विचार, लखनऊ : शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद द्वारा गाय के संरक्षण को लेकर धर्म युद्ध छेड़ने का ऐलान किया तो राज्य सरकार हरकत में आ गई है। राज्य गो सेवा आयोग और अधिकारी गोशालाओं का निरीक्षण कर गायों के बेहतर रख-रखाव के उपाय करेंगे। वहीं पुलिस से भी कहा गया है कि वह गो तस्करों के खिलाफ रासुका और गैंगस्टर जैसी सख्त कार्रवाई करे, जिससे गोवंश की सुरक्षा हो सके। शंकराचार्य ने बीते दिनों लखनऊ प्रवास के दौरान कहा था कि यूपी में गायों की हालत खासी खराब है। उनका सही संरक्षण नहीं हो पा रहा है। वह गायों की सुरक्षा के लिए धर्मयुद्ध छेड़ेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य गो सेवा आयोग ने गोशालाओं का निरीक्षण करने का प्लान तैयार किया है। आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त ने बताया कि गोशालाओं में गोवंश के संरक्षण, भरण-पोषण, हरा चारा, भूसा, चोकर, स्वच्छ पेयजल एवं आवश्यक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यापक निरीक्षण अभियान चलाया जाएगा। ये अभियान दो चरणों में होगा। प्रदेश भर के मंडल में आयोग के पदाधिकारी स्वयं स्थलीय निरीक्षण करेंगे। साथ ही जिला स्तरीय अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठकों में भाग लेंगे। प्रत्येक निरीक्षण के बाद रिपोर्ट शासन को को भेजी जाएगी। उन्होंने बताया कि पहले चरण में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों द्वारा झांसी, आगरा, चित्रकूटधाम, देवीपाटन, गोरखपुर, लखनऊ, आजमगढ़, विन्ध्यांचल एवं अयोध्या मंडलों में निरीक्षण किया जाएगा। दूसरे चरण में अन्य मंडलों को लिया जाएगा। इसके अलावा पशुपालन और प्रशासन के अधिकारी भी समय-समय पर गोशालाओं का निरीक्षण कर रिपोर्ट शासन को भेजेंगे।

सरकारी योजनाओं से सोमा अनीता की बदली तकदीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गुड़ उद्योग से सोमा की 90 हजार मासिक कमाई, कई राज्यों में सप्लाई
- स्वयं सहायता समूह से अनीता बनीं 'लखपति दीदी', 4400 को मिला सहारा

अमृत विचार: योगी सरकार की योजनाएं अब जमीन पर असर दिखा रही हैं। आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को साकार करते हुए गांवों की महिलाएं रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाली बन रही हैं। लखीमपुर-खीरी की सोमा गुप्ता और अमरोहा की अनीता देवी इसकी जीवंत उदाहरण हैं।

लखीमपुर-खीरी के सिंगहाखुर्द गांव की सोमा गुप्ता ने 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' के तहत वर्ष 2022 में 25 लाख रुपये का ऋण लेकर गुड़ कोल्हू उद्योग शुरू किया। आज उनका उद्यम सफलता की नई मिसाल बन चुका है। सीजन में प्रतिदिन करीब 18 क्विंटल गुड़ उत्पादन के साथ उनका उत्पाद यूपी के अलावा बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल तक पहुंच रहा है। अपनी 6 एकड़ गन्ने की खेती के साथ अन्य किसानों से खरीद कर उत्पादन बढ़ाने वाली सोमा हर महीने 80 से 90 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं और क्षेत्र के कई लोगों को रोजगार भी दे रही हैं।

वहीं, अमरोहा जिले के सलेमपुर गोसाईं गांव की अनीता देवी ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी जिंदगी बदल दी। कभी मजदूरी कर परिवार चलाने वाली अनीता आज "लखपति दीदी" के रूप में जानी जाती हैं। उन्होंने सिलाई कार्य से शुरुआत कर इसे व्यवसाय का रूप दिया और बाद में 'शक्ति ट्रेडर्स' के नाम से किराना दुकान भी शुरू की।

सरकारी सहयोग से उन्हें विभिन्न चरणों में आर्थिक सहायता मिली, जिससे उनका व्यवसाय मजबूत हुआ। आज उनकी मासिक आय 40 से 45 हजार रुपये तक पहुंच गई है। इतना ही नहीं, उनके नेतृत्व में 27 समूह सक्रिय हैं, जिनसे जुड़ी करीब 4400 महिलाएं भी आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

दोनों कहानियां इस बात का प्रमाण हैं कि सही नीति, आर्थिक सहयोग और प्रशिक्षण मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी उद्यमिता में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकती हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं में यूपी बना देश में अग्रणी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 5.76 करोड़ इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड, डिजिटल हेल्थ में शीर्ष पर
- आयुष्मान योजना, मातृ-शिशु योजनाओं से करोड़ों को मिला लाभ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देश में अग्रणी स्थान हासिल किया है। बीते नौ वर्षों में प्रदेश ने स्वास्थ्य ढांचे के साथ डिजिटल हेल्थ, आपात सेवाओं और मातृ-शिशु देखभाल में बड़े बदलाव किए हैं।

प्रदेश में अब तक 5.76 करोड़ से अधिक इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड तैयार किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। माइक्रोसाइट प्रोजेक्ट के तहत 35 केंद्र संचालित हो रहे हैं, जहां 4.4 लाख से अधिक रिकॉर्ड पंजीकृत किए गए हैं। यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल के जरिए रोगों की निगरानी और नियंत्रण को भी मजबूत किया गया है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी सुधार देखने को मिला है। गर्भवती महिलाओं को निःशुल्क अल्ट्रासाउंड की सुविधा दी जा रही है, जबकि जननी सुरक्षा योजना से 13.5 लाख से अधिक लाभार्थी लाभान्वित हुए हैं। बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 8.79 लाख बच्चों का उपचार किया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 9 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदेश में 6,213 अस्पतालों का नेटवर्क इस योजना से जुड़ा है, जो देश में सबसे बड़ा है। अब तक 13,353 करोड़ रुपये खर्च कर 81.55 लाख मरीजों का इलाज किया जा चुका है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में मोबाइल मेडिकल यूनिट्स और एम्बुलेंस सेवाओं ने भी अहम भूमिका निभाई है। 108 एम्बुलेंस सेवा से 4 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ मिला है, जबकि मोबाइल मेडिकल यूनिट्स के जरिए 1.80 करोड़ मरीजों का उपचार किया गया है।

एमएसएमई और युवा गैप कम करने की पहल

अमृत विचार: प्रदेश में युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने और एमएसएमई सेक्टर की जरूरतों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देने के लिए नई पहल शुरू हुई है। उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) और इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए) के बीच हुई बैठक में उद्योग आधारित प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित करने पर सहमति बनी। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने निर्देश दिए कि औद्योगिक संगठनों को प्रशिक्षण भागीदार के रूप में जोड़ा जाए, जिससे युवाओं को बाजार की मांग के अनुसार कौशल मिल सके और प्रशिक्षण के बाद बेहतर प्लेसमेंट सुनिश्चित हो। बैठक में डिजिटल सशक्तिकरण पर भी जोर दिया गया। एपीआई आधारित डेटा एकीकरण के जरिए प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़ी सूचनाओं को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। इसके अलावा क्यूआर कोड आधारित प्रणाली से एमएसएमई, नियोक्ता और नौकरी चाहने वालों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

औद्योगिक इकाइयों को 2000 करोड़ प्रोत्साहन: नंदी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्री ने जताई बजट उपयोग 87% तक पहुंचने की उम्मीद
- वित्तीय वर्ष खत्म होने से पहले 6000 करोड़ की और स्वीकृति संभव

अमृत विचार: प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने के लिए सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में बड़ा निवेश किया है। औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने विभागीय बजट की समीक्षा करते हुए बताया कि औद्योगिक इकाइयों को करीब 2000 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग को 28,864.98 करोड़ रुपये का बजट आवंटित हुआ था, जिसमें से अब तक 19,218 करोड़ रुपये (66.58%) खर्च की स्वीकृति जारी हो चुकी है। वित्तीय वर्ष समाप्ति से पहले करीब 6000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त स्वीकृति मिलने की संभावना है, जिससे कुल बजट उपयोग 87 प्रतिशत से अधिक पहुंच जाएगा। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर औद्योगिक नीति, एक्सप्रेसवे नेटवर्क और एयरपोर्ट कनेक्टिविटी के चलते उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बन रहा है।

प्रमुख सचिव आलोक कुमार के अनुसार, इस वर्ष यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में भूमि खरीद पर 2900 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि एक्सप्रेसवे और औद्योगिक कॉरिडोर विकास पर भी महत्वपूर्ण निवेश हुआ है।

कहां हुआ बड़ा खर्च

- 2000 करोड़ : औद्योगिक इकाइयों को प्रोत्साहन
- 2900 करोड़ : भूमि खरीद (यमुना प्राधिकरण)
- 550 करोड़ : जेवर व फर्रुखाबाद लिंक एक्सप्रेसवे
- 250 करोड़ : औद्योगिक कॉरिडोर विकास
- 250 करोड़ : डिफेंस कॉरिडोर भूमि

मंत्री राकेश सचान को सोलर लाइट-प्रोजेक्शन फ्रेम दिखाता छात्र।

छात्र का 'सोलर लाइट-प्रोजेक्शन फ्रेम' बना स्टार्टअप की राह

- **अमृत विचार, लखनऊ :** एमएसएमई मंत्री राकेश सचान के मार्गदर्शन में एक युवा नवाचार ने नई दिशा पाई है। जीएल बजाज संस्थान के बीटेक छात्र देव मंथन द्वारा विकसित सोलर आधारित रिचार्जेबल लाइट-प्रोजेक्शन फोटो फ्रेम अब तकनीक, रचनात्मकता और स्वच्छ ऊर्जा का अनूठा उदाहरण बनकर उभर रहा है।यह फ्रेम सामान्य स्थिति में साधारण दिखाई देता है, लेकिन प्रकाश पड़ते ही इसमें छिपा चित्र या संदेश उभरकर सामने आता है। हिडेन इन प्लेन साइट अवधारणा पर आधारित यह प्रोजेक्ट शुरुआत में बिजली आधारित बैकलाइट पर निर्भर था, जिससे इसकी उपयोगिता सीमित थी। मंत्री राकेश सचान ने इस प्रोटोटाइप का अवलोकन कर इसे सोलर ऊर्जा से जोड़ने का सुझाव दिया, जिसने इस प्रोजेक्ट को नया आयाम दिया। इसके बाद देव मंथन ने अपने मेंटर विश्वास गुप्ता के साथ मिलकर 15-20 दिनों के प्रयास में इसे सोलर पैनल से संचालित, पूरी तरह वायरलेस उत्पाद में बदल दिया। अब यह फ्रेम कहीं भी आसानी से लगाया जा सकता है और बिजली की बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देता है।

राजनीति | लोकसभा में सबसे अधिक खराब प्रदर्शन रहा वर्ष 2014 और 2024 में

चार राज्यों के चुनाव में भाग लेने पर बसपा कर रही मंथन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपी विधान सभा चुनावों में भी 30 से फिसलकर आ पहुंची 12 फीसदी वोटों पर

अमृत विचार : यूपी में चार बार सत्ता संभालने वाली और कभी लोकसभा में सत्ताधारी दलों से अपनी बात मनवाने की ताकत रखने वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अपने सबसे खराब वक्त से जूझ रही है। हालात यह हैं कि बसपा का 403 सदस्यों वाली यूपी विधान सभा महज एक विधायक है, वहीं लोकसभा में एक भी सदस्य नहीं हैं। अब सियासी वजूद बचाने के लिए बसपा वेस्ट बंगाल, तमिलनाडु असम और केरल राज्यों के चुनावों में उतरने पर गंभीरता से मंथन कर रही है।

अनुसूचित जाति के दिग्गज नेता माने जाने वाले कांशीराम ने वर्ष 1984 में बसपा की स्थापना की थी। कठिन संघर्ष के बल पर स्थापना के महज पांच साल के बाद वर्ष 1989 में यूपी विधान सभा के चुनाव हुए। पहली बार में ही 19 सीटें जीतकर बसपा ने 9.41 फीसदी मत प्राप्त कर सभी को चौंका दिया था। उसके बाद बसपा ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। बसपा ने यूपी को मुख्य फोकस पर रखा तो 1991 में 12 सीटें पाकर 9.44 फीसदी मत, 1993 में 67 सीटें लाकर 11.12 फीसदी, 1996 में फिर 67 सीटें और फिर 2002 में संख्या बढ़कर 98 सीटें हो गई। साथ ही मत प्रतिशत भी बढ़कर 23.06 फीसदी पर जा पहुंचा।

इससे बसपा का हौसला बढ़ा और 2007 में 30.43 फीसदी वोट प्राप्त कर 206 सीटें लाकर यूपी में अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली थी। लेकिन उसके बाद पांच साल बाद हुए 2012 में बसपा का ग्राफ एकाएक गिर गया। 80 सीटें प्राप्त कर पार्टी को 25.91 फीसदी वोटों पर ही संतोष करना पड़ा। उसके बाद ग्राफ इस कदर गिरा कि 2017 में 19 सीटें प्राप्त कीं और 22.23 फीसदी वोट प्राप्त किए, वहीं 2022 में 12.80 फीसदी वोट प्राप्त कर महज एक सीट पर आकर सिमट गई। बसपा के यूपी जैसे हालात अन्य राज्यों में भी रहे। 2022 में पंजाब में एक, 2025 के बिहार चुनाव में एक, राजस्थान के 2023 के चुनाव में दो और उत्तराखंड में हुए 2022 के चुनाव में दो सदस्य ही जीत पाए।

लोकसभा में पार्टी का एक भी सदस्य नहीं

- बसपा का मौजूदा समय में लोकसभा का एक भी सदस्य नहीं हैं। यही हाल वर्ष 2014 के चुनाव में रहा था। उस समय भी पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई थी। जबकि 2019 में 10, 2009 में 21, 2004 में 19, 1999 में 14, 1998 में पांच, 1996 में 11, 1991 तीन और 1989 में चार सीटें जीती थीं। राज्यसभा में बसपा के एक सदस्य रामजी गौतम हैं। उनका कार्यकाल नवंबर 2026 तक है। इसके बाद राज्यसभा में भी बसपा का एक भी सदस्य नहीं रहेंगे।

हज-2026: अंतिम किश्त जमा करने का निर्देश जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 31 तक जमा करनी होगी शेष धनराशि, देरी पर प्रक्रिया प्रभावित

अमृत विचार: हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने हज-2026 के यात्रियों के लिए अंतिम किश्त जमा करने के निर्देश जारी किए हैं। जारी सर्कुलर के अनुसार, हज यात्रियों को पूर्व में जमा की गई 2,77,300 की राशि के अतिरिक्त शेष धनराशि 31 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी।

यात्री यह भुगतान स्टेट बैंक या यूनियन बैंक के माध्यम से, या हज कमेटी की आधिकारिक वेबसाइट से पे-स्लिप डाउनलोड कर डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, यूपीआई और नेट बैंकिंग के जरिए कर सकते हैं। उड़ान स्थल के अनुसार शेष राशि तय की गई है, जिसमें लखनऊ से जाने वाले यात्रियों को 75,250, दिल्ली से 69,300, मुंबई से 62,950, अहमदाबाद से 55,900 और हैदराबाद से 66,050 जमा करने होंगे। यह राशि कुर्बानी शुल्क से अलग है। जिन यात्रियों ने कुर्बानी का विकल्प चुना है, उन्हें 17,280 अतिरिक्त जमा करना होगा। वहीं शिया हज यात्रियों को जोहफा मीकात के लिए 5,520 अतिरिक्त जमा करने होंगे। हज कमेटी ने स्पष्ट किया है कि इस राशि में हवाई किराया, एयरपोर्ट टैक्स, बीमा और अन्य खर्च शामिल हैं, जबकि कैटरिंग शुल्क बाद में अलग से लिया जाएगा।

अमृत विचार
बुधवार, 25 मार्च 2026

एकपक्षीय युद्धविराम

पश्चिम एशिया में जारी उथल-पुथल के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एकतरफा "पांच दिन के युद्ध विराम" की घोषणा कूटनीतिक पहल के अलावा कई स्तरों पर दबावों का परिणाम है। यह कदम उस समय आया है, जब इजराइल-ईरान तनाव अपने चरम पर है और वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति तथा सामरिक संतुलन सभी खतरे में हैं। ट्रंप के इस निर्णय के पीछे घरेलू राजनीतिक मजबूरियां साफ दिखाई देती हैं। अमेरिका में आगामी मिडटर्म चुनावों की आहट के बीच उनकी लोकप्रियता में गिरावट और संभावित महाअभियोग का खतरा उन्हें जोखिम लेने से रोक रहा है। रक्षा बजट, जो लगभग 19 लाख करोड़ रुपये के समकक्ष है, पर भी दबाव है। ऐसे में लंबा युद्ध अमेरिकी करदाताओं पर भारी पड़ सकता है, जिसे राजनीतिक रूप से उचित ठहराना कठिन होगा। दूसरी ओर इजराइल का ट्रंप के इस फैसले पर आश्चर्य जताना इस बात का संकेत है कि वाशिंगटन और तेल अवीव के बीच इस मुद्दे पर पूर्ण सहमति नहीं है। इजराइल, जो ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद रणनीतिक बढ़त मान रहा था, किसी भी जल्दबाजी में युद्धविराम को अपने हितों के विरुद्ध मान सकता है। अतः यह स्पष्ट है कि अमेरिका की प्राथमिकताएं अब केवल इजराइल की सुरक्षा तक सीमित नहीं, बल्कि व्यापक वैश्विक और घरेलू समीकरणों से प्रभावित हैं। ट्रंप का अपने पूर्व आक्रामक बयानों से यू-टर्न लेना भी कई संकेत देता है। खाड़ी क्षेत्र में ऊर्जा अवसंरचना के लगभग 40 प्रतिशत के प्रभावित होने से तेल की कीमतों में उछाल आया है। ताइवान में चिप उत्पादन बाधित होने की आशंका ने एप्पल और एनवीडिया जैसी अमेरिकी कंपनियों के हितों को भी खतरे में डाल दिया है। यह आर्थिक दबाव किसी भी सैन्य महत्वाकांक्षा पर भारी पड़ता है। इसके अतिरिक्त, नाटो और अन्य पश्चिमी सहयोगियों का सीमित समर्थन अमेरिका को "अकेले पड़ने" की स्थिति में ला सकता है। यूरोपीय देश पहले ही यूक्रेन संकट से थके हुए हैं और एक नए युद्ध में गहराई से शामिल होने को इच्छुक नहीं दिखते। ऐसे में ट्रंप का युद्ध विराम प्रस्ताव सामरिक पुनर्संतुलन का प्रयास भी हो सकता है।

अमेरिका-ईरान वार्ता में पाकिस्तान की मध्यस्थता और कतर, तुर्किये व मिस्र की सक्रिय भूमिका ने इस धारणा को चुनौती दी है कि भारत ही एकमात्र संतुलनकारी शक्ति है। हालांकि भारत की "रणनीतिक स्वायत्तता" और सभी पक्षों से संवाद की क्षमता उसे अब भी एक महत्वपूर्ण, अनौपचारिक भूमिका देती है। युद्धविराम की आशंकित असफलता हमारी ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य आपूर्ति और खाड़ी देशों में फंसे लाखों भारतीयों की सुरक्षित निकासी ली चुनौती बनेगी। होर्मुज जलडमरूमध्य का संभावित बंदी भारत के लिए अस्वीकार्य होना स्वाभाविक है, हमारी लगभग 60 प्रतिशत तेल आपूर्ति इसी मार्ग से होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लोकसभा में दी गई चेतावनी इस मामले में संकेत है कि हमें वैकल्पिक आपूर्ति श्रृंखलाएं, सामरिक तेल भंडार और आपातकालीन निकासी योजनाओं को तुरंत सक्रिय करना होगा। इसमें ऊर्जा विविधीकरण, कूटनीतिक सक्रियता, रक्षा सतर्कता और आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करना शामिल है। भारत को इस अनिश्चितता के दौर में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए संतुलित, व्यावहारिक और दूरदर्शी नीति अपनानी होगी।

प्रसंगवश

पर्यावरण-अनुकूल परिवहन की ओर बढ़ती दुनिया

जलवायु परिवर्तन आज मानव सभ्यता के सामने सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है। बढ़ते वैश्विक तापमान, चरम मौसम घटनाओं और प्रदूषण ने विकास के मौजूदा मॉडल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संदर्भ में परिवहन क्षेत्र अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह आधुनिक जीवन का आधार भी है और प्रदूषण का एक बड़ा स्रोत भी। परिवहन क्षेत्र वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा पैदा करता है, जबकि ऊर्जा से जुड़े कार्बन उत्सर्जन में इसकी हिस्सेदारी करीब 23 प्रतिशत तक है। यही कारण है कि विश्वभर में परिवहन व्यवस्था को पर्यावरण-अनुकूल बनाने पर जोर बढ़ा है। 'ग्रीन मोबिलिटी' या 'सस्टेनेबल ट्रांसपोर्ट' की अवधारणा इसी सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य ऐसे साधनों और ढांचों का विकास करना है, जो कम ऊर्जा उपयोग करें और प्रदूषण घटाएं।

इस दिशा में यूरोप अग्रणी है। नॉर्वे, नीदरलैंड और जर्मनी जैसे देशों ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए प्रभावी नीतियां अपनाई हैं। नॉर्वे में नई कारों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। वहीं एम्स्टर्डम और कोपेनहेगन जैसे शहरों में साइकिल आधारित परिवहन का व्यापक नेटवर्क विकसित किया गया है, जिससे प्रदूषण और यातायात दबाव दोनों कम हुए हैं। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार वर्ष 2022 में दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं, जो कुल बिक्री का लगभग 14 प्रतिशत हैं। यह परिवर्तन की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। भारत के लिए यह चुनौती और भी बड़ी है, क्योंकि यहां तेजी से शहरीकरण और वाहनों की संख्या में वृद्धि हो रही है। देश के ऊर्जा-संबंधी कार्बन उत्सर्जन में सड़क परिवहन की हिस्सेदारी लगभग 12 से 14 प्रतिशत है। पिछले दो दशकों में परिवहन क्षेत्र से उत्सर्जन 155.9 मिलियन टन से बढ़कर 368.2 मिलियन टन तक पहुंच गया है। केंद्र सरकार की फेम योजना के तहत ई-वाहनों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे जैसे शहरों में ई-बसों का विस्तार हो रहा है। साथ ही मेट्रो रेल परियोजनाओं के विस्तार ने शहरी परिवहन को नया विकल्प दिया है। पर्यावरण-अनुकूल परिवहन में साइकिल की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सबसे सरल, सस्ता और प्रभावी साधन है। भारत में आज भी बड़ी संख्या में लोग साइकिल का उपयोग करते हैं, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, लेकिन शहरी क्षेत्रों में इसका उपयोग काफी घटा है। जहां 1990 के दशक में 20-30 प्रतिशत यात्राएं साइकिल से होती थीं, वहीं आज यह घटकर 2-5 प्रतिशत रह गई हैं। इसके पीछे साइकिल लेन का अभाव, कार-केंद्रित विकास और सामाजिक धारणाएं प्रमुख कारण हैं।

कुमार सिद्धार्थ
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए कई चुनौतियां हैं। पहली चुनौती बुनियादी ढांचे की हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए पर्याप्त चार्जिंग स्टेशन अभी भी सीमित हैं। दूसरी चुनौती लागत से जुड़ी है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआती कीमत अधिक है। तीसरी चुनौती शहरी नियोजन की है, जहां दीर्घकालिक परिवहन दृष्टि का अभाव दिखाई देता है। चौथी चुनौती साइकिल और पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित मार्गों की कमी है। यदि शहरों में सार्वजनिक परिवहन, साइकिल और पैदल मार्गों को प्राथमिकता दी जाए, तो प्रदूषण और यातायात दोनों को नियंत्रित किया जा सकता है। भारत यदि इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरी तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा को समन्वित रूप से विकसित करे, तो देश प्रदूषण नियंत्रित करने का साथ ही इस क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व भी हासिल कर सकता है। इस दिशा में उठाए गए कदम शहरों को अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और रहने योग्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)

विश्वविद्यालय महापुरुषों के निर्माण के कारखाने हैं और अध्यापक उन्हें बनाने वाले कारीगर।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

निकट आई लाल आतंक के खात्मे की घड़ी

दिग्विजय सिंह
कानपुर

जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद-370 के समापन, आतंकवाद का खात्मा समेत कई बड़े वादों के साथ 2014 में केंद्र की सत्ता में आई भाजपा ने उन तमाम वादों को देर सबेर पूरा किया। इसलिए भाजपा नेताओं के साथ ही आमजन में यह धारणा बनी कि मोदी है तो मुमकिन है। यह धारणा नारे में तब्दील हो गई और अब भाजपा और उसके सहयोगी दलों के मंच पर इसे पूरे जोश से बोला जाता है।

अब मोदी सरकार अपने एक और वादे को पूरा करने जा रही है वह है लाल आतंक यानी नक्सल मुक्त भारत। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा है। नक्सलियों को डेडलाइन दी गई थी कि वे या तो आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटें अथवा मुठभेड़ में मारे जाएंगे या फिर जेल जाएंगे। इस सख्ती का असर हुआ और तमाम बड़े हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर मुख्य धारा में लौटना ही उचित समझा। उनके सहयोगी भी बड़े पैमाने पर हथियार डालने को मजबूर हुए। अब नक्सल मुक्त वादे के पूरा होने में सात दिन बचे हुए हैं। सुरक्षा बलों ने अपने अभियान को तेज कर दिया है। ताकि एक- एक नक्सली की गिरफ्तारी हो जाए या फिर वह हथियार डाल दे। हालांकि अभी तमाम हार्डकोर नक्सली ऐसे हैं, जो सरेंडर करने को तैयार नहीं हैं और सुरक्षा बलों की नजरों से बचकर छिपे हुए हैं, पर सरकार की जो इच्छाशक्ति है, उसे देखकर नहीं लगता कि वे सुरक्षा बलों से बच पाएंगे। भारत सीमा पर पाकिस्तान के पाले हुए आतंकवादियों से तो लड़ ही रहा है।

> देश के अंदर मौजूद उग्रवादियों, नक्सलियों के सफाए के लिए भी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी।

देश के अंदर मौजूद उग्रवादियों, नक्सलियों के सफाए के लिए भी पूरी ताकत झोंकी जा रही है। पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से 1967 में नक्सलवाद की शुरुआत हुई थी। धीरे-धीरे यह लाल गलियारा ओडिशा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, केरल, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में भी फैल गया। नक्सलियों ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों के जवानों, जनप्रतिनिधियों और आमजन को अपनी गोली या बारूद का शिकार बनाया। तमाम कोशिशों के बाद भी कोई सरकार उनके आतंक पर अंकुश नहीं लगा सकी, लेकिन मजबूत इच्छा शक्ति, सुरक्षा बलों को दी गई खुली छूट, मजबूत सर्विलांस सिस्टम और मुखबिर तंत्र बनाकर मोदी सरकार ने नक्सलवाद मुक्त भारत का वादा किया और 31 मार्च 2026 की डेडलाइन तय की। उम्मीद है कि मोदी सरकार डेडलाइन खत्म होने से पहले ही लाल आतंक का खात्मा कर यह घोषणा कर देगी कि पूरा भारत अब नक्सल मुक्त हो गया है।

2019 तक देश के 9 राज्यों के 61 जिलों के 245 पुलिस थानों तक नक्सलवाद फैला हुआ था। जनवरी 2026 तक सिर्फ दो राज्यों के 5 जिले और 11 पुलिस थाने ही नक्सल प्रभावित बचे हैं। मोदी सरकार ने सिर्फ सुरक्षा बलों के दम पर ही नहीं, बल्कि विकास की गंगा बहाकर भी नक्सलियों को आत्मसपर्मण के लिए मजबूर किया है। विकास, रोजगार, शिक्षा की बयार बही, तो उनकी मदद करने वाले ग्रामीण भी न सिर्फ कदम पीछे खींचने लगे, बल्कि परिवार वालों पर दबाव डालकर नक्सलियों को आत्मसमर्पण के लिए तैयार भी किया।

प्रभावित इलाकों में विकास की बात करें, तो जनवरी 2026 तक 15 हजार किलोमीटर सड़कें बनाई गईं। मोबाइल कनेक्टिविटी के लिए 9233 टॉवर लगाए गए और युवाओं, महिलाओं को दक्ष बनाकर रोजगार दिलाने के लिए 46 आईटीआई और 49 स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की गई। 179 एकलव्य मॉडल स्कूल, 6025 पोस्ट ऑफिस, विभिन्न बैंकों की 1804 शाखाएं और 1321 एटीएम स्थापित किए गए, जो नक्सली आत्मसपर्मण कर रहे हैं, उनके पुनर्वास के लिए भी सरकार खूब धन खर्च कर रही है। ऐसे में सरकार को उम्मीद है कि देश की जनता से जो वादा किया गया है वह निर्धारित अवधि में पूरा हो जाएगा।

अब बात करें आतंकवाद की तो सुरक्षा बलों की सतर्कता, मजबूत खुफिया तंत्र की वजह से इसमें 43 फीसद की कमी आई है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2026 की ताजा रिपोर्ट में भारत इस बार 13 वें स्थान पर है, जबकि पिछले साल 11 वें स्थान पर था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार द्वारा लांच किए गए ऑपरेशन सिंदूर में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किए जाने और बड़े आतंकियों के मारे जाने से उनके आका डरे हुए हैं।

पाकिस्तान की सेना और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के आकाओं को भी पता है कि भारत ऑपरेशन सिंदूर पार्ट टू कभी भी लांच कर सकता है। ऐसे में वे ऐसी कोई हरकत नहीं कर रहे हैं, जिससे कि हमारी सेना और सरकार को कड़ा कदम उठाना पड़े। हालांकि आईएसआई भारत को अस्थिर करने की हर चाल चल रही है। आईएसआई ने भारत में तेजी से जासूसों का जाल बिछाना शुरू किया है। सोनीपत में स्टेशन के आउटर इलाके में सोलर आधारित सीसीटीवी कैमरे लगवाने का उसका खेल पकड़ में आ गया है।

एनएआई ने उसके स्लीपर सेल और जासूसों की धरपकड़ करके उसके नेटवर्क को ध्वस्त करने का काम तेज किया है, लेकिन आईएसआई ने जासूसी का ये जो नया तरीका निकाला है यह हमारी सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है। ईरान के सबसे बड़े धार्मिक नेता अली खामेनेई और सैन्य प्रमुखों की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने ऐसे ही कैमरे ईरान में लगवाए थे। इससे यह पता चलता है कि आईएसआई भी मोसाद के नक्शेकदम पर चल रही है और हमारे प्रमुख स्थलों पर कैमरे लगवाकर निगरानी करना चाहती है। हालांकि उसकी कोई भी चाल सफल नहीं होगी, क्योंकि हमारा खुफिया तंत्र बहुत मजबूत है, लेकिन उसकी यह चाल गंभीर खतरे की तरफ इशारा जरूर कर रही है।

आमने सामने

एक फिल्म ने अतीक अहमद और समाजवादी पार्टी के संबंधों को उजागर कर दिया है कि किस तरह से सपा सरकार में अतीक अहमद देश को दीमक की तरह खोखला कर रहा था। मैं तो यही कह सकती हूं कि योगी आदित्यनाथ यूपी के धुरंधर मुख्यमंत्री है, जिन्होंने अतीक और मुख्तार जैसे माफियाओं के साम्राज्य का अंत कर दिया।
– **पूजा पाल**, विधायक

पूजा पाल का बयान पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। एक फिल्म धुरंधर आई, जिसमें अतीक अहमद के बारे विदेशी कनेक्शन की बात कही गई। जिस अतीक के नाम पर लोकसभा में शोक सभा हुई, जो सांसद व विधायक रहे, जिनकी पुलिस कस्टडी में हत्या कर दी, लेकिन कभी उनके विदेश से कनेक्शन की बात नहीं आई। अब बजनिए तय करेंगे कौन विदेशी है और कौन हिंदुस्तानी है?
– **इसरार अहमद**, AIMIM नेता

तमिलनाडु विस चुनाव में दिलचस्प होगा मुकाबला

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

दक्षिण भारत की राजनीति में तमिलनाडु हमेशा से एक विशिष्ट प्रयोगशाला रहा है। यहां की राजनीति लंबे समय तक द्रविड़ विचारधारा और क्षेत्रीय अस्मिता के इर्द-गिर्द घूमती रही है। पिछले पांच दशकों से सत्ता का केंद्र लगभग दो दलों द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) के बीच बंटा रहा है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव इस पारंपरिक द्वंद्व से आगे निकलकर नए राजनीतिक समीकरणों की आहट दे रहा है।

विधानसभा चुनाव को लेकर तस्वीर अब लगभग साफ हो गई है। राज्य में चार-कोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है, जिससे चुनावी संघर्ष और भी दिलचस्प हो गया है। राज्य में 2019 से मजबूत स्थिति में रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल, विदुथलाई चिरूथैगल कच्ची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मनिथनया मक्कल कच्ची जैसे दल शामिल हैं। हाल ही में कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम भी इस गठबंधन में जुड़ गए हैं। दूसरी ओर, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल कच्ची, टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम और जी.के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी शामिल हैं।

> राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं।

इस बीच अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम को लेकर कई अटकलें चल रही थीं। कांग्रेस के साथ उनके संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज थीं और यहां तक कहा गया कि राहुल गांधी से उनकी बातचीत भी हुई है। हालांकि कांग्रेस ने अंततः द्रमुक के साथ ही अपना गठबंधन बरकरार रखा। इसके बाद टीवीके के एनडीए में शामिल होने और विजय को उपमुख्यमंत्री पद की पेशकश जैसी खबरें भी सामने आईं, लेकिन इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए विजय ने एक इफ्तार कार्यक्रम में साफ कर दिया कि उनकी पार्टी किसी भी गठबंधन में शामिल नहीं होगी। उन्होंने घोषणा की कि टीवीके अपने दम पर सभी 234 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और सरकार बनाने का दावा भी किया। वहीं, सीमान की पार्टी नाम तमिलर कच्ची भी हर बार की तरह अकेले चुनाव मैदान में उतरेगी। इस प्रकार राज्य में चार प्रमुख मोर्चे बन गए हैं।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली सरकार के "द्रविड़ मॉडल" पर इस बार एंटी-इनकंबेंसी, कानून-व्यवस्था, हिंदुत्व विरोध और परिवारवाद के मुद्दे हावी हैं। 2021 के विधानसभा चुनाव में डीएमके ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लगभग दस वर्ष बाद सत्ता में वापसी की थी। उस समय जनता ने तत्कालीन एआईएडीएमके सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी और नेतृत्व संकट को देखते हुए परिवर्तन का फैसला किया था, लेकिन राजनीति में पांच वर्ष लंबा समय होता है। अब वही डीएमके सरकार जनता की कसौटी पर है। क्योंकि इस अवधि की ढेर सारी कमियों का चुनावी हथियार विपक्ष के हाथ लग गया है।

तमिलनाडु की राजनीति में हमेशा से क्षेत्रीय पहचान, भाषा और सामाजिक न्याय के मुद्दे महत्वपूर्ण रहे हैं। द्रविड़ आंदोलन की विरासत ने यहां की राजनीति को इस तरह आकार दिया कि राष्ट्रीय दल लंबे समय तक हाशिये पर रहे, लेकिन हाल के वर्षों में भाजपा ने राज्य में अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत बनाई है। भाजपा कार्यकर्ता नेटवर्क के सहारे जमीनी पकड़ और मजबूत करने के कारण आगामी विधानसभा चुनाव केवल दो क्षेत्रीय दलों की लड़ाई नहीं, बल्कि क्षेत्रीय मुद्दे बनाम राष्ट्रीय राजनीति की एक नई परीक्षा बन गया है।

तमिलनाडु की राजनीति में एंटी-इनकंबेंसी का इतिहास मजबूत रहा है। कई चुनावों में देखा गया कि सत्ता में बैठी पार्टी अगले चुनाव में हार गई। ऐसा परिदृश्य इस बार और पुरजोर अंदाज में दिखाई दे रहा है। खासकर दलित, वंचित, ग्रामीण और गरीब वर्गों के उत्थान के लिए डीएमके सरकार ने कोई करिश्माई काम नहीं किया है। इसके चलते चुनाव में डीएमके को इन वर्गों का व्यापक समर्थन मिलता नहीं दिख रहा है।

तमिलनाडु में बीजेपी की स्थिति धीरे-धीरे मजबूत हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार और वैचारिक अभियान के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ाने के तेज प्रयास किए हैं। एआईएडीएमके और बीजेपी का गठबंधन मजबूत होने के चलते कई सीटों पर मुकाबला त्रिकोणीय होने के बजाय सीधे सत्तारूढ़ गठबंधन और विपक्ष के बीच हो सकता है। इस स्थिति में बीजेपी को अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि बीजेपी पिछले चुनाव की तुलना में इस बार बड़ी छलांग लगा सकती है। गठबंधन राजनीति के सहारे उसकी सीटें पहले से बेहतर होकर दो अंकों में पहुंच सकती हैं। असल में तमिलनाडु का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का संघर्ष नहीं, बल्कि द्रविड़ राजनीति के भविष्य का भी परीक्षण है। भाजपा समेत विपक्ष अप्रत्याशित प्रदर्शन राज्य की राजनीति में नए गठबंधन और नई रणनीतियों का दौर शुरू कर सकता है। इसी कारण आगामी चुनाव को केवल सीटों की गणना के रूप में नहीं, बल्कि तमिलनाडु की सामाजिक-राजनीतिक चेतना की नई परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

दिवा स्वप्न

हिंदी सोशल मीडिया का एक पॉपुलर डे ड्रीम है-पेट्रो डॉलर चौपट हो जाएगा, अमेरिका तबाह हो जाएगा और भारत विश्व का नंबर एक राष्ट्र बन जाएगा। पेट्रोलियम का व्यापार डॉलर में न हो, तो अमेरिका का जो नुकसान हो सो हो। उनके पास अपने देश के लिए पर्याप्त पेट्रोलियम है वह एक्सपोर्टर हैं इंपोर्टर नहीं। इसके अलावा टेक वर्ल्ड- एआई, डिफेंस, एनर्जी इन सबमें वह आने वाले पचीस साल तक की टेक्नोलॉजी में अग्रणी हैं। उनका जो है वैसे चलता रहेगा, उनके पास अनाज पर्याप्त है, फल, तेल सब निर्यात ही करते हैं। आयात जो करते हैं वह भी इसलिए करते हैं कि उनकी कंपनियों का माल बाहर सस्ते में बनता है, बाहर महंगे में बनेगा तो वो कंपनियां अपने देश में बना लेंगी। ऐपल आईफोन फिर भारत में नहीं अमेरिका में ही बनवा लेगा। पर हां भारत के ऐंगल से मान लो कल से ईरान कह दे स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से निकलने के लिए डॉलर नहीं युआन चाहिए और मान लो ईरान यह फोर्स कर ले गया, तो भाई डॉलर तो भारत अमेरिका को एक्सपोर्ट कर कमाता है, सॉफ्टवेयर से कमाता है और एनआरआई भी भेजते हैं। युआन क्लोज्ड करेंसी है। भारत चाइना को माल बेचता नहीं खरीदता है, तो भारत युआन कहां से जुटाएगा? अरुणाचल बेचकर या कश्मीर बेचकर? वैसे डॉलर बंद हो जाएगा तो ये जो चाइना से भी इंपोर्ट में डॉलर पे करते हैं, वह भी युआन में ही करना पड़ेगा? वह कहां से आएगा?

नितिन त्रिपाठी
लेखक

फिर दूसरी मजेदार बात चलती है- ब्रिक्स। इस समय जो युद्ध चल रहा है वह ब्रिक्स के छठे ताकतवर देश यूएई और सातवें ताकतवर देश ईरान के बीच ही है। आपस में युद्ध रुक नहीं रहा है और आपको उम्मीद है कि ये एक दूसरे की मुद्रा उपयोग करेंगे। चाइना हर चार पांच साल में भारत पर चढ़ाई कर देता है, आज भी अरुणाचल को भारत का हिस्सा नहीं मानता, ऑपरेशन सिंदूर में सीधे भारत पर हमला कर रहा था और आपको लगता है वह आपके संचालन में एक करेंसी मानेगा? इसमें दो राय नहीं जैसे-जैसे लोकल कंट्रीज की पॉवर बढ़ेगी आपस में व्यापार लोकल करेंसी में होगा/होता ही आया है। रूस भारत के बीच पेट्रोल का आदान-प्रदान एक लेवल तक रुपये से ही हो रहा था, इसलिए क्योंकि रूस का स्विफ्ट अमेरिका ने बंदकर रखा है वो डॉलर नहीं ले सकता, तो रूस भारत से रुपये में उतनी पेमेंट ले रहा था, जितना वह रुपया कहीं और खर्च कर सके। शेष पेमेंट रूस भी यूएई की मिद्रा में ही ले रहा था, क्योंकि वह डॉलर से लिंक्ड ओपन मुद्रा है। भाई ये सब दिवा स्वप्न हैं जैसे-जैसे भारत/ चाइना का जीडीपी प्रतिशत विश्व के प्रतिशत जीडीपी में बढ़ेगा, उसी अनुपात में धीमे-धीमे इनकी मुद्रा का इनसे व्यापार में प्रचलन बढ़ेगा, जो स्वाभाविक भी है। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

जब समुद्री रास्ते वैश्विक राजनीति का केंद्र बन जाएं

दुनिया के नक्शे पर कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिनका आकार भले ही छोटा हो, लेकिन उनका प्रभाव बेहद व्यापक होता है। स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज ऐसा ही एक समुद्री मार्ग है, जो आज वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था के केंद्र में आ खड़ा हुआ है। यह केवल एक जलमार्ग नहीं, बल्कि दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस रास्ते से गुजरने वाला तेल और गैस कई देशों की आर्थिक धड़कन से जुड़ा हुआ है। ऐसे में जब इस मार्ग को लेकर किसी प्रकार की अनिश्चितता पैदा होती है, तो उसका असर सीमाओं से निकलकर पूरी दुनिया तक पहुंचता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इस समुद्री क्षेत्र का महत्व और भी बढ़ गया है। विभिन्न देशों की रणनीतिक गतिविधियां और बयानबाजी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अब संघर्ष केवल जमीन तक सीमित नहीं रह गया, बल्कि समुद्र भी उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। आज की वैश्विक राजनीति में यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है कि संसाधनों और मार्गों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का भी प्रतीक बन गया है। जो देश ऐसे महत्वपूर्ण रास्तों को प्रभावित करने की स्थिति में होते हैं, वे अप्रत्यक्ष रूप से वैश्विक संतुलन को भी प्रभावित कर सकते हैं। इस पूरे परिदृश्य में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है-निर्भरता। दुनिया के कई देश ऊर्जा के लिए कुछ सीमित क्षेत्रों पर अत्यधिक निर्भर हैं। यही निर्भरता उन्हें ऐसी परिस्थितियों में अधिक संवेदनशील बना देती है, जहां कोई एक निर्णय या अवरोध व्यापक संकट का रूप ले सकता है।

संध्या अग्रवाल
साहित्यकार

यह स्थिति केवल आर्थिक चुनौती तक सीमित नहीं रहती। इसका असर राजनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है। देश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए अपने रुख तय करते हैं और कई बार उन्हें ऐसे निर्णय लेने पड़ते हैं, जो आदर्श से अधिक व्यावहारिक होते हैं। ऐसे समय में यह भी देखने को मिलता है कि वैश्विक शक्तियां अपने-अपने तरीके से स्थिति को संभालने या प्रभावित करने की कोशिश करती हैं, लेकिन यह प्रयास हमेशा समाधान की दिशा में हों, यह जरूरी नहीं। कई बार ये प्रयास नए सवाल और नई जटिलताएं भी खड़ी कर देते हैं।

इस पूरी स्थिति का सबसे बड़ा प्रभाव आम जीवन पर पड़ता है। ऊर्जा की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करता है। महंगाई बढ़ती है, आर्थिक दबाव बढ़ता है और एक अनिश्चितता का माहौल बनता है। भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती है, जहां ऊर्जा की बढ़ती जरूरतें और वैश्विक संबंधों का संतुलन दोनों को साथ लेकर चलना होता है। ऐसे में हर निर्णय सोच-समझकर लेना पड़ता है, ताकि आर्थिक स्थिरता और कूटनीतिक संतुलन दोनों बनाए रखे जा सकें। आज का समय यह संकेत दे रहा है कि दुनिया केवल संसाधनों की लड़ाई नहीं लड़ रही, बल्कि उन रास्तों और माध्यमों की भी, जिनसे ये संसाधन गुजरते हैं। यह संघर्ष प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, इसका प्रभाव हर देश और हर व्यक्ति तक पहुंचता है। शायद यही वजह है कि अब यह सवाल और भी महत्वपूर्ण हो गया है कि क्या हम इन घटनाओं को केवल दूर की खबर मानकर नजरअंदाज कर सकते हैं या फिर यह समझना जरूरी है कि इनका असर हमारी जिंदगी से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है? क्योंकि जब समुद्री रास्ते संघर्ष का केंद्र बन जाते हैं, तब उनकी लहरें केवल किनारों तक सीमित नहीं रहतीं, वे पूरी दुनिया को प्रभावित करती हैं। (यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बिहार में प्रचलित टिकुली पेंटिंग एक ऐसी विशिष्ट लोक कला परंपरा है, जिसकी जड़ें भारतीय सांस्कृतिक इतिहास में गहराई तक समाई हुई हैं। इसका संबंध केवल चित्रकला से ही नहीं, बल्कि भारतीय स्त्री-सौंदर्य, सामाजिक परंपराओं और व्यापारिक इतिहास से भी जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि टिकुली कला की प्रेरणा प्राचीन काल से ही मौजूद रही है और इसका इतिहास कुछ विद्वानों के अनुसार बौद्ध काल तक जाता है, हालांकि इसके उद्भव की कोई निश्चित तिथि निर्धारित करना आज भी कठिन है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

टिकुली पेंटिंग: परंपरा से आधुनिक कला तक की रचनात्मक यात्रा

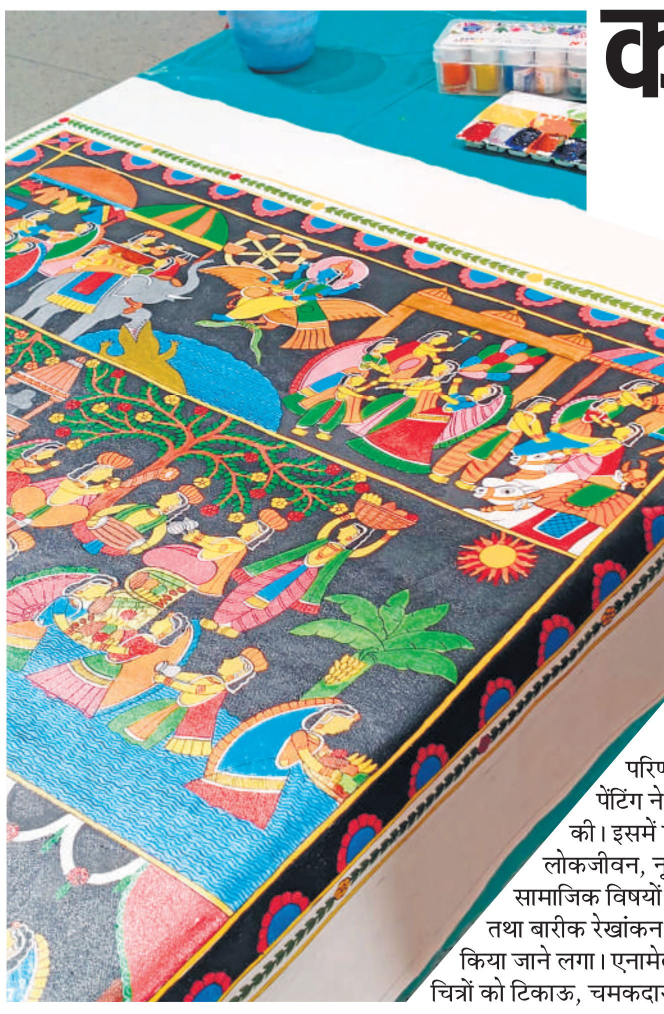

बिंदी या टिकुली लगाने की परंपरा सदियों पुरानी

भारतीय संस्कृति में सुहागन स्त्रियों द्वारा ललाट पर बिंदी या टिकुली लगाने की परंपरा सदियों पुरानी रही है। यह केवल सौंदर्य वृद्धि का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक और धार्मिक पहचान का भी प्रतीक रही है। पुरातत्वविदों को उत्खनन में प्राप्त मौर्यकालीन नारी प्रतिमाओं के ललाट पर बिंदी के अंकन मिलते हैं, जिससे यह अनुमान लगाया जाता है कि यह परंपरा कम से कम मौर्य काल से चली आ रही है। समय के साथ यह परंपरा समाज में निरंतर बनी रही और धीरे-धीरे इससे संबंधित शिल्प और सजावटी वस्तुओं का भी विकास हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का हिस्सा

मध्यकालीन भारत में बिहार की राजधानी पटना एक महत्वपूर्ण व्यापारिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में उभर चुकी थी। प्रसिद्ध फ्रांसीसी यात्री और इतिहासकार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर ने अपने यात्रा विवरणों में उल्लेख किया है कि लगभग 1700 ईसवी तक पटना पूरे बंगाल क्षेत्र का एक प्रमुख महानगर बन गया था। उस समय पुर्तगाली और तिब्बती व्यापारी यहां नियमित रूप से व्यापार के लिए आते थे और स्थानीय उत्पादों जैसे मूंग, कछुए के खोल से बने आभूषण, चूड़ियां तथा सोने-चांदी से सजी टिकुलियां खरीदकर अपने देशों में ले जाते थे। यह तथ्य बताता है कि टिकुली केवल घरेलू उपयोग तक सीमित नहीं रही, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का भी हिस्सा बन चुकी थी। प्रारंभिक दौर में टिकुली मुख्यत: कांच या धातु पर बनाई जाती थी और उस पर सोने की वर्क या रंगीन सजावट की जाती थी, लेकिन आधुनिक टिकुली पेंटिंग का स्वरूप 20 वीं सदी के मध्य में विकसित हुआ। प्रसिद्ध कलाकार और शिल्प पुनरुद्धारक उपेंद्र महारथी ने इस कला को नया जीवन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1960 के दशक में जापान यात्रा के दौरान उन्होंने वहां लकड़ी के पैनलों पर एनामेल पेंट से बिंदुओं को जोड़कर बनाए जा रहे चित्रों को देखा। इस तकनीक से प्रेरित होकर, उन्होंने पटना के कांच पर चित्रकारी करने वाले कारीगरों रामफल गुप्ता, लाल बाबू गुप्ता तथा अन्य शिल्पियों को इस शैली को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक नई पहचान

इस पहल के परिणामस्वरूप टिकुली पेंटिंग ने एक नई पहचान प्राप्त की। इसमें पौराणिक कथाओं, लोकजीवन, नृत्य, प्रकृति और सामाजिक विषयों को आकर्षक रंगों तथा बारीक रेखांकन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाने लगा। एनामेल रंगों के प्रयोग ने इन चित्रों को टिकाऊ, चमकदार और बाजार-उपयुक्त बनाया। महारथी जी के निधन के बाद इस परंपरा को आगे बढ़ाने और पुनर्जीवित करने का महत्वपूर्ण दायित्व कलाकार अशोक कुमार विश्वास ने निभाया। उन्होंने न केवल पारंपरिक विषयों को संरक्षित किया, बल्कि आधुनिक डिजाइन और बाजार की मांग के अनुरूप नए प्रयोग भी किए। उनके प्रयासों से टिकुली पेंटिंग राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों तक पहुंची। आज अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शिल्प मेलों के माध्यम से नई पीढ़ी के कलाकार इस कला में दक्ष हो रहे हैं।

वर्तमान संदर्भ में टिकुली पेंटिंग केवल सजावटी वस्तु या स्मृति-चिह्न भर नहीं रह गई है, बल्कि यह बिहार की सांस्कृतिक पहचान और आत्मनिर्भर शिल्प अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, डिजाइन नवाचार और सरकारी प्रोत्साहन योजनाओं ने इसके प्रसार को और गति दी है। इस प्रकार, सुहागिनों के ललाट की शोभा रही टिकुली आज एक सशक्त कला शैली के रूप में विकसित होकर परंपरा और आधुनिकता के सुंदर समन्वय का उदाहरण प्रस्तुत कर रही है।

अनोखी परंपरा

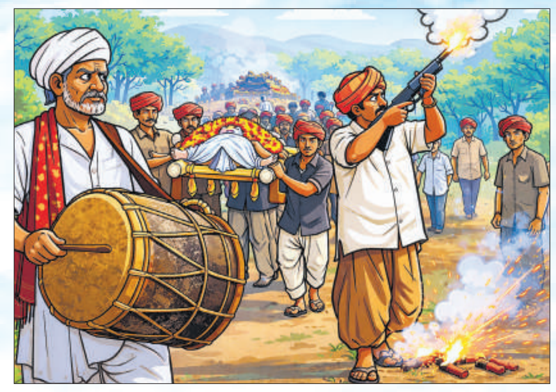

थापों में बसी विदाई: आदिवासी जीवन का सत्य

राजस्थान के दक्षिणी हिस्से में स्थित बांसवाड़ा का आदिवासी जीवन अपनी विशिष्ट परंपराओं और गहरी लोकमान्यताओं के लिए जाना जाता है। यहां जीवन के हर पड़ाव जन्म से लेकर मृत्यु तक संस्कारों की एक अलग ही छवि देखने को मिलती है। विशेष रूप से मृत्यु से जुड़े रीति-रिवाज इस समाज की सांस्कृतिक पहचान को बेहद अनोखे ढंग से सामने लाते हैं। जब किसी व्यक्ति का निधन होता है, तो शोक की सूचना देने का तरीका आधुनिक साधनों से बिल्कुल अलग और पारंपरिक होता है। ढोली समाज का एक सदस्य शोकग्रस्त परिवार के घर पहुंचकर ढोल बजाता है। यह ढोल साधारण नहीं होता, बल्कि इसकी थाप विशेष होती है, जिसे स्थानीय लोग 'मुर्दा ढोल' के नाम से पहचानते हैं। इसकी गूंज पूरे गांव में फैलते ही लोगों को समझ आ जाता है कि किसी के घर शोक हुआ है। इस तरह बिना किसी शब्द के ही सूचना पूरे क्षेत्र में पहुंच जाती है।

ढोल की आवाज केवल सूचना का माध्यम ही नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता का आह्वान भी होती है। जहां तक इसकी ध्वनि सुनाई देती है, वहां तक के ग्रामीण स्वतः ही शवयात्रा में शामिल होने के लिए निकल पड़ते हैं। ढोल बजाने वाला व्यक्ति अर्थी के साथ श्मशान घाट तक आगे-आगे चलता है, मानो वह पूरे गांव को अंतिम विदाई के इस मार्ग में साथ ले जा रहा हो।

अंतिम संस्कार से पहले एक और विशिष्ट परंपरा निभाई जाती है-ढोल की थाप के साथ पटाखे फोड़ना या हवा में बंदूक चलाना। यह दृश्य शोक के बीच भी एक सम्मानजनक विदाई का प्रतीक बन जाता है। आदिवासी समाज में यह मान्यता रही है कि हर व्यक्ति, चाहे वह कितना ही साधारण क्यों न हो, अपने जीवन में एक सिपाही की तरह संघर्ष करता है। इसलिए उसकी मृत्यु पर बंदूक की सलामी देकर उसे श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इन परंपराओं की जड़ें उस समय से जुड़ी हैं, जब संचार के आधुनिक साधन उपलब्ध नहीं थे। तब ढोल और अन्य वाद्ययंत्र ही सूचना के प्रमुख माध्यम हुआ करते थे। बांसवाड़ा जैसे क्षेत्रों में, जहां बस्तियां दूर-दूर बसी हैं, वहां यह तरीका आज भी प्रासंगिक बना हुआ है। भले ही नई पीढ़ी इन परंपराओं के मूल कारणों को पूरी तरह न समझती हो, लेकिन वर्षों से इन्हें देख-सुनकर उन्होंने इन्हें अपने जीवन का हिस्सा बना लिया है। यही कारण है कि बांसवाड़ा की यह आज भी जीवंत है और समाज की सामूहिक चेतना को एक सूत्र में बांधे हुए है।

आर्ट गैलरी

महिषासुर : एक कालजयी कृति

महिषासुर, तैयब मेहता की सबसे चर्चित और ऐतिहासिक कृतियों में से एक है, जिसने भारतीय आधुनिक कला को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह पेंटिंग पारंपरिक पौराणिक चित्रणों से अलग एक नई दृष्टि प्रस्तुत करती है। इस चित्र में महिषासुर और देवी दुर्गा को एक अनोखे आलिंगन में दर्शाया गया है। सामान्यत: जहां देवी दुर्गा को महिषासुर का वध करते हुए दिखाया जाता है, वहीं तैयब मेहता ने इस दृश्य को संघर्ष और सह-अस्तित्व के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। यह आलिंगन केवल शारीरिक नहीं, बल्कि गहरे मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक द्वंद्व को दर्शाता है। ऐसा प्रतीत होता है मानो अच्छाई और बुराई के बीच की सीमाएं धुंधली हो गई हों और दोनों एक-दूसरे में समाहित हो रहे हों। यह पेंटिंग केवल एक पौराणिक कथा का चित्रण नहीं है, बल्कि मानव मन के आंतरिक संघर्षों का प्रतीक है। इसमें हिंसा, करुणा, पीड़ा और सह-अस्तित्व की भावनाएं एक साथ दिखाई देती हैं। यही कारण है कि यह कृति आधुनिक समाज के नैतिक द्वंद्व और जटिलताओं को भी गहराई से प्रतिबिंबित करती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी 'महिषासुर' ने भारतीय कला को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। यह पहली भारतीय पेंटिंग बनी, जिसने अंतर्राष्ट्रीय नीलामी में एक मिलियन डॉलर से अधिक की कीमत प्राप्त की। इस उपलब्धि ने न केवल तैयब मेहता को वैश्विक ख्याति दिलाई, बल्कि भारतीय समकालीन कला बाजार के महत्व को भी स्थापित किया। इस प्रकार, 'महिषासुर' भारतीय कला इतिहास में एक मील का पत्थर बनकर उभरी है।

तैयब मेहता के बारे में

तैयब मेहता भारतीय आधुनिक कला के उन अग्रणी कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने भारतीय चित्रकला को वैश्विक पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तर-औपनिवेशिक भारत की उभरती कला चेतना में उनका योगदान अत्यंत विशिष्ट रहा। उनकी कृतियां केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गहरे सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक प्रश्नों को भी उजागर करती हैं। तैयब मेहता का संबंध प्रसिद्ध बॉम्बे प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट्स ग्रुप से रहा, जिसने भारतीय कला को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकालकर आधुनिक दृष्टिकोण दिया। इस समूह में एम एफ हुसैन, एस एच रजा और एफ एन सूजा जैसे महान कलाकार शामिल थे। इनका उद्देश्य भारतीय कला को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करना था, जिसमें तैयब मेहता का योगदान अत्यंत प्रभावशाली रहा। उनकी कला की सबसे विशिष्ट पहचान 'Diagonal Series' यानी विकर्ण श्रृंखला है। यह शैली संयोगवश विकसित हुई, लेकिन आगे चलकर उनकी हस्ताक्षर शैली बन गई। उनकी पेंटिंग्स में तिरछी रेखाएं जीवन के तनाव, संघर्ष और विभाजन को दर्शाती हैं। आकृतियों का खंडित और दबावपूर्ण स्वरूप आधुनिक जीवन की जटिलताओं और मानव मन के आंतरिक द्वंद्व को गहराई से अभिव्यक्त करता है।

होलकी माई: लोक-आस्था और नारी शक्ति का अनूठा संगम

लोकायन

ग्रामीण भारत में होली का उत्सव केवल रंगों और उल्लास का पर्व नहीं, बल्कि लोकपरंपराओं और आस्था की जीवंत विरासत का भी प्रतीक है। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में प्रचलित 'होलकी माई' की परंपरा इसी सांस्कृतिक विविधता का एक अनूठा उदाहरण है, जिसे विशेष रूप से महिलाएं पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ निभाती हैं।

यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है और आज भी गांवों में उतनी ही आस्था के साथ जीवित है। जहां एक ओर पुरुष होलिका दहन करते हैं, वहीं महिलाओं की अपनी अलग 'होलकी' होती है। इसमें गोइठा (उपले) और लकड़ियों का उपयोग कर प्रतीकात्मक रूप से 'होलकी माई' तैयार की जाती है। यह केवल एक अनुष्ठान नहीं, बल्कि महिलाओं की सामूहिक आस्था और सहभागिता का सशक्त रूप है।

होलिका दहन के बाद महिलाएं इस 'होलकी माई' को गांव के तालाब या जलाशय में प्रवाहित करती हैं। यह क्रिया प्रकृति और पंचतत्वों के प्रति सम्मान की भावना को भी दर्शाती है। अगले दिन प्रातः महिलाएं तालाब के किनारे एकत्र होकर रोटी चढ़ाती हैं और विधिवत पूजा-अर्चना करती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में एक गहरा सांस्कृतिक भाव निहित है, जो जीवन, प्रकृति और परंपरा के बीच संतुलन को दर्शाता है।

इस परंपरा का एक विशेष पहलू यह भी है कि इसका संबंध नवरात्र से जुड़ता है। होली के लगभग एक माह बाद, नवरात्र के दौरान 'होलकी माई' को पुनः स्थापित किया जाता है और तीन दिनों के बाद फिर से जल में विसर्जित किया जाता है। इस दौरान भी पूजा और रोटी चढ़ाने की परंपरा निभाई जाती है, जो इस अनुष्ठान को एक विस्तृत सांस्कृतिक चक्र का हिस्सा बनाती है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, यह प्रथा उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही है। समय के साथ भले ही जीवनशैली में बदलाव आया हो, लेकिन इस परंपरा की आत्मा आज भी वैसी ही बनी हुई है। महिलाएं इसे केवल एक धार्मिक कर्मकांड के रूप में नहीं, बल्कि अपनी पहचान, एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत के रूप में देखती हैं। दरअसल, 'होलकी माई' की यह परंपरा ग्रामीण जीवन की उस गहराई को उजागर करती है, जहां उत्सव केवल आनंद का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक संबंधों और परंपराओं को सहेजने का जरिया भी होता है। बदलते दौर में भी ऐसी परंपराएं गांवों की सांस्कृतिक जड़ों को मजबूती से थामे हुए हैं और आने वाली पीढ़ियों तक अपनी पहचान बनाए रखे हुए हैं।

रंगमंच की साझा विरासत

हर साल 27 मार्च को विश्व रंगमंच दिवस मनाया जाता है। यह दिन उस कला का है, जो बिना किसी पर्दे के दर्शकों से आमने-सामने बात करती है। उत्तराखंड के नैनीताल में रहने वाले रंगकर्मी जहूर आलम को इस कला को आगे बढ़ाने के लिए साल 2023 में 'संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। उनका काम दिखाता है कि रंगमंच सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज, संस्कृति और लोगों को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है।

हिमांशु जोशी
लेखक

एक शुरुआत, जो धीरे-धीरे आंदोलन बन गई

युगमंच के बारे में बात करते हुए जहूर आलम बताते हैं कि साल 1976 में 'युगमंच' की शुरुआत हुई। युगमंच को शुरू करने का मकसद यह था कि पहाड़ की लोक परंपराएं, गीत-संगीत और कहानियां भी मंच तक पहुंचें। 'अंधा युग' के साथ इसकी शुरुआत हुई और उसी से 'युगमंच' नाम निकला। खास बात यह रही कि नाटक को उसी रूप में नहीं किया गया, बल्कि उसमें कुमाऊं की लोक शैली, संगीत और परंपराओं को भी जोड़ा गया। इससे नाटक लोगों के और करीब आ गए और युगमंच की एक अलग पहचान बनी।

जब मंच पर दिखने लगी अपनी ही दुनिया

जहूर आलम की हमेशा यह कोशिश रही कि युगमंच के नाटक लोगों के अपने अनुभवों से जुड़े हों। कुमाऊं की लोक गाथाएं, पहाड़ी संगीत और यहां के किस्से नाटकों का हिस्सा बने। उन्होंने आधुनिक और लोक रंगमंच को साथ मिलाकर काम किया, जिससे दर्शकों को मंच पर अपनी ही जिंदगी दिखाई देने लगी। जहूर कहते हैं कि होली में हुड़दंग बढ़ने लगा था, इसके बदलते स्वरूप को देखकर युगमंच ने पहल करते हुए बैठ और खड़ी होली को मंच पर लाने का प्रयास किया। उत्तराखंड के अलग-अलग स्थानों से कलाकार बुलाए गए और महिलाओं को भी मंच पर आने के लिए तैयार किया गया। नई पीढ़ी को सिखाने के लिए कार्यशालाएं की गईं। इसका असर यह हुआ कि नैनीताल की होली फिर से एक सलीकेदार सांस्कृतिक उत्सव की तरह सामने आई, जिसमें आज भी परंपरा और अनुशासन दोनों साथ दिखते हैं।

जहां लोग मिलते हैं, नहीं दिखते भेद

जहूर आलम का काम यह दिखाता है कि कला लोगों को जोड़ती है। एक मुस्लिम परिवार से होने के बावजूद उन्होंने होली जैसे आयोजन को पूरी ईमानदारी से आगे बढ़ाया। उनके लिए यह त्योहार साथ मिलकर रहने का सबसे उम्दा जरिया है। इतिहासकार शेखर पाठक भी कहते हैं कि जहूर ने उस साझा विरासत को आगे बढ़ाया है, जिसमें अलग-अलग धर्म और समुदाय के लोग साथ मिलकर अपनी संस्कृति को जीते हैं और आज के समय में धीरे-धीरे यह दुर्लभ होती जा रही है। पंचायत फेम अभिनेत्री सुनीता रजवार भी जहूर आलम और युगमंच को इसी नजर से देखती हैं। वह कहती हैं कि जहूर दा युगमंच में नाटकों के स्तंभ हैं और उन्होंने नैनीताल में रंगमंच की परंपरा को सहेज कर रखा है। उनके लिए युगमंच सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि परिवार की तरह है, जहां उन्होंने हमेशा दूसरों के लिए रास्ते बनाए। सुनीता कहती हैं कि वह खुद भी उसी रास्ते से आगे बढ़ने वालों में से एक हैं। युगमंच के साथ पच्चीस साल से ज्यादा के अपने सफर को याद करते हुए नवीन बेगाना बताते हैं कि उनके पिता भी युगमंच से जुड़े थे। किशोरावस्था में वह अक्सर लड़ाई-झगड़ों में उलझे रहते थे। ऐसे समय में जहूर आलम ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें युगमंच से जोड़ा। यही वह मोड़ था, जहां से उनकी जिंदगी ने नई दिशा ली। आगे चलकर नवीन ने ओपन यूनिवर्सिटी से संगीत की पढ़ाई की, शिक्षक बने और अपनी एक अलग पहचान बनाई। वह कहते हैं कि जहूर दा और युगमंच ने न सिर्फ नैनीताल का नाम आगे बढ़ाया, बल्कि थिएटर को जीवित और सक्रिय बनाए रखने में भी अहम भूमिका निभाई है। जहूर कहते हैं कि कई मौके ऐसे आए जब लोग बड़े शहरों की ओर गए, लेकिन उन्होंने यहीं रहकर काम करना चुना। उन्होंने खुद अभिनय और निर्देशन किया और नई पीढ़ी को तैयार किया। युगमंच से जुड़े कई कलाकार राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और अन्य संस्थानों तक पहुंचे। कुछ ने मुंबई में अपनी अलग पहचान भी बनाई।

थिएटर के लिए जरूरी है सहारा

जहूर आलम यह भी मानते हैं कि रंगमंच को पेशे के रूप में मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कलाकारों को सम्मान के साथ काम करने के लिए आर्थिक और सामाजिक सहयोग मिलना चाहिए। तभी यह कला व मजबूत हो सकती है और नई पीढ़ी भी इसे अपनाएगी।

इंतखाब की दुकान, जहां रंगमंच सांस लेता था

जहूर आलम के लिए नैनीताल और रंगमंच क्या हैं, इसे स्मिता कर्नाटक की किताब 'डीएसबी के गलियारों से' के शब्दों में बेहतर समझा जा सकता है। वह लिखती हैं कि पहली बार वह नैनीताल के सांस्कृतिक अड्डे 'इंतखाब' में जहूर दा से मिलीं, जहां कपड़े की दुकान होने के बावजूद माहौल किसी साहित्यिक बैठक जैसा होता था। परिवार की सलाह पर उन्होंने कपड़े की दुकान जरूर खोली, लेकिन मन उनका रंगमंच में ही लगा रहा। काउंटर पर कपड़ा नापते हुए भी वह उसी दुनिया में रहते थे। 'इंतखाब' में दिनभर ग्राहकों से ज्यादा कवियों, लेखकों और कलाकारों का जमावड़ा लगा रहता। चाय और कॉफी के दौर चलते और उनके साथ गंभीर बातचीत भी। यह दुकान धीरे-धीरे एक सांस्कृतिक अड्डा बन गई, जहां से कई विचार और कलाकार आगे बढ़े। यही वह जगह थी, जहां से युगमंच से जुड़े कई कलाकार आगे निकले। निर्मल पांडे, ललित तिवारी, सुनीता अवस्थी, सुदर्शन जुयाल और इदरीस मलिक जैसे नाम इसी जमीन से जुड़े रहे। छोटे शहर के इस माहौल ने बड़े मंच तक पहुंचने वाले कलाकारों को रास्ता दिया।

जहूर आलम के लिए नाटक सिर्फ मनोरंजन नहीं है। उनका कहना है कि रंगमंच में जीवन के लगभग हर पहलू की झलक मिलती है, इसलिए यह लोगों तक सबसे असरदार तरीके से बात पहुंचाता है। उनके नाटकों में अक्सर ऐसे विषय होते हैं, जो समाज से जुड़े होते हैं और दर्शकों को सोचने पर मजबूर करते हैं। युगमंच ने नुक्कड़ नाटकों के जरिए भी लोगों के बीच जाकर सामाजिक मुद्दों पर संवाद किया और रंगमंच को सीधे समाज से जोड़ा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,068.45	22,912.40
बढ़त	1372.06	399.75
प्रतिशत में	1.89	1.78

सोना 1,44,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,30,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 25 मार्च 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन – तुलसी 2610, राज श्री 2020, फॉर्चून कि. 2630, रविन्द्रा 2520, फॉर्चून 13kg 2320, जय जवान 2185, सचिन 2300, सूरज 2185, अवसर 2100, उजाला 2190, गृहणी 13 kg 2160, क्लासिक (kg) 2500, मोर 2390, चक्र टिन 2580, ब्लू 2410, आशीर्वाद मस्टर्ड 2480, स्वास्तिक 2565 **किराना**–निजामाबाद हल्दी 16600, जीरा 26500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 12000–13000, अजवायन 14000–19000, मैथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 900–1050

चावल – (प्रति कु0) डबल चाबी सेला 9700, स्वाइस 6500, शरबती कच्ची 5250, शर्बती स्टीम 5350, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8800, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1kg,5kg) 10100, हरी पत्ती नेचुरल 9100, गौरी स्पेशल 8800, गौरी प्रीमियम 10300, सुमो 4000, गौरी डिलाइट 9300, मंसूरी पनघट 4200, लाडली 4200

दाल दलहन – मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 11200–12000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छोटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10300–11600, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500, चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7500, चना अकोला 6600, डबरा 6800–8400, सब्बा मोती 8700, मोटा सफेद 9800, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11100–11800, अरहर कोरी छोटी 12800

चीनी – पीलीभीत 4320, बहेड़ी 4280, धामपुर 4260

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम – सोना पक्के आभूषण 142500, सोना-गिन्नी 138500, चांदी (पक्की) 2223 (अनुमानित)

बिजनेस ब्रीफ

मारुति गुजरात में करेगी 10,189 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने मंगलवार को कहा कि वह गुजरात में अपने नए विनिर्माण संयंत्र के पहले चरण में 2.5 लाख वाहनों की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के लिए 10,189 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने बताया कि उसके निदेशक मंडल ने गुजरात के खोराज औद्योगिक क्षेत्र स्थित विनिर्माण संयंत्र में सालाना 2.5 लाख वाहनों की पहले चरण की क्षमता जोड़ने को मंजूरी दे दी है।

सुजलॉन को 100 मेगावाट का पवन ऊर्जा प्रोजेक्ट

नई दिल्ली। सुजलॉन समूह ने गेल (इंडिया) लि. से 100 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ऑर्डर हासिल किया है। कंपनी के अनुसार, यह वित्त वर्ष 2025-26 में सुजलॉन को मिला चौथा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (पीएसयू) ऑर्डर है, जो इसकी मजबूत और सम्पन्न क्षमताओं को दर्शाता है। इस परियोजना से उत्पन्न बिजली महाराष्ट्र के नंदुरबार में गेल के आगामी पेट्रोरसायन संयंत्र को कॉर्बन उत्सर्जन में कटौती करने में मदद करेगी।

बाजार में तेजी लौटी, सेंसेक्स 1,372 अंक चढ़ा, निफ्टी 400 अंक मजबूत

7.56 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,500 अरब डॉलर हो गई निवेशकों की संपत्ति

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को तेजी लौटी और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 1,372 अंक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी में भी 400 अंक की बढ़त रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमले की योजना को अस्थायी रूप से टाले जाने की घोषणा के बाद एशिया के अन्य बाजारों में तेजी के साथ घरेलू बाजार बढ़त में रहे।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंक यानी 1.89 प्रतिशत चढ़कर 74,068.45 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 1,793 अंक तक चढ़ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 399.75 अंक यानी 1.78 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,912.40 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में लार्सन एंड टुब्रो, इंटरग्लोब एविएशन, इटर्नल, एशियन पेंट्स, बजाज फाइनेंस और अल्ट्राटेक सीमेंट प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, केवल पावर ग्रिड और भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में गिरावट आई। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समयसीमा बढ़ा दी है। कहा कि वह ईरानी ऊर्जा स्थलों पर हमले पांच दिन के लिए टाल रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है।

लाइवलॉन्ग वेल्थ के शोध विश्लेषक हरिप्रसाद ने कहा कि अमेरिका-ईरान तनाव में संभावित कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का कुछ भरोसा बहाल करने में मदद की है। यह सौदे को पूरा करने की लिवाली और निचले स्तर पर खरीदारी को दर्शाता है। एशिया के अन्य बाजारों में भी तेजी रही। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग लाभ में रहे। यूरोप के प्रमुख बाजार दोपहर के कारोबार में ज्यादातर नुकसान में थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि ईरान के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर हमलों में अस्थायी विराम के बाद घरेलू बाजार में राहत भरी तेजी देखी गई। शेयर बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 7.56 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 4,22,78,312.77 करोड़ रुपये (4,500 अरब डॉलर) हो गई। मझोली कंपनियों से संबंधित बीएसई मिडकैप सेलेक्ट सूचकांक 2.77 प्रतिशत चढ़ा जबकि छोटी कंपनियों से संबंधित स्मॉलकैप में 2.29 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,968 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,295 में गिरावट आई। वहीं 168 के भाव अपरिवर्तित रहे।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.96 प्रतिशत बढ़कर 101.9 डॉलर प्रति बैरल रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 10,414.23 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 12,033.97 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

दिल्लीः एक लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बजट पेश करने से पहले, एक ग्रुप फोटो में दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता (केंद्र में) व अन्य।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए करीब 1,03,700 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। इसमें नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच, 1.3 लाख छात्राओं को मुफ्त साइकिल और मेधावी छात्रों के लिए लैपटॉप सहित कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की गई। साथ ही आपदा प्रबंधन के लिए 'आपात संचालन केंद्र' के अलावा एक नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा की गई।

दिल्ली विधानसभा में दूसरी बार बजट पेश करते हुए वित्त मंत्रालय का प्रभार भी संभाल रही गुप्ता ने इसे 'हरित बजट' करार दिया और बताया कि कुल आवंटन का 21 प्रतिशत पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। उन्होंने दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय के देश में तीसरे स्थान पर होने का उल्लेख किया और कहा कि 'ट्रिपल इंजन' सरकार के साथ राष्ट्रीय राजधानी तेजी से प्रगति कर रहा है। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र के लिए 19,326 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है जो कुल बजट का 18 प्रतिशत है। इसके बाद स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 13,034 करोड़ रुपये, परिवहन के लिए 12,613 करोड़ रुपये, शहरी विकास के लिए 11,572 करोड़ रुपये, सामाजिक कल्याण के लिए 10,537 करोड़ रुपये और जलापूर्ति के लिए 9,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

- **नवजात शिशुओं के लिए मुफ्त स्वास्थ्य संबंधी जांच**
- **1.3 लाख छात्राओं को साइकिल और मेधावी छात्रों को लैपटॉप**
- **'आपात संचालन केंद्र' और नई सेमीकंडक्टर नीति की भी घोषणा**

मुख्यमंत्री ने महिलाओं के लिए कई कदमों की भी घोषणा की और कहा कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने चुनाव से पहले जिस 'महिला समृद्धि योजना' का वादा किया था वह जल्द लागू की जाएगी। इसके लिए 5,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रति माह 2,500 रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए जल्द ही पंजीकरण मंच शुरू किया जाएगा।

गैस संकट से जूझ रहा एल्युमिनियम एक्सट्रूजन उद्योग

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग संगठन एल्युमिनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमए) ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष के कारण एलपीजी तथा पीएनजी की आपूर्ति के गंभीर संकट से प्रभावित एल्युमिनियम एक्सट्रूजन उद्योग के लिए सरकार से राहत उपायों की मांग की है। एल्युमिनियम एक्सट्रूजन एक निर्माण प्रक्रिया है, जिसमें गर्म एल्युमिनियम मिश्र धातु को एक विशिष्ट आकार की डाई के माध्यम से दबाकर ट्यूब, छड़, फ्रेम आदि बनाए जाते हैं। एएलईएमए ने सरकार से ब्याज दरों में कटौती और ऋण भुगतान की अवधि में छूट (मोराटोरियम) जैसे त्वरित राहत उपाय लागू करने का आग्रह किया है।

एचडीएफसी बैंक ने बाहरी विधि कंपनी को सौंपी जांच

नई दिल्ली, एजेंसी

- **पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने अपने त्याग पत्र में बैंक संचालन को लेकर उठाए थे गंभीर मुद्दे**

एचडीएफसी बैंक ने पूर्व चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती के त्याग पत्र में उठाए गए मुद्दों की स्वतंत्र जांच के लिए बाहरी विधि कंपनियों को नियुक्त किया है। बैंक ने कहा कि यह कदम तथ्यों पर आधारित एवं निष्पक्ष आकलन सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

एचडीएफसी बैंक के प्रवक्ता ने कहा कि बाहरी विधि कंपनियों की नियुक्ति एक सक्रिय कदम है, ताकि पत्र में उठाए गए सभी पहलुओं की स्वतंत्र रूप से समीक्षा की जा सके और वस्तुनिष्ठ एवं तथ्य आधारित मूल्यांकन सुनिश्चित हो सके। उन्होंने कहा कि यह कदम बैंक द्वारा दशकों से अपनाए जा रहे उच्चतम कॉरपोरेट कामकाज मानकों के अनुरूप लगातार समीक्षा एवं तुलना सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

उल्लेखनीय है कि देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी बैंक के अंशकालिक चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने नैतिक चिंताओं का हवाला देते हुए अपना पद अचानक छोड़ दिया था। उनका इस्तीफा 18 मार्च से प्रभावी हुआ।

यह पहली बार है जब बैंक के किसी अंशकालिक चेयरमैन ने कार्यकाल के बीच में इस्तीफा दिया है जिससे बैंक के कामकाज को लेकर सवाल खड़े हो गए। चक्रवर्ती ने 17 मार्च को लिखे अपने इस्तीफे में कहा था-पिछले दो वर्ष में बैंक के भीतर मैंने कुछ ऐसी घटनाएं एवं कार्य प्रणालियां देखीं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों व नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। इसी आधार पर मैंने यह निर्णय लिया है। शासन, नामांकन, पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन एच. के. भनवाला को लिखे पत्र में चक्रवर्ती ने कहा था कि उपरोक्त के अलावा मेरे इस्तीफे का कोई अन्य महत्वपूर्ण कारण नहीं है।

चक्रवर्ती को आर्थिक मामलों के सचिव के रूप में सेवानिवृत्ति के करीब एक वर्ष बाद पांच मई 2021 से अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 2024 में तीन और वर्ष के लिए बढ़ाकर चार मई 2027 तक कर दिया गया था।

चक्रवर्ती 1985 बैच के गुजरात कैडर के आईएएस अधिकारी रहे हैं और अप्रैल 2020 में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए। इससे पहले वह निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग (डीआईपीएएम) के सचिव थे। ये दोनों विभाग वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आते हैं।

रुपया 35 पैसे टूटकर 93.88 प्रति डॉलर के रिकार्ड निचले स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। रुपया मंगलवार को 35 पैसे टूटकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर 93.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर आ गया। प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती और वैश्विक कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण निवेशकों में चिंता का माहौल रहने से घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशकों की निकासी ने भी रुपये पर दबाव डाला।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.66 पर खुला और पूरे सत्र के दौरान इसमें उतार-चढ़ाव बना रहा। अंत में यह 93.88 (अस्थायी) पर रहा, जो पिछले बंद स्तर से 35 पैसे की गिरावट है।

एथनॉल के लिए पीडीएस में टूटे चावल की मात्रा घटाएगी सरकारः खाद्य सचिव

नई दिल्ली, एजेंसी

खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत वितरित अनाज में टूटे चावल के आवंटन को 25 से घटाकर 10% करने का प्रस्ताव मंत्रिमंडल के समक्ष रखेगी। इससे एथनॉल क्षेत्र को करीब 90 लाख टन टूटा चावल उपलब्ध हो सकेगा।

ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) के सम्मेलन में चोपड़ा ने कहा कि इस प्रस्ताव का उद्देश्य एथनॉल उद्योग को साल भर कच्चे माल की स्थिर आपूर्ति प्रदान करना है जिससे भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साबुत अनाज के भंडार पर इसकी निर्भरता कम हो जाएगी। जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आपूर्ति श्रृंखला बाधित न हो। एथनॉल क्षेत्र को टूटे हुए चावल की निरंतर आपूर्ति यह सुनिश्चित करने में सहायक होगी। पीडीएस के तहत वर्तमान में वितरित अनाज में 25% टूटे हुए चावल होते हैं जो 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रदान किए जाते हैं। नई योजना के तहत इसे घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया जाएगा। प्रतिवर्ष वितरित होने वाले करीब 360-370 लाख टन चावल में से बचे हुए अतिरिक्त टूटे चावल को एथनॉल उत्पादकों, पशु आहार निर्माताओं और अन्य को नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। पांच राज्यों में इसका प्रायोगिक परीक्षण पहले ही किया जा चुका है।

एथनॉल को रसोई ईंधन के रूप में करें विकसित

नयी दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम क्षेत्र ने मंगलवार को उद्योग जगत के दिग्गजों से एथनॉल को भारतीय परिवारों के लिए एक स्वच्छ रसोई ईंधन के रूप में विकसित करने का आह्वान किया। इससे आयातित एलपीजी पर निर्भरता कम करने और जैव ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों को बल मिलेगा। फेडरेशन ऑफ इंडियन पेट्रोलियम इंडस्ट्री के निदेशक (डाउनस्ट्रीम) आर एस रवि ने ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह अपील की। उन्होंने एथनॉल आधारित रसोई स्टोव पर जारी शोध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एलपीजी उपकरण अनुसंधान केंद्र (एलईआरसी) और विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में इस दिशा में काफी काम हो रहा है तथा इसके प्रारूप (प्रोटोटाइप) जल्द ही तैयार होने की संभावना है।

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में 55,837 करोड़ रुपये डाले

मुंबई, एजेंसी। आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में तीन दिवसीय 'वैरिएबल रेट रेपो' नीलामी के जरिये मंगलवार को 55,837 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली। केंद्रीय बैंक के अनुसार, यह धनराशि 5.26 प्रतिशत की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर डाली गई।

यह राशि एक लाख करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि की तुलना में काफी कम रही। अग्रिम कर भुगतान के कारण बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष नकदी में तेज गिरावट आई है। बैंकिंग प्रणाली में 23 मार्च तक अनुमानित नकदी करीब 26,196.36 करोड़ रुपये आंकी गई है। केंद्रीय बैंक ने पिछले कुछ दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से बैंकिंग प्रणाली में 2,08,208 करोड़ रुपये की अस्थायी नकदी डाली है।

गैर-पंजीकृत क्षेत्रों में रोजगार 6.18% बढ़ा 74.52 लाख नये अवसर सृजितः सर्वेक्षण

नई दिल्ली,एजेंसी। गैर-पंजीकृत उद्यम क्षेत्र में रोजगार 2025 में 6.18 प्रतिशत बढ़कर 12.80 करोड़ हो गया। इस अवधि के दौरान 74.52 लाख से अधिक नए रोजगार सृजित हुए। सरकार के एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। मंगलवार को जारी गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण (एएसयूएसई), 2025 के अनुसार, अक्टूबर, 2023 से सितंबर, 2024 की अवधि के दौरान इस क्षेत्र में श्रमिकों की संख्या 12,05,99,800 थी जो 2025 में बढ़कर 12,80,51,800 हो गई। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जनवरी, 2025 से दिसंबर, 2025 की अवधि के लिए गैर-पंजीकृत क्षेत्र उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण के परिणाम जारी किए हैं। इस क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की कुल संख्या 7.97 प्रतिशत बढ़कर 2025 (जनवरी 2025-दिसंबर 2025) में 7.92 करोड़ हो गई जो 2023-24 (अक्टूबर 2023-सितंबर 2024) में 7.34 करोड़ थी। सर्वेक्षण के अनुसार, 'अन्य सेवाएं' क्षेत्र में प्रतिष्ठानों की संख्या में 10.29 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। इसके बाद विनिर्माण क्षेत्र में 6.48 प्रतिशत और व्यापार क्षेत्र में 6.18 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वृद्धि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक विस्तार को बताती है।

गडकरी बोले-सड़क परियोजनाओं के लिए जुटा सकते हैं आठ लाख करोड़

मुंबई, एजेंसी। राजमार्ग क्षेत्र में खर्च की धीमी गति पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार सड़क परियोजनाओं के लिए हर साल आठ लाख करोड़ रुपये तक जुटा सकती है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा कि सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से राजमार्ग निर्माण का बहुत महत्व है। इस पर खर्च करने से देश की आर्थिक वृद्धि को गति मिल सकती है। एनएचएआई द्वारा प्रायोजित राजमार्ग इन्फ्रा इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट की बीएसई पर सूचीबद्धता के कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि हमारी समस्या यह है कि हम खर्च करने में असमर्थ हैं। हमारे खर्च करने की गति बहुत धीमी है। उन्होंने कहा कि सरकार राजमार्ग क्षेत्र की मजबूत परिसंपत्तियों के आधार पर बाजार से हर साल पांच लाख करोड़ रुपये जुटा सकती है, इसके अलावा 3.2 लाख करोड़ रुपये का बजटीय सहयोग भी मिलता है।

भाजपा की मुहर से साबित हो गया आयोग को कौन चला रहा : ममता

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग के पत्र पर कथित तौर पर भाजपा की मुहर लगी होने के बाद यह बात संदेह से परे साबित हो गई है कि कौन सी पार्टी पर्दे के पीछे से आयोग को चला रही है। निर्वाचन आयोग के मार्च 2019 के एक पत्र पर भारतीय जनता पार्टी की केरल इकाई की मुहर लगी पाई जाने के बाद सोमवार को राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था।

बनर्जी ने चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने के लिए, उत्तरी बंगाल के बागडोगरा रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा कि निर्वाचन आयोग की आधिकारिक पत्र पर भाजपा की मुहर लगी होने से यह स्पष्ट हो गया है कि पर्दे के पीछे से आयोग को कौन चला रहा है। पोल खुल चुकी है। उन्होंने अपने दावों को सही साबित करने के लिए इस विवाद पर एक समाचार पत्र में प्रकाशित खबर दिखाई।

मुख्यमंत्री ने आयोग का जिक्र किए बिना कहा कि पर्दे के पीछे से अपने खेल खेलने की कोई जरूरत नहीं है। खुलकर सामने आएं और हमसे आमने-सामने मुकाबला करें। बनर्जी ने आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग द्वारा नंदीग्राम के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) का तबादला भवानीपुर में करने के कदम से राजनीतिक साजिश की बू आ रही है। उन्होंने परोक्ष रूप से दावा किया कि बीडीओ भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी हैं। भवानीपुर सीट पर बनर्जी और अधिकारी का मुकाबला होगा।

असमः हिमंत के खिलाफ चुनाव लड़ रहे कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन खारिज

गुवाहाटी, एजेंसी। असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के तीन उम्मीदवारों के नामांकन मंगलवार को हुई जांच के दौरान खारिज कर दिए गए, जिनमें से एक का नामांकन जलुकबारी सीट से था, जहां से मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा चुनाव लड़ रहे हैं। निर्वाचन आयोग ने यह जानकारी दी।

शाम साढ़े चार बजे तक कुल 18 नामांकन पत्र खारिज किए जा चुके थे। हालांकि, नामांकन पत्रों की जांच प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, ढकुआखाना सीट से कांग्रेस उम्मीदवार आनंद नराह, हाफलोंग सीट से निर्मल लंगथासा और जलुकबारी सीट से विदिशा नेओग के नामांकन पत्र खारिज कर दिए गए हैं। ढकुआखाना सीट पर वर्तमान में भाजपा के पूर्व मंत्री नबा कुमार डोले का कब्जा है। हाफलोंग सीट के लिए भाजपा की कैबिनेट मंत्री नंदिता गारलोसा की कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में उम्मीदवारी स्वीकार कर ली गई है। गारलोसा रविवार रात को विपक्षी दल में शामिल हुईं थीं।

केरलः भाजपा अध्यक्ष के हलफनामे पर विवाद चंद्रशेखर को कांग्रेस को कोर्ट जाने की चुनौती

तिरुवनंतपुरम,एजेंसी। केरल में विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के हलफनामे को लेकर सियासी विवाद छिड़ गया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि चंद्रशेखर ने बेंगलुरु स्थित एक महंगी संपत्ति का विवरण छिपाया है और उसने इस संबंध में निर्वाचन आयोग से शिकायत की है। चंद्रशेखर ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि संपत्ति छिपाने के दावे निराधार हैं और अगर कांग्रेस में अपने दावों को साबित करने का साहस है तो वह अदालत का रुख कर सकती है। नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव में चंद्रशेखर नेमम सीट से वी. शिवनकुट्टी और पूर्व कांग्रेस विधायक के. सबरीनाथन के खिलाफ मैदान में हैं। सबरीनाथन ने कहा कि हलफनामे से जुड़े आरोप गंभीर हैं।

तमिलनाडु में घोषणा पत्र जारी करते अन्नाद्रमुक के नेता।

तमिलनाडु : मुफ्त फ्रिज, नकद सहायता देगी अन्नाद्रमुक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का नेतृत्व कर रही मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने अपना घोषणापत्र जारी किया, जिसमें कुल 297 वादे शामिल हैं। मुफ्त योजनाओं में रेफ्रिजरेटर, एकमुश्त 10,000 रुपये की सहायता, महिलाओं के लिए मासिक सहायता, शिक्षा ऋण माफी, कार्ड धारकों के लिए 1,000 रुपये का पोंगल उपहार पैकेट आदि शामिल हैं। अन्नाद्रमुक के महासचिव और राज्य के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने बुधवार को दक्षिण चेन्नई के मायलापुर इलाके में एक बैठक के साथ अपने चुनाव अभियान की शुरुआत करने की पूर्व संध्या पर मंगलवार को अन्नाद्रमुक कार्यालय में घोषणापत्र जारी किया। मुख्य वादा चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर उपलब्ध कराना है। उन्होंने आगे कहा कि गृहिणियों के घरेलू कामों का बोझ कम करने के लिए, चावल राशन कार्डधारकों को मुफ्त रेफ्रिजरेटर दिया जाएगा। ईपीएस द्वारा अन्नाद्रमुक के सत्ता में आने पर किए गए वादों की सूची में करों के बोझ और महंगाई से निपटने के लिए प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये की विशेष सहायता, समाज में आर्थिक समानता लाने के लिए कुला विलाक्कु योजना के अंतर्गत सभी कार्डधारक परिवारों को 2,000 रुपये की मासिक सहायता-जो सीधे परिवार की महिला मुखिया के बैंक खाते में जमा होगी। इसके अलावा महिलाओं के समान पुरुषों के लिए मुफ्त बस यात्रा, ग्रामीण क्षेत्रों में जिनके पास घर या भूखंड नहीं है उनके लिए पक्के मकान बनाकर देंगे।

वर्ल्ड ब्रीफ

अफगानिस्तान ने एक साल बाद अमेरिकी नागरिक को रिहा किया

काबुल। अफगानिस्तान के अधिकारियों ने अमेरिकी शिक्षाविद डेनिस कोएले को एक साल से अधिक समय तक हिरासत में रखने के बाद मंगलवार को रिहा कर दिया। अफगानिस्तान के तालिबान-नियंत्रित विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह रिहाई ईद उल-फितर के अवसर पर हुई, जो मुसलमानों का पवित्र त्योहार है और इस्लामी पवित्र महीने रमजान के समापन का प्रतीक है। मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि अकादमी शोधकर्ता कोएले को देश की राजधानी काबुल में उनके परिवार की अपील के बाद रिहा कर दिया गया। अफगानिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने उनकी कैद अवधि को पर्याप्त माना। कोएले को जनवरी 2025 में कानूनों के उल्लंघन के आरोपों में हिरासत में लिया गया था।

ओडिशा: 55 लाख रुपये के इनामी सुक्रू ने किया आत्मसमर्पण

भुवनेश्वर। ओडिशा के सर्वाधिक वांछित और 55 लाख रुपये के इनामी माओवादी सुक्रू ने मंगलवार को कंधमाल जिले में चार अन्य साथियों के साथ पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। डीजीपी वाईबी खुरानिया ने बताया कि प्रदेश समिति के सदस्य सुक्रू ने एके-47 राइफल के साथ आत्मसमर्पण किया। मलकानगिरी जिले के मूल निवासी सुक्रू को राज्य में सक्रिय बचे अंतिम माओवादी नेताओं में से एक माना जाता था। यह आत्मसमर्पण ऐसे समय में हुआ जब केंद्र सरकार द्वारा वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने की 31 मार्च की समय सीमा नजदीक आ रही है।

पंजाब के पूर्व मंत्री भुल्लर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर को मंगलवार को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। भुल्लर को पंजाब भंडारण निगम (पंजाब वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन) के एक अधिकारी की कथित आत्महत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। भुल्लर को मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अमृतसर की एक अदालत में पेश किया गया। हरे रंग की पगड़ी पहने भुल्लर अदालत से बाहर निकलते समय हाथ जोड़े बैठे दिखाई दिए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत ने भुल्लर को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजने को मंजूरी दे दी।

वियतनाम: दो बच्चे पैदा करने पर महिला को मिलेंगे 20 लाख डोंग

- देश में प्रजनन दर बढ़ाने के लिए शुरू की वित्तीय मदद की योजना

हनोई, एजेंसी

वियतनाम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जन्म दर में भारी गिरावट के बीच प्रतिस्थापन प्रजनन दर बनाए रखने के प्रयासों के तहत एक नया प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत 35 वर्ष की आयु से पहले दो बच्चों को जन्म देने वाली महिलाओं को 20 लाख वियतनामी डोंग (लगभग 76 अमेरिकी डॉलर) की वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक मसौदे का अनावरण किया जिसमें कई वित्तीय सहायता नीतियों का प्रस्ताव है। इनसे प्रतिस्थापन-स्तर की प्रजनन दर को बनाए रखने और जनसंख्या की गुणवत्ता में सुधार होने की उम्मीद है। . मंत्रालय के अनुसार, राष्ट्रीय प्रजनन दर प्रतिस्थापन स्तर से नीचे गिर गई है। साल 2025 में यह दर प्रति महिला 2.11 बच्चों से घटकर 1.93 रह गई है, जो 2024 के 1.91 के रिकॉर्ड निचले स्तर से केवल मामूली सुधार है। इस मौजूदा रुझान को देखते हुए 2030 तक प्रतिस्थापन प्रजनन स्तर को बनाए रखने के लक्ष्य को हासिल करना कठिन लग रहा है।

यह अनुमान लगाया गया है कि यदि प्रजनन दर में इसी तरह गिरावट जारी रही तो वियतनाम की स्वर्णिम जनसंख्या की अवधि 2036 तक समाप्त हो जाएगी। इसके साथ ही कार्यबल की आयु वाली जनसंख्या 2044 से कम होने लगेगी।

श्रद्धा-आस्था का अकूत खजाना

हाल ही में ओडिशा सरकार ने पुरी के जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को खुलवाकर उसका सूचीकरण करने का फैसला लिया है। रत्न भंडार को खोलने और इसके खजाने की गिनती की निगरानी के लिए ओडिशा उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस विश्वनाथ रथ की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समिति बनाई गई है। पुरी के जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार अपार संपत्ति के लिए जाना जाता है। इससे पहले यहां 1978 में गणना हुई थी जिसके अनुसार यहां तब 128 किलो सोना और 221 किलो चांदी के गहने थे, लेकिन माना जाता है कि वास्तविक मात्रा इससे कहीं अधिक है। सिर्फ पुरी का जगन्नाथ मंदिर ही नहीं, देश के कई और मंदिरों में भी बेहिसाब खजाना है जो देश के लोगों की अपार आस्था और श्रद्धा का प्रमाण है।

भारत के मंदिरों की संपन्नता

तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम

- भक्तों के दान के मामले में यह दुनिया का सबसे व्यस्त और संपन्न मंदिर है। यह अपनी वित्तीय पारदर्शिता के लिए भी जाना जाता है।
- मंदिर की संपत्ति 2,50,000 करोड़ से 3,00,000 करोड़ रुपये तक मानी जाती है। विभिन्न बैंकों में 10,258 किलो से ज्यादा सोना जमा है।
- इसके अलावा 16,000 करोड़ की एफडी और 7,123 एकड़ जमीन समेत 960 से अधिक संपत्तियां हैं। वार्षिक आय 5,000 करोड़ से अधिक है।

शिरडी साईं बाबा मंदिर, शिरडी

- यह मंदिर दुनिया भर के श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इसे भारत के सबसे अमीर ट्रस्टों में गिना जाता है।
- इस मंदिर की 2,500 करोड़ रुपये से अधिक की बैंक जमा राशि है, 450 किलो सोना और 6,000 किलो चांदी है।
- इसके अलावा बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा और निवेश हैं और सालाना आय 400-500 करोड़ के आसपास रहती है।

श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर, तिरुवनंतपुरम

- यह न सिर्फ भारत बल्कि दुनिया का सबसे अमीर मंदिर माना जाता है। 2011 में इसके गुप्त तहखानों को खोलने के बाद इसकी संपत्ति दुनिया के सामने आई थी।
- बिना ऐतिहासिक महत्व जोड़े अनुमानित संपत्ति 1,20,000 करोड़ तक है। प्राचीन कलाकृतियों की अंतरराष्ट्रीय कीमत जोड़ने पर ये कई लाख करोड़ हो सकती है।
- संपत्ति में शुद्ध सोने की मूर्तियां, सोने का 18 फुट लंबा हार, हीरे-जवाहरात से जड़े सोने के मुकुट, हजारों सोने के सिक्के और बोरों में भरे कीमती रत्न शामिल हैं।

वैष्णो देवी मंदिर, कटरा

- साल भर करोड़ों श्रद्धालुओं की आमद के कारण यह मंदिर उत्तर भारत का सबसे संपन्न धार्मिक स्थल है जिसकी सालाना 500 करोड़ रुपये से अधिक है।
- श्राइन बोर्ड के पास 1.2 टन सोना है। बोर्ड सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, विश्वविद्यालय, आपदा प्रबंधन सुविधाओं को भी चलाता है।

सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई

- मुंबई का यह मंदिर बॉलीवुड हस्तियों और उद्योगपतियों के दान के लिए भी जाना जाता है।
- श्री सिद्धिविनायक मंदिर का शिखर यानी गुंबद ही लगभग 3 .7 किलो सोने से मढ़ा हुआ है।
- अनुमान के मुताबिक मंदिर ट्रस्ट को हर साल 100 से 150 रुपये करोड़ तक दान मिलता है।
- मंदिर के पास करीब 125 किलो सोने का भंडार और करोड़ों रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट हैं।

इजराइली जेलों में फिलिस्तीनियों का क्रूर नरसंहार

राज्य का सिद्धांत बनी क्रूरता : बिना किसी आरोप 18,500 फिलिस्तीनी हैं कैद जिनमें 1,500 से ज्यादा मासूम बच्चे

- अमानवीय यातनाओं से इन जेलों में अब तक हो चुकी है 100 से ज्यादा फिलीस्तीनियों की मौत

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट से खौफनाक सच बेनकाब

जेनेवा, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट ने इजराइली हिरासत केंद्रों के भीतर छिपे उस खौफनाक सच को बेनकाब कर दिया है, जिसे अब 'राज्य के सिद्धांत' के रूप में अपनाया जा चुका है। अक्टूबर 2023 से जारी जुल्म की यह श्रृंखला अब तक 18,500 से अधिक फिलिस्तीनियों को अपनी चपेट में ले चुकी है, जिनमें 1,500 से ज्यादा मासूम बच्चे शामिल हैं।

ये आंकड़े महज संख्या नहीं, बल्कि उन हजारों जिंदगियों की दास्तान हैं, जिन्हें बिना किसी आरोप या मुकदमे के सलाखों के पीछे धकेल दिया गया है। करीब 100 कैदियों की हिरासत में हुई मौतें इस भयावहता की गवाही देती हैं कि इजराइली जेलें सुधार गृह नहीं, बल्कि सोची-समझी क्रूरता की प्रयोगशाला बन चुकी हैं। इन जेलों में जहां कैदियों के साथ ऐसी अमानवीय और घिनौनी हरकतें की जा रही हैं, जो इंसानियत को शर्मसार कर दें। संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञ ने चेतावनी दी है कि दशकों से मिल रही छूट और राजनीतिक संरक्षण के चलते फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजराइल की व्यवस्थित प्रताड़ना अब कब्जे वाले फिलीस्तीनी क्षेत्र में जारी नरसंहार का परिभाषित हथियार बन गयी है।

सन् 1967 से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत फ्रांसेस्का अल्बानीज ने मानवाधिकार परिषद को सौंपी अपनी नई रिपोर्ट में कहा, नरसंहार की शुरुआत के बाद से इजराइली जेल प्रणाली सोची-समझी क्रूरता की प्रयोगशाला में बदल गई है। अल्बानीज के अनुसार, जो कभी अंधेरे और साये में किया जाता था, वह अब खुलेआम हो रहा है। संगठित अपमान, पीड़ा और अधोगति का यह शासन अब उच्चतम राजनीतिक स्तरों से स्वीकृत है।

यानी जो दर्द पहले छिपाया जाता था, अब उसे सत्ता की शह पर सरेआम अंजाम दिया जा रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्वीर सहित वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से लागू की गई नीतियों ने प्रताड़ना, सामूहिक दंड और हिरासत की अमानवीय स्थितियों को एक संस्थानिक रूप दे दिया है। यह फिलिस्तीनियों को इंसान न समझने की एक सोची-समझी नीति है। विशेष दूत ने स्पष्ट किया है कि मानवाधिकारों के इन जघन्य उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार लोगों को जांच और न्याय का सामना करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि युद्ध के समय भी इन अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता और अपराधियों को 'अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय' (आईसीसी) के कटघरे में खड़ा होना होगा।

ऐसी प्रताड़नाएं कि दहल जाए मानवता... चाकू, लोहे की छड़ों, बोतलों से बलात्कार, कुत्तों से नुचवाकर ऊपर करते हैं पेशाब

इजराइली जेलों में हजारों लोग बिना किसी आरोप या मुकदमे के कैद हैं, कई जबरन गायब कर दिए गए हैं और लगभग 100 कैदियों की हिरासत में मौत हो चुकी है। कैदियों के साथ ऐसी दरिंदगी की गई है जो कल्पना से परे है। रिपोर्ट में बोतलों, लोहे की छड़ों और चाकुओं से बलात्कार, भुखमरी, हड्डियां और दांत तोड़ना, शरीर को जलाना, थूकना और कुत्तों से हमला करवाना व उन पर पेशाब करवाने जैसी भयानक प्रताड़नाओं का जिक्र है। इन अकल्पनीय प्रताड़नाओं का उद्देश्य फिलिस्तीनियों को केवल शारीरिक रूप से ही नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक तौर पर भी पूरी तरह तोड़ देना है। यह संगठित बर्बरता अब अंधेरे में नहीं, बल्कि सत्ता के ऊंचे गलियारों की शह पर खुलेआम अंजाम दी जा रही है।

विडंबना: इस बर्बरता को कई देशों की सरकारों और कानूनी संस्थाओं का समर्थन, मीडिया भी करता है लीपापोती

वर्ष 2025 में प्रताड़ना के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र समिति ने भी संगठित और व्यापक प्रताड़ना की एक वास्तविक ''राज्य की नीति'' की निंदा की थी, जो 7 अक्टूबर 2023 के बाद से बेहद गंभीर हो गई है। इस बर्बरता को दुनियाभर के राजनेताओं से बचाव मिल रहा है। कानूनी संस्थाएं इसे तर्कसंगत बता रही हैं। मीडिया इसे साफ-सुथरा कर पेश कर रहा है। दुनिया की वे सरकारें इसे सहन कर रही हैं, जो इजराइल को हथियार और सुरक्षा देना जारी रखे हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, प्रताड़ना केवल जेल की दीवारों तक सीमित नहीं है। निरंतर बमबारी, जबरन विस्थापन, भुखमरी, घरों-अस्पतालों की तबाही और सैन्य व बसने वाले आतंकी समूहों के खौफ ने पूरे फिलिस्तीनी क्षेत्र को एक 'प्रताड़नाकारी माहौल' में बदल दिया है। अल्बानीज ने भावुक होकर कहा, गाजा, वेस्ट बैंक और पूर्वी येरुशलम में फिलीस्तीनी पीड़ा की अटूट श्रृंखला से गुजर रहे हैं। वहां कोई शरण नहीं है, कोई सुरक्षित कोना नहीं है, जीने के लिए कोई महफूज जगह नहीं बची है।

अमानवीय प्रताड़ना रोके इजराइल, अंतर्राष्ट्रीय अदालत में चले मुकदमा, दोषी अधिकारियों को किया जाए गिरफ्तार

अल्बानीज ने इजराइल से प्रताड़ना के सभी कृत्यों को तुरंत रोकने, अंतरराष्ट्रीय जांचकर्ताओं को प्रवेश देने और कब्जे को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू होने तक दोषियों की जवाबदेही तय करने का आग्रह किया और सदस्य देशों से नरसंहार और प्रताड़ना को रोकने के अपने कानूनी दायित्वों को निभाने की अपील की। इतामार बेन ग्वीर, बेजालेल स्मोट्रिच और इजराइल काट्ज जैसे जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच और गिरफ्तारी वारंट जारी करने को कहा गया है।

टेक्सास की रिफाइनरी में भीषण विस्फोट, लोगों को इलाके में जहां हैं वहीं शरण लेने की सलाह

- जोरदार विस्फोट के बाद उठीं आग की लपटें और घना धुआं, नहीं पता चला घटना का कारण

ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास राज्य के पोर्ट आर्थर में वैलेरो एनर्जी की रिफाइनरी में सोमवार को जोरदार विस्फोट हुआ, जिसके बाद आग की लपटें और घना धुआं उठता दिखाई दिया। स्थानीय प्रशासन ने आसपास के लोगों को एहतियातन घरों में रहने की सलाह दी है।

अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट का संभावित कारण एक औद्योगिक हीटर बताया जा रहा है, हालांकि मामले की जांच जारी है। प्रशासन ने ''शेल्टर-इन-प्लेस'' अलर्ट जारी करते हुए लोगों से कहा है कि वे घरों के भीतर रहें, दरवाजे-खिड़कियां बंद रखें और बाहरी गतिविधियों से बचें। शहर प्रशासन ने लोगों से अपील की, अपनी सुरक्षा के लिए तब तक अपने स्थान पर बने रहें जब तक आपातकालीन कर्मियों की ओर से सबकुछ सामान्य होने की घोषणा नहीं की जाती।

टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने बताया कि टेक्सास कमीशन ऑन एनवायरनमेंटल क्वालिटी ने स्थल पर वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए उपकरण तैनात किए हैं और स्थानीय तथा राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर पर्यावरणीय प्रभाव का आकलन किया जा रहा है। पोर्ट आर्थर फायर डिपार्टमेंट ने विशेष रूप से शहर के पश्चिमी हिस्से में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और घरों में रहने की सलाह दी है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में रिफाइनरी परिसर से उठती आग की लपटें और काला धुआं देखा जा सकता है।

बांग्लादेश: पूर्व जनरल मसूद उद्दीन चौधरी गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी

- 2007 में कराया था तख्तापलट मौजूदा प्रधानमंत्री तारिक को हिरासत में लेकर दी थीं यातनाएं

बांग्लादेश में एक प्रभावशाली पूर्व सैन्य जनरल मसूद उद्दीन चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसने 2007 में कार्यवाहक सरकार के स्थान पर सेना समर्थित अंतरिम सरकार के सत्तारूढ़ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। माना जाता है कि कार्यवाहक सरकार बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर झुकी हुई थी, जिसका नेतृत्व अब प्रधानमंत्री तारिक रहमान कर रहे हैं।

पुलिस ने बताया कि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल चौधरी ने 2007 में सरकार बदलने और एक अंतरिम सरकार स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अंतरिम सरकार ने 2008 के चुनाव तक अगले दो वर्षों तक देश चलाया। जांच शाखा के प्रमुख शफीकुल इस्लाम ने बताया, चौधरी को उनके खिलाफ दर्ज पांच मामलों के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। चौधरी ने बाद में ऑस्ट्रेलिया में बांग्लादेश के राजदूत के रूप में कार्य किया और बाद में जातीय पार्टी से संसद सदस्य बने।

जातीय पार्टी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की चुनावी सहयोगी थी, जिसने दिसंबर 2008 के चुनाव में दो-तिहाई बहुमत से जीत हासिल की थी। तत्कालीन अंतरिम सरकार के दो साल के शासनकाल के दौरान रहमान को भी गिरफ्तार किया गया था, हिरासत में यातना दी गई थी और उन पर कई आपराधिक और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए थे। बाद में तारिक को निर्वासित कर दिया गया था।

किम जोंग का एलान- उ. कोरिया को बनाएंगे परमाणु शक्ति संपन्न

सियोल, एजेंसी

- दक्षिण कोरिया को घोषित किया सबसे बड़ा दुश्मन, अमेरिका पर आतंकवाद का आरोप

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एलान किया है कि वह अपने देश को स्थायी रूप से परमाणु शक्ति संपन्न देश के रूप में स्थापित करेंगे। उन्होंने दक्षिण कोरिया को आधिकारिक रूप से सबसे बड़े दुश्मन करार दिया और उसके खिलाफ कड़ा रुख अपनाए रखने की चेतावनी दी।

किम ने सोमवार को संसद में अपने भाषण में पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का जिक्र करते हुए अमेरिका पर आतंकवाद और आक्रामकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका विरोधी भावनाओं के उभार के बीच उसके खिलाफ संयुक्त मोर्चे में उत्तर कोरिया और मजबूत भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नाम नहीं लिया।

उन्होंने कहा कि उनके दुश्मन चाहे टकराव का विकल्प चुनें या फिर शांतिपूर्ण सह अस्तित्व का, लेकिन वह किसी भी विकल्प का जवाब देने के लिए तैयार हैं। किम का यह बयान पिछले महीने सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के सम्मेलन में दिए गए उस बयान से मिलता जुलता है, जिसमें उन्होंने दक्षिण कोरिया पर जमकर निशाना साधा था लेकिन ट्रंप प्रशासन के साथ वार्ता के लिए दरवाजे खुले होने की बात कही थी और वाशिंगटन से आग्रह किया था कि वह वार्ता के लिए पूर्व शर्त के रूप में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण की अपनी मांग छोड़ दे। सरकारी मीडिया ने बताया कि संसद के दो दिवसीय सत्र के दौरान सोमवार को संविधान संशोधन विधेयक पारित कर दिया गया।

रूस ने यूक्रेन पर दागे 400 ड्रोन, चार लोगों की मौत, 27 घायल

कीव। रूस की ओर से यूक्रेन के नागरिक इलाकों पर किए गए ड्रोन और मिसाइल हमलों में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 27 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों के मुताबिक मॉस्को की सेना ने यूक्रेनी अग्रिम पंक्ति की रक्षा पंक्ति को भेदने के प्रयासों को तेज कर दिया है, जो वसंत ऋतु में होने वाले संभावित जमीनी आक्रमण की शुरुआत हो सकती है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने रात भर में लगभग 400 लंबी दूरी के ड्रोन दागे, जो हाल के हफ्तों में सबसे बड़ा हमला है। यह हमला मंगलवार सुबह तक जारी रहा, जब दिन के उजाले में भी कई ड्रोन ने राजधानी कीव को निशाना बनाया।

यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि इसके अलावा, रूस ने रात में 23 क्रूज मिसाइल और सात बैलिस्टिक मिसाइलें भी दागीं, जिनसे देशभर में कम से कम 10 स्थान प्रभावित हुए। चार साल से भी अधिक समय पहले रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू करने के बाद यूक्रेनी नागरिक लगातार बमबारी का सामना कर रहे हैं।

कोलंबियाई सैन्य विमान दुर्घटना में 66 की मौत

- 125 लोग थे सवार, कई लापता कई को बचाने में मिली सफलता

बोगोटा। दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के पुटुमायो प्रांत में सोमवार को दुर्घटनाग्रस्त हुए वायुसेना के हरक्यूलिस सी-130 परिवहन विमान में सवार 66 सैन्य कर्मियों की मौत हो गई है, जबकि दर्जनों अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

वायुसेना के मुताबिक दुर्घटना के शिकार हुए कई सैन्य कर्मियों को बचा भी लिया गया है और करीब दो दर्जन लोगों के बारे में कुछ जानकारी नहीं मिल सकी है। इस मालवाहक विमान का उपयोग सैनिकों और साजोसामान की आवाजाही में किया जाता है। वायुसेना कमांडर जनरल कार्लोस फर्नांडो सिल्वा रुएडा के अनुसार, विमान में सेना के 114 जवान और चालक दल के 11 सदस्यों सहित 125 लोग सवार थे। यह विमान पेरू की सीमा के पास उड़ान भरते वक्त हादसे का शिकार हो गया।

रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज़ ने घटना को देश के लिए बेहद दुखद बताते हुए कहा कि विमान गिरने के बाद लगी भीषण आग के कारण उसमें रखा गोला-बारूद भी फट गया, जिससे बचाव कार्य में अत्यधिक कठिनाई आई और मृतकों की संख्या बढ़ गई।

सुप्रीम फैसला | शॉर्ट सर्विस कमीशन प्राप्त अधिकारियों की 20 वर्ष की अर्हता सेवा पूरी मानी जाएगी

स्थायी कमीशन से वंचित महिला अधिकारी को भी पूर्ण पेंशन

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय में व्यवस्था दी कि मनमाने मूल्यांकन के चलते स्थायी कमीशन से वंचित की गईं भारतीय सशस्त्र बलों की शॉर्ट सर्विस कमीशन प्राप्त महिला अधिकारी पूर्ण पेंशन लाभ की हकदार हैं। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने फैसला सुनाया कि इन अधिकारियों के संबंध में पेंशन के लिए आवश्यक न्यूनतम 20 वर्ष की अर्हता सेवा पूरी कर ली गई मानी जाएगी, भले ही उन्हें इस अवधि से पहले सेवा से मुक्त कर दिया गया हो।

शीर्ष अदालत ने यह निर्णय विंग कमांडर सुचेता एडन और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनाया, जिनमें 2019 में नीतिगत बदलावों और पिछले सशस्त्र बल अधिकरण (एएफटी) के फैसलों के आधार पर स्थायी कमीशन न दिए जाने को चुनौती दी गई थी। फैसले के मुख्य भागों को पढ़ते हुए सीजेआई ने कहा कि महिला अधिकारियों के लिए वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एसीआर) को अक्सर इस धारणा के तहत श्रेणी प्रदान की जाती है कि वे करियर में प्रगति या स्थायी कमीशन के लिए पात्र नहीं होंगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, एसीआर इस धारणा के साथ लिखी गई कि उनके करियर में कोई प्रगति नहीं होगी। इससे उनकी समग्र योग्यता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

शीर्ष अदालत ने कहा कि पेंशन 20 साल की मानी गई सेवा के आधार पर तय की जाएगी, जो 1 नवंबर, 2025 से प्रभावी होगी।

असाधारण शक्तियों का प्रयोग कर सुनाया फैसला

पीठ ने वायुसेना, नौसेना और थलसेना की शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन से वंचित किए जाने के मामले पर अलग-अलग विचार किया। वायुसेना के संबंध में, पीठ ने पाया कि 2019 में पेश किए गए सेवा अवधि मानदंड और न्यूनतम प्रदर्शन मानदंड को जल्दबाजी में लागू किया गया था, जिससे अधिकारियों को उन्हें पूरा करने का उचित अवसर नहीं मिला। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग करते हुए पीठ ने कहा कि एक बार के उपाय के रूप में, 2019, 2020 और 2021 में चयन बोर्डों में स्थायी कमीशन के लिए विचार किए गए सभी एसएससी अधिकारियों को 20 वर्ष की अर्हक सेवा पूरी कर चुका माना जाएगा, जिनमें 2021 में सेवा से मुक्त किए गए अधिकारी भी शामिल हैं।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज रुके हुए कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा।

तुला – आज नई योजनाएं सफल होंगी। दांपत्य जीवन में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यापार में विस्तार की संभावना है।

वृष – आज करियर में नए बदलाव के संकेत हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

वृश्चिक – आज चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। पुराने कर्ज से मुक्ति मिलने के आसार हैं। अपनी गुप्त योजनाओं को किसी को न बताएं।

मिथुन – आज सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं। मानसिक शांति के लिए अध्यात्म या रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे।

धनु – आज संतान पक्ष से शुभ समाचार प्राप्त होगा। धार्मिक यात्रा की योजना बन सकती है। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

कर्क – आज घर में मांगलिक कार्यों की रूपरेखा बनेगी। भावुकता पर नियंत्रण रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

मकर – आज भूमि या वाहन खरीदने के योग हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यभार अधिक रहेगा। माता-पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – आज पैतृक संपत्ति से लाभ मिल सकता है। समाज में नेतृत्व की क्षमता निखरेगी। धन लाभ के प्रबल योग हैं।

कुंभ – आज पराक्रम और पुरुषार्थ में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा। करियर में उन्नति के द्वार खोलेंगे।

कन्या – आज धैर्य से काम लेना हितकारी होगा। बौद्धिक कार्यों में सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्चों पर लगाम लगाएं।

मीन – आज का दिन आर्थिक निवेश के लिए उत्तम है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। किसी उत्सव में शामिल हो सकते हैं।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

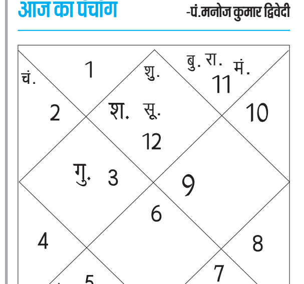

आज की ग्रह स्थिति : 25 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, सप्तमी 13 .50 तक तत्पश्चात अष्टमी।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मृगशिरा 17 .33 तक तत्पश्चात आर्द्रा।

सुडोकू - 98 का हल

3	6	9	4	8	2	5	7	1
7	2	4	5	1	9	3	6	8
8	1	5	3	6	7	4	9	2
2	7	1	9	3	8	6	5	4
6	4	8	2	7	5	1	3	9
5	9	3	6	4	1	8	2	7
9	3	7	1	5	4	2	8	6
1	5	2	8	9	6	7	4	3
4	8	6	7	2	3	9	1	5

सुडोकू -99

				2		6		8
		9	1			4		
	8			7			1	
	1	6				3		
	7						8	
		5		6		7		
	5			4			9	
		3			5	2		
4		1		3				

> पहले दिन से ही हमारी सोच साफ़ रही है, हम यहां हिस्सा लेने नहीं आए हैं। हम यहां मुकाबला करने और जीतने आए हैं। एक नई टीम के लिए, यह सोचना आसान है कि इसमें समय लग सकता है, लेकिन हमारा नज़रिया कभी ऐसा नहीं था।
> –**आशीष नेहरा**, गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच

हाईलाइट

ऑस्ट्रेलिया ने विंडीज पर किया क्लीन स्वीप

सेंट विन्सेंट, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने सोमवार को डीएलएस मेथड से वेस्टइंडीज को 40 रन से हराकर महिला टी 20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। बारिश ने वेस्टइंडीज के 212 रन के लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल कर दिया, जिससे 10 ओवर में उनका स्कोर 61/3 हो गया। इसी दौरान किंग्सटाउन बारिश होने लगी। बाद में मैच का नतीजा डीएलएस मेथड से तय किया गया। ऑस्ट्रेलिया के टोटल में जॉर्जिया वोल का 52 गेंदों पर पहला टी20 शतक सबसे ऊपर रहा। वह मेग लैनिंग (दो बार), बेथ मूनी (दो बार) और एलिसा हीली के साथ ऑस्ट्रेलिया महिला टी20 शतक बनाने वालों में शामिल हो गईं। नौ चौके और छह छक्के लगाकर, उन्होंने 17वें ओवर में अपना शतक पूरा किया।

खेल पत्रकार एस त्यागराजन का निधन

चेन्नई, एजेंसी। नामचीन खेल पत्रकार एस त्यागराजन(85) का सोमवार शाम को निधन हो गया। त्यागराजन "त्यागु सर" के नाम से भी मशहूर थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और दो बेटियां हैं। एक गाइड और मेंटर के तौर पर, उन्होंने इस रिपोर्टर को भी यूएनआई के एक जाने-माने जर्नलिस्ट के तौर पर बनाने में अहम भूमिका निभाई, जिन्होंने 1984 में स्पोर्ट्स कवर करके अपना सफ़र शुरू किया था। मल्टी-स्पोर्ट्स इवेंट्स लिखने में माहिर होने के कारण, बाद में उन्होंने इंडियन हॉकी को कवर करना शुरू किया और इंडियन टीम के लगभग सभी इवेंट्स को कवर करते हुए बहुत यात्रा की, जिसमें सुल्तान अज़लान शाह, एशिया कप और दूसरे इवेंट्स शामिल हैं।

बारानिका ने कायम किया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भुवनेश्वर, एजेंसी। तमिलनाडु की बरनिका एलंगोवन ने राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप के शुरुआती दिन महिला पोल वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस 29 वर्षीय एथलीट ने 4.22 मीटर की ऊंचाई पार कर यह नई उपलब्धि हासिल की। बरनिका का यह प्रयास पहले से कायम आउटडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 4.21 मीटर से भी बेहतर रहा, जो 2022 से राजी मीणा पौलराज के नाम दर्ज था। यह राष्ट्रीय इंडोर चैंपियनशिप पहली बार आयोजित की जा रही है, इसलिए महिला पोल वॉल्ट के लिए आधिकारिक तौर पर कोई इंडोर राष्ट्रीय रिकॉर्ड पहले से मौजूद नहीं था।

खेलो इंडिया में 1300 खिलाड़ी लेंगे भाग

रायपुर, एजेंसी। देशभर के लगभग 1300 खिलाड़ी बुधवार से शुरू हो रहे खेलो इंडिया जनजातीय खेलों (ट्राइबल गेम्स) में 106 स्वर्ण पदकों के लिए नौ स्पर्धाओं में दमखम दिखाने के लिए तैयार हैं। इन खेलों का आयोजन छत्तीसगढ़ के तीन स्थलों (रायपुर, जगदलपुर और सरगुजा) में होगा। ओडिशा ने 125 खिलाड़ियों के साथ सबसे बड़ा दल भेजा है, जबकि मेजबान छत्तीसगढ़ (121), झारखंड (107) और असम (106) की भी मजबूत भागीदारी रहेगी। इस प्रतियोगिता में तीरंदाजी, एथलेटिक्स, फुटबॉल, हॉकी, तैराकी, भारोत्तोलन और कुश्ती में पदक दांव पर होंगे, जबकि पारंपरिक खेलों में मल्लखंब और कबड्डी का आयोजन प्रदर्शनी खेल के रूप में होगा। आयोजन में खिलाड़ियों, कोच और अधिकारियों सहित लगभग 3800 प्रतिभागी शामिल होंगे। यह खेल तीन अप्रैल तक चलेंगे।

टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे ऋषभ पंत : एलएसजी कोच जस्टिन लैंगर

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर को उम्मीद है कि ऋषभ पंत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कप्तान के रूप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज एक क्रिकेटर के रूप में तब और भी बेजोड़ बन जाता है जब खेलते समय उनके चेहरे पर मुस्कान होती है। एलएसजी ने पिछले साल पंत को 27 करोड़ रुपये की मोटी कीमत पर खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए थे।

लेकिन आईपीएल 2025 में पंत और एलएसजी के लिए खुश होने का कोई खास कारण नहीं था, क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर रही थी। लैंगर ने कहा कि हालांकि पंत पिछले साल अपना प्रभाव छोड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे थे तथा इस दौरान उनके साथ बिताए गए समय से फ्रेंचाइजी और कोचिंग स्टाफ को उनके बारे में और अधिक समझने में मदद मिली। एक न्यूज चैनल से बातचीत में लैंगर ने बताया कि इस बार हम ऋषभ को पहले से अधिक सहज देख रहे हैं। वह अब खिलाड़ियों को अच्छी तरह से जानता है और हम उसका पूरा समर्थन करते हैं। उसके चेहरे पर मुस्कान है और वह खूब मस्ती कर रहा है। जब वह क्रिकेट खेलता है तो उससे अधिक रोमांचक खिलाड़ी कोई दूसरा नहीं होता है।

यश दयाल बाहर, लेकिन हटाए नहीं गए: आरसीबी

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने मंगलवार को पेसर यश दयाल का साथ दिया, जबकि उन्होंने कन्फर्म किया था कि वह इस समय आने वाले इंडियन प्रीमियर लीग सीजन के लिए टीम में शामिल नहीं होंगे। रिपोर्ट्स में उनकी गैरमौजूदगी को चल रहे कानूनी मामलों से जोड़ा जा रहा है। आरसीबी के क्रिकेट डायरेक्टर मो बोबट ने कहा कि दयाल एक "पर्सनल सिचुएशन" से जूझ रहे हैं, उन्होंने दोहराया कि फ्रेंचाइजी खिलाड़ी को सपोर्ट करती रहेगी और उनके साथ रेगुलर कॉन्टैक्ट में रहेगी।

आकाशदीप और एडवडर्स की जगह दुबे व पेन विकल्प

नई दिल्ली,एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल से पहले चोटिल आकाशदीप और जैक एडवडर्स की जगह सौरभ दुबे और डेविड पेन को शामिल किया है। भारतीय तेज गेंदबाज आकाशदीप चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं। वह बेंगलुरू में उत्कृष्टता केंद्र में बीसीसीआई की मेडिकल टीम की देखरेख में रहेंगे। आईपीएल मीडिया बयान में कहा गया कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सौरभ केकेआर में आकाश की जगह लेंगे। वह 30 लाख रुपये में केकेआर से जुड़ेंगे। वहीं, इंग्लैंड के तेज गेंदबाज पेन को एसआरएच ने जैक एडवडर्स की जगह लिया है जो पैर की चोट के कारण बाहर हैं। उन्हें पहले एसआरएच ने तीन करोड़ रुपये में खरीदा था। वह डेढ करोड़ रूपये में एसआरएच से जुड़ेंगे। इस बीच चेन्नई सुपर किंग्स ने चोटिल नाथन एलिस की जगह उनके हमवतन ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्पेंसर जॉनसन को टीम में शामिल किया है। इससे पहले गुजरात टाइटन्स और केकेआर के लिए खेल चुके जॉनसन 1.5 करोड़ रुपये में सीएसके में शामिल होंगे।

पांच खिलाड़ियों को लक्ष्मण, छह को रानी लक्ष्मीबाई अवार्ड

लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांस्य प्रतिमा के साथ दिए प्रशस्ति पत्र और चेक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

3.11 लाख रुपये, कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र लक्ष्मण व रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार में दिए गए

06 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र भी दिए गए, क्रिकेटर रिंकू सिंह नहीं पहुंच सके

1.64 करोड़ रुपये से 14 अन्य खिलाड़ियों को नकद धनराशि देकर किया गया सम्मानित

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले पांच खिलाड़ियों को लक्ष्मण अवॉर्ड और चार खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। 14 अन्य खिलाड़ियों को 1.64 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई। छह अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को नौकरी के नियुक्ति पत्र भी दिए गए। योगी ने बटन दबाकर एकलव्य क्रीड़ा कोष से खिलाड़ियों को आर्थिक सहायता का अंतरण भी किया।

लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई एवार्ड में प्रत्येक खिलाड़ी को 3.11 लाख रुपये, कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को हर स्तर पर सहयोग देने के लिए प्रतिबद्ध है। नियुक्ति पत्र पाने वालों में हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल और पैरालंपिक ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार को डीएसपी पद पर नियुक्ति दी गई। अजीत सिंह और सिमरन को जिला पंचायत राज अधिकारी, प्रीतिपाल को खंड विकास अधिकारी तथा क्रिकेटर रिंकू सिंह को क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी पद दिया गया है। रिंकू सिंह समारोह में उपस्थित नहीं हो सके।

लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, साथ में अन्य। अमृत विचार

चेक लेतीं तनुश्री पांडेय।

14 खिलाड़ियों को नकद प्रोत्साहन

- पदक विजेताओं में विनय (पैरा पावरलिफ्टिंग) को 40 लाख रुपये, विक्रांत बालियान (वुशु), सागर दांगी (शूटिंग), दीपक कुमार व ले. कर्नल भानु पाठक (पर्वतारोहण) को 15-15 लाख रुपये दिए गए। इसके अलावा अन्य खिलाड़ियों को 2 लाख से 14 लाख रुपये तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

लक्ष्मण अवॉर्ड

- उत्तम सिंह (हॉकी), अभिजीत कुमार (जिम्नास्टिक), जोंटी कुमार (कुश्ती), यश कुमार (पैरा कैनोइंग) और प्रवीण कुमार (पैरा एथलेटिक्स)।

रानी लक्ष्मीबाई अवॉर्ड

- प्राची (एथलेटिक्स), तान्या चौधरी (एथलेटिक्स), प्रगति केसरवानी (पैरा टेबल टेनिस) और वंतिका अग्रवाल (शतरंज) को सम्मानित किया गया।

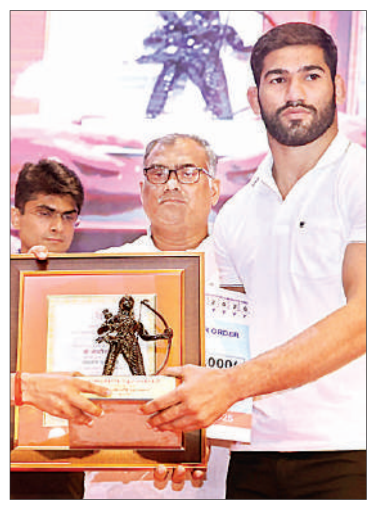

लोकभवन में आयोजित समारोह में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को लक्ष्मण अवार्ड देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

राजस्थान रॉयल्स को 1.63 अरब डॉलर में खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स को अमेरिका स्थित सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम (समूह) को 1.63 अरब डॉलर (लगभग 15,290 करोड़ रुपये) में बेचे जाने की तैयारी है। इस कंसोर्टियम में वॉलमार्ट परिवार से जुड़े रॉब वॉलटन और फोर्ड परिवार से जुड़े हैम्प परिवार के सदस्य भी शामिल हैं।

एरिज़ोना स्थित टेक उद्यमी कल सोमानी ने इन्ट्राएज, 'ट्रूयो डॉट एआई' और एकेडेमियन जैसी कंपनियों की स्थापना की है। इस बोली में टाइम्स इंटरनेट के नेतृत्व वाला कंसोर्टियम, आदित्य बिड़ला समूह और आर्सेलरमित्तल के सीईओ आदित्य मित्तल के नेतृत्व वाला मित्तल परिवार भी दावेदारों में शामिल थे। यह सौदा भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की मंजूरी के अधीन होगा और 2026 आईपीएल सत्र के बाद प्रभावी होगा। वर्तमान में ब्रिटिश-भारतीय कारोबारी मनोज बादले के पास टीम में 65 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सूत्रों के अनुसार इस सौदे पर बीसीसीआई की मंजूरी के बाद जल्द ही हस्ताक्षर किया जाएगा। 1.63 अरब डॉलर की कीमत दर्शाती है कि आईपीएल एक ब्रांड के रूप में कितना आगे बढ़ चुका है। एक अन्य सूत्र ने 2021 में आरपीएसजी समूह द्वारा एलएसजी की सात हजार करोड़ रुपये से कुछ अधिक में हुई बिक्री से तुलना करते हुए कहा कि अगर आप आईपीएल में हाल ही में शामिल हुई लखनऊ सुपर जायंट्स की बिक्री को देखें, तो यह उससे कहीं अधिक है। उम्मीद है कि अगले चार से पांच दिनों में इस समझौते की घोषणा कर दी जाएगी। आईपीएल की एक और प्रमुख फ्रेंचाइजी, मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, भी बिक्री के लिए उपलब्ध है और इस सौदे का मूल्य दो अरब डॉलर (लगभग 18,749 करोड़ रुपये) से अधिक होने की संभावना है। सोमानी निवेशक और खेल उद्यमी के रूप में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वह डेट्रॉइट स्थित मोटर सिटी गोल्फ क्लब के सह-मालिक हैं।

लक्ष्मण और रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार राशि होगी 10 लाख

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लोकभवन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए कहा कि हर मेडल के पीछे संघर्ष, अनुशासन और दृढ़ संकल्प की कहानी होती है। जितना पसीना बहेगा, जीत उतना ही निकट आएगी।

खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र, लक्ष्मण एवं रानी लक्ष्मीबाई पुरस्कार और पदक जीतने पर बधाई देते हुए ऐलान किया कि इन दोनों प्रतिष्ठित पुरस्कारों की राशि 3.11 लाख रुपये से बढ़ाकर 10-10 लाख रुपये की जाएगी। इसके लिए उन्होंने खेल विभाग को प्रस्ताव तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेरठ में बन रहे मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का लोकार्पण मई-जून में किया जाएगा। इसके साथ ही हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और हर विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम विकसित किए जा रहे हैं। सांसद और विधायक निधि से भी खेल मैदान और ओपन जिम को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 9 वर्षों में खिलाड़ियों को 200 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि दी गई है। ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को 6 करोड़ रुपये, रजत पर 4 करोड़ और कांस्य पर 2 करोड़ रुपये दिए जाते हैं। अब तक 500 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी भी दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पहले जहां खेल उपेक्षित थे, वहीं अब बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर, पारदर्शी व्यवस्था और प्रोत्साहन के कारण खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

लक्ष्मण पुरस्कार लेता खिलाड़ी।

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग | मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंची कप्तान हरमनप्रीत कौर

भारत की सलामी बल्लेबाज मंधाना दूसरे स्थान पर कायम

दुबई, एजेंसी।

भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर मंगलवार को यहां जारी नवीनतम रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना के अलावा आक्रामक बल्लेबाज शेफाली वर्मा शीर्ष 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने अपना छठा स्थान बरकरार रखा है, जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त 11वें स्थान पर बनी हुई हैं। गेंदबाजी विभाग में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर छठे स्थान पर बनी हुई हैं। तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी शीर्ष 10 से बाहर होकर 11वें स्थान पर खिसक गई है।

दीप्ति ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी तीसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हुईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतकों ने उन्हें सूची में दो स्थान ऊपर18वें स्थान पर पहुंचने में मदद की। रवांडा की 15 वर्षीय फैनी उटागुशिमानिंदे टी20 अंतरराष्ट्रीय में अपने पदार्पण मैच में (घाना के खिलाफ) शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला खिलाड़ी बनी। यही नहीं वह पुरुष और महिला क्रिकेट में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बनी। इससे उन्होंने 66वें स्थान पर रैंकिंग में प्रवेश किया है।

दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए काशवी भारतीय टीम में शामिल

- **नई दिल्ली, एजेंसी :** तेज गेंदबाज़ ऑलराउंडर काशवी गौतम को अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका में होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर काशवी ने टेस्ट और वनडे दोनों सीरीज में हिस्सा लिया था, लेकिन अब तक उनका टी20 डेब्यू नहीं हुआ है। चयनकर्ताओं ने उमा छेत्री को भी दल में ऋचा घोष के बैकअप के रूप में शामिल किया है। छेत्री ने 17 साल की जी कमालिनी की जगह ली है जिन्होंने दिसंबर में श्रीलंका के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ में टी20 डेब्यू करने के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। दक्षिण अफ़्रीका का ये दौरा डरबन में शुरू होगा जहां 17 और 19 अप्रैल को पहले दो टी20 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद 22 और 25 अप्रैल को जोहान्सबर्ग में अगले दो मैच तथा 27 अप्रैल को बेनोनी में दौरे का आख़िरी मैच खेला जाएगा।
- **भारतीय टीम :** हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफ़ाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, क्रांति गौड़, श्री चरणी, श्रेयंका पाटिल, काशवी गौतम, भारती फुलमाली, उमा छेत्री (विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा।

काशवी गौतम।